नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 39

सोमवार, 09 से 15 नवम्बर 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से गांवों में आएगी समृद्धि : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 03

शी और पुतिन से परमाणु हथियारों में कटौती पर बात करना चाहते हैं ट्रंप 08

NCR समाचार

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड में जीती वनडे सीरीज 10

भारत में सोलोट्रिप के लिए बेहद शानदार जगहें 11



इस्माईल खान

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

रजनीकांत की फिल्म धर्मन में हुई श्रीलीला की एंट्री 12

16 नवंबर से दौड़ेंगी नमो भारत की फास्ट ट्रेनें

आनंद विहार से गाजियाबाद सिर्फ 8 मिनट में पहुंचेंगे यात्री



गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और सुबह-शाम के व्यस्त समय में यात्रा को और तेज व सुविधाजनक बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) 16 नवंबर 2026 से नमो भारत की फास्ट ट्रेनें शुरू करने जा रहा है।

इन ट्रेनों की खासियत यह होगी कि ये कॉरिडोर के सभी स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी, बल्कि केवल पांच प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेंगी। इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में पहले के मुकाबले काफी कम समय लगेगा। नई व्यवस्था के तहत यात्री आनंद विहार से गाजियाबाद की दूरी महज 8 मिनट में तय कर सकेंगे। वहीं, गाजियाबाद से बेगमपुल पहुंचने में 28 मिनट और आनंद विहार से बेगमपुल तक का सफर केवल 36 मिनट में पूरा होगा। इसके अलावा सराय काले खां से मोदीपुरम तक पूरे कॉरिडोर की यात्रा 50 मिनट से भी कम समय में पूरी की जा सकेगी।

एनसीआरटीसी की इस पहल से दिल्ली, गाजियाबाद और मेरठ के बीच रोजाना आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। एनसीआरटीसी के अनुसार, सुबह और शाम के व्यस्त समय में दोनों दिशाओं में दो-दो फास्ट ट्रेनें चलाई जाएंगी। सुबह के समय सराय काले खां से मोदीपुरम और मोदीपुरम से सराय काले खां के लिए ट्रेनें सुबह 8 बजे और 8:30 बजे रवाना होंगी। इसी तरह शाम के पीक आवर्स में दोनों दिशाओं में शाम 6 बजे और 6:30 बजे फास्ट ट्रेनें संचालित की जाएंगी।

इस तरह सुबह और शाम मिलाकर कुल आठ अतिरिक्त फास्ट ट्रेनें यात्रियों को उपलब्ध होंगी। ये ट्रेनें मौजूदा नियमित नमो भारत सेवाओं के अतिरिक्त चलाई जाएंगी। इसका मतलब है कि यात्रियों को नियमित ट्रेनों की सुविधा पहले की तरह मिलती रहेगी। नियमित नमो भारत ट्रेनें अपने निर्धारित समय के अनुसार प्रत्येक 10 मिनट में उपलब्ध रहेंगी। फास्ट ट्रेनों का संचालन सीमित स्टॉपेज के आधार पर किया जाएगा। इनका ठहराव कॉरिडोर के केवल पांच प्रमुख स्टेशनों पर होगा।

इनमें सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद, बेगमपुल और मोदीपुरम स्टेशन शामिल हैं। इन स्टेशनों के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा। कम स्टॉपेज होने से ट्रेन बार-बार नहीं रुकेगी और यात्रियों का कीमती समय बचेगा। एनसीआरटीसी का कहना है कि रोजाना दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा काफी उपयोगी साबित होगी। खासकर उन लोगों को राहत मिलेगी, जिन्हें सुबह समय पर कार्यालय या कॉलेज पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर यात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वर्तमान में इस कॉरिडोर पर प्रतिदिन लगभग 1.1 लाख यात्री सफर कर रहे हैं। हाल ही में नमो भारत ने पांच करोड़ पैसेंजर जर्नी का महत्वपूर्ण आंकड़ा भी पार किया है। पिछले तीन महीनों के दौरान ही इस कॉरिडोर पर हर महीने औसतन 32 लाख से अधिक पैसेंजर जर्नी दर्ज की गई हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए फास्ट ट्रेनों की शुरूआत को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खास बात यह है कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति के बीच सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी यह पहल की जा रही है। तेज और सुविधाजनक सफर मिलने से अधिक लोग निजी वाहनों के बजाय नमो भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव और ट्रैफिक जाम कम करने में भी मदद मिल सकती है। एनसीआरटीसी ने यात्रियों से अपील की है कि फास्ट और नियमित ट्रेनों के संचालन के दौरान स्टेशन पर लगे डिस्प्ले बोर्ड को देखकर ही ट्रेन में सवार हों। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म पर होने वाली घोषणाओं को भी ध्यान से सुनें, ताकि यात्रियों को यह स्पष्ट रहे कि उनके प्लेटफॉर्म पर आने वाली ट्रेन फास्ट सेवा है या नियमित सेवा।

एनसीआर में 191 प्रदूषणकारी उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए 191 प्रदूषणकारी उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि 30 नवंबर तक एएनपीआर कैमरे नहीं लगाने पर संबंधित परिवहन विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से शनिवार को दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा की गई। इस दौरान यादव ने राज्यों को योजनाओं से आगे बढ़कर समयबद्ध और समन्वित तरीके से जमीनी स्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में हरियाणा के सात, उत्तर प्रदेश के चार और राजस्थान के चार शहरों के लिए सचिव स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने को कहा गया। ये अधिकारी मैदानी निरीक्षण कर हर सप्ताह वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को रिपोर्ट देंगे। आयोग से काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने को कहा गया है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उन 191 उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया, जिन्होंने वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के लिए अब तक आदेश तक नहीं दिए हैं। उन्होंने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान और शीतकालीन कार्ययोजनाओं को सख्ती से लागू करने को भी कहा।

उन्होंने कहा कि सड़क धूल नियंत्रण के तहत 5,480 किलोमीटर सड़कों के नवीनीकरण के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 3,221 किलोमीटर का काम पूरा हुआ है। उन्होंने सड़क सफाई मशीनों को दो पालियों में चलाने, एनसीआर के 233 जाम वाले स्थानों पर सुधारात्मक कदम उठाने और दिल्ली की सीमा पर 154 प्रवेश बिंदुओं पर 31 दिसंबर तक मल्टी-लेन फ्री फ्लो प्रणाली लगाने के निर्देश दिए।

वाहन प्रदूषण रोकने के लिए 2028 तक पुराने ट्रकों और बसों को बीएस-6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलने की परिवर्तन योजना में तेजी लाने को कहा गया। औद्योगिक प्रदूषण के संबंध में बताया गया कि लक्षित 2,345 उद्योगों में से 2,298 को ऑनलाइन उत्सर्जन निगरानी प्रणाली से जोड़ा जा चुका है। शेष 47 इकाइयां बंद या सील कर दी गई हैं।

उन्होंने नगर निकायों को ठोस कचरा प्रसंस्करण क्षमता में प्रतिदिन 6,747 टन की कमी दूर करने, खुले में कचरा जलाने पर रोक लगाने और ओखला, गाजीपुर, भलस्वा तथा बंधवारी में पुराने कचरे के निस्तारण में तेजी लाने को कहा।

संगम विहार के बत्रा पार्क में भव्य छठ घाट का निर्माण

हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को दिया अर्घ्य

नमिता चौहान

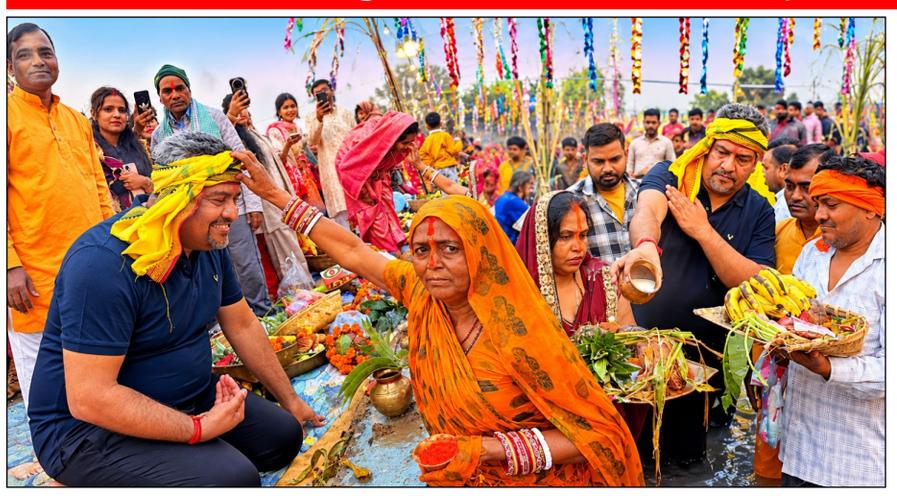

दक्षिणी दिल्ली। देशभर में लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार स्थित मंगल बाजार रोड के बत्रा पार्क में भी छठ महापर्व को लेकर भव्य आयोजन किया गया। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक भव्य छठ घाट का निर्माण कराया गया, जहां हजारों की संख्या में व्रती महिलाओं, पुरुषों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना की।

दक्षिणी दिल्ली। देशभर में लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार स्थित मंगल बाजार रोड के बत्रा पार्क में भी छठ महापर्व को लेकर भव्य आयोजन किया गया। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक भव्य छठ घाट का निर्माण कराया गया, जहां हजारों की संख्या में व्रती महिलाओं, पुरुषों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना की।

छठ पूजा के अवसर पर बत्रा पार्क का नजारा पूरी तरह भक्तिमय दिखाई दिया। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाएं छठ पूजा की सामग्री, फल, फूल, सूप और प्रसाद लेकर घाट पर पहुंचीं। शाम के समय व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया, वहीं अगले दिन सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

इस भव्य छठ घाट के निर्माण और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर भाजपा विधायक चंदन चौधरी की भूमिका सामने आई। उनके प्रयासों से बत्रा पार्क में छठ पूजा के लिए विशेष व्यवस्था कराई गई, जिससे संगम विहार और आसपास के इलाकों के हजारों श्रद्धालुओं को अपने क्षेत्र में ही छठ महापर्व मनाने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भी घाट को लेकर उत्साह देखने को मिला।

छठ महापर्व केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, स्वच्छता, प्रकृति और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस पर्व में हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर पूजा-अर्चना करते हैं और सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश करते हैं। बत्रा पार्क में भी इसी तरह का नजारा देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और पूरे भक्तिभाव के साथ छठी मैया की आराधना की।

कुल मिलाकर, संगम विहार के बत्रा पार्क में आयोजित छठ पूजा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय माहौल में सराबोर कर दिया। भव्य घाट और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच छठ महापर्व का आयोजन स्थानीय लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

भारत चालू वित्त वर्ष में 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की राह पर: पीयूष गोयल



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत चालू वित्त वर्ष में 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। पहले सात महीनों (अक्टूबर तक) में निर्यात 570 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो कि एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दी है।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2026 में भारत का निर्यात अब तक के सबसे ऊंचे स्तर, लगभग 90 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसमें लगभग 50 अरब डॉलर का वस्तुओं का निर्यात और 40 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है।

गोयल ने विश्वास जताया कि मौजूदा साल में भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार 15-16 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। यह वृद्धि तब हो रही है, जब दुनिया में दो युद्ध चल रहे हैं, वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और अनिश्चितता का माहौल है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की कुल वृद्धि दर भी सुस्त (लगभग 3.5 प्रतिशत) रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि भारत का यह प्रदर्शन देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती, निर्यातकों के आत्मविश्वास और वैश्विक चुनौतियों का दृढ़ता और आत्मसम्मान के साथ सामना करने की देश की क्षमता को दर्शाता है। भारत मंडपम में '45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2026' का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने भारतीय व्यवसायों, निमार्ताओं, निर्यातकों, कारीगरों और उद्यमियों से आह्वान किया कि वे भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाएं और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित देशों के बाजारों में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के लिए रास्ते खुलने के साथ व्यवसायों को इन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। साथ ही, 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपना योगदान देना चाहिए। गोयल ने कहा कि आईआईटीएफ (इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर) का 45वां संस्करण भारत के पांच पहलुओं को दर्शाता है। इनमें अर्थव्यवस्था, निर्यात, बुनियादी ढांचे का विकास, 1.4 अरब भारतीयों द्वारा पैदा की गई मांग और देश की समृद्ध विविधता शामिल हैं।

इस साल के मेले में शुरू की गई नई पहलों का जिक्र करते हुए मंत्री ने बताया कि 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी खूबियों को प्रदर्शित किया। इसमें 3,500 से अधिक प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया और 11 देशों ने भी इसमें भाग लिया।



पटना में गंगा तट के 90 सुरक्षित घाटों पर अर्घ्य की तैयारी



पटना, एजेंसी। लोक आस्था, विश्वास और सूर्य उपासना का महापर्व छठ बिहार की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में लाखों श्रद्धालु नदियों, तालाबों और विभिन्न जलाशयों के किनारे पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होती है।

हालांकि, इस बार पटना में छठ पूजा की तैयारियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए जिला प्रशासन ने एक विशेष डिजिटल पहल की है। इसके तहत श्रद्धालुओं को छठ घाटों से जुड़ी तमाम जरूरी जानकारियां एक क्लिक पर उपलब्ध होंगी। पटना जिला प्रशासन ने छठ महापर्व 2026 के लिए एक आधिकारिक वेब ऐप तैयार किया है। इस ऐप के माध्यम से श्रद्धालु घर से निकलने से पहले ही अपने नजदीकी घाट, वहां उपलब्ध सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

इसकी खासियत यह है कि यह बिना इंटरनेट नेटवर्क के भी काम करेगा। यानी घाटों पर मोबाइल नेटवर्क की समस्या होने के बावजूद श्रद्धालु जरूरी जानकारियां देख सकेंगे। ऐप खोलते ही श्रद्धालुओं को एक डिजिटल नक्शा दिखाई देगा, जिसमें आसपास के छठ घाटों और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी मिलेगी। इसके माध्यम से सुरक्षित घाटों, खतरनाक घाटों और अनुपयुक्त घोषित स्थलों की पहचान की जा सकेगी। प्रशासन ने इस बार 90 सुरक्षित घाट चिह्नित किए हैं, जबकि आठ घाटों को खतरनाक और सात को अनुपयुक्त घोषित किया गया है।

अद्वैता काला प्रसार भारती की प्रधान सलाहकार नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सार्वजनिक प्रसारक 'प्रसार भारती' ने लेखिका, पुरस्कार विजेता पटकथा लेखक और स्तंभकार अद्वैता काला को अपना प्रधान सलाहकार नियुक्त किया है। मूल रूप से उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के सुमाड़ी गांव की अद्वैता काला ने साहित्य, सिनेमा और पत्रकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। काला को मुख्य रूप से विद्या बालन अभिनीत बहुचर्चित हिंदी फिल्म 'कहानी' की पटकथा लिखने के लिए जाना जाता है। इस फिल्म के लिए उन्हें 'स्क्रीन अवार्ड' और 'जी सिने अवार्ड' सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, उनका उपन्यास 'ऑलमोस्ट सिंगल' एक सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तक रहा है, जिसका प्रकाशन अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों में भी किया गया है। साहित्य और सिनेमा के साथ-साथ वह एक सक्रिय स्तंभकार और राजनीतिक-सामाजिक विश्लेषक भी हैं। वह नियमित रूप से विभिन्न राष्ट्रीय समाचार पत्रों और टेलीविजन मंचों के माध्यम से समसामयिक विषयों पर अपने विचार साझा करती रहती हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सफलता हासिल करने के बावजूद अद्वैता काला का अपनी जन्मभूमि से गहरा जुड़ाव रहा है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान उन्होंने 'प्रोजेक्ट भुली' नामक पहल के माध्यम से पौड़ी गढ़वाल के विभिन्न गांवों और स्थानीय समुदायों तक राहत एवं सहायता पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया था।

एनसीआर समाचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में
विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

आईपीएस मुनिराज गोबू ने संभाली बरेली रेंज के डीआईजी की कमान, अपराध नियंत्रण पर रहेगा फोकस

छत्र पाल





उत्तर प्रदेशः कानून व्यवस्था को लेकर सख्त कार्यशैली और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए पहचाने जाने वाले 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी मुनिराज गोबू ने शुक्रवार देर शाम बरेली रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) का कार्यभार ग्रहण कर लिया। बरेली से उनका पुराना नाता रहा है। वह इससे पहले जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के पद पर तैनात रह चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल में कई संवेदनशील मामलों में पुलिस कार्रवाई और कानून व्यवस्था को लेकर वह चर्चा में रहे थे। अब डीआईजी के रूप में उनकी वापसी के बाद रेंज में अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को लेकर नई सक्रियता की उम्मीद जताई जा रही है। एसएसपी अनुराग आर्य समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने किया स्वागत शुक्रवार देर शाम बरेली पहुंचने पर नवागत डीआईजी मुनिराज गोबू का पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया। पुलिस गेस्ट हाउस से लेकर सर्किट हाउस तक उनके आगमन को लेकर अधिकारियों की मौजूदगी रही। एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी चिराग जैन, एसपी साउथ अंशिका वर्मा और एसपी ट्रैफिक अकमल खान समेत अपर पुलिस अधीक्षकों और क्षेत्राधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। बरेली पहुंचने के बाद मुनिराज गोबू मुख्यमंत्री की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भी शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने विधिवत बरेली रेंज के डीआईजी का कार्यभार ग्रहण किया। जिले में पहले तैनात रह चुके मुनिराज गोबू यहां की भौगोलिक परिस्थितियों, संवेदनशील क्षेत्रों और पुलिसिंग की चुनौतियों से परिचित हैं। खजुरिया कांवड़ प्रकरण में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका मुनिराज गोबू के बरेली में एसएसपी रहते हुए कांवड़ यात्रा के दौरान खजुरिया क्षेत्र में कानून व्यवस्था की चुनौती सामने आई थी। धार्मिक संवेदनशीलता से जुड़े इस प्रकरण में स्थिति को संभालने और शांति व्यवस्था बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। ऐसे संवेदनशील मामलों में पुलिस की सक्रियता और प्रशासनिक समन्वय को लेकर उनकी कार्यशैली चर्चा में रही।

सर्राफ लूटकांड के बाद बड़ा बाईपास पर हुआ था एनकाउंटर एसएसपी के रूप में वह बरेली में जुलाई 2018 से अगस्त 2019 तक तैनात रहे। उनके कार्यकाल के दौरान दिनदहाड़े एक सर्राफ से हुई लूट की वारदात ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज की थी। बड़ा बाईपास पर पुलिस मुठभेड़ में लूटकांड से जुड़े बदमाश मारे गए थे। इस कार्रवाई के बाद तत्कालीन एसएसपी मुनिराज गोबू की अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यशैली चर्चा में आई थी।

अब रेंज में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था पर रहेंगी निगाहें वर्ष 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी मुनिराज गोबू की पहचान सख्त प्रशासनिक कार्यशैली वाले पुलिस अधिकारी के रूप में रही है। बरेली में एसएसपी के रूप में काम करने का अनुभव अब उन्हें डीआईजी की जिम्मेदारी निभाने में मददगार हो सकता है। नई जिम्मेदारी संभालने के बाद बरेली रेंज में संगठित अपराध, गंभीर आपराधिक घटनाओं, संवेदनशील क्षेत्रों में शांति व्यवस्था और पुलिस की जवाबदेही जैसे मुद्दों पर उनके कामकाज पर निगाहें रहेंगी। पुराने अनुभव और स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी के साथ मुनिराज गोबू के सामने अब पूरे बरेली रेंज की कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने की जिम्मेदारी होगी।

गुंज में अवैध रेत उत्खनन रोकने की मांग, दत्त भक्तों ने राजस्व मंत्री बावनकुले को भेजा पत्र

प्रकाश

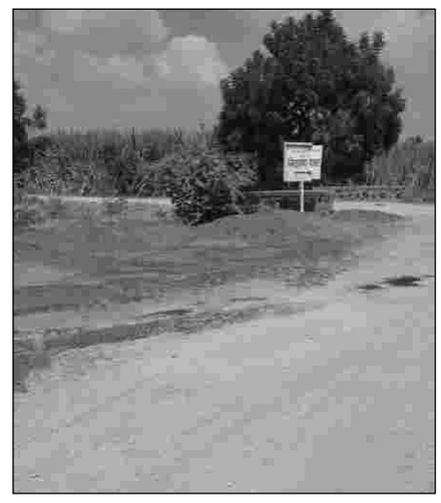

महाराष्ट्रः पाथरी तहसील के गुंज गांव में दत्त मंदिर के सामने गोदावरी नदी के पात्र में हो रहे कथित अवैध रेत उत्खनन को तत्काल बंद कराने की मांग को लेकर दत्त भक्तों एवं समस्त श्रद्धालुओं की ओर से महाराष्ट्र राज्य के राजस्व मंत्री श्री बावनकुले साहब को पत्र भेजकर निवेदन किया गया है। गुंज गांव में स्थित श्री दत्त महाराज मंदिर के सामने नदी के घाट का निर्माण किया गया है। इसी घाट के सामने प्रतिवर्ष भव्य यात्रा का आयोजन होता है। इस यात्रा के दौरान गोदावरी नदी के पात्र में रेत पर विशाल महापंगत का आयोजन किया जाता है। यह प्रसिद्ध शिरापुरी की पंगत पूरे पंचक्रोशी क्षेत्र में विशेष पहचान रखती है। इस अवसर पर आसपास के गांवों सहित दूर-दूर से बड़ी संख्या में दत्त भक्त दर्शन एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचते हैं।

बताया जाता है कि करीब 200 वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा पर अब संकट मंडराने लगा है। दत्त मंदिर के सामने जिस स्थान पर भव्य शिरापुरी की पंगत आयोजित होती है, उसी जगह पर कथित रूप से अवैध रेत उत्खनन किया जा रहा है। रेत माफियाओं द्वारा बड़े-बड़े गड्ढे खोदे जा रहे हैं, जिससे भविष्य में पंगत के आयोजन के लिए जगह ही नहीं बचेगी। इससे दत्त भक्तों में चिंता और नाराजगी का माहौल है। दत्त भक्तों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार राजस्व विभाग और पुलिस प्रशासन को सूचना देने के साथ ही फोन के माध्यम से शिकायतें भी की गई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। श्रद्धालुओं के अनुसार, रेत से भरे वाहन खुलेआम आ-जा रहे हैं और अवैध रेत उत्खनन लगातार जारी है।

दत्त भक्तों ने यह भी आरोप लगाया है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद तहसील प्रशासन की ओर से उचित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उनका कहना है कि यदि इसी तरह रेत उत्खनन जारी रहा और बड़े-बड़े गड्ढे बन गए, तो करीब 200 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा को बंद करने की नौबत आ सकती है।

इसी गंभीर समस्या को देखते हुए समस्त दत्त भक्तों की ओर से महाराष्ट्र राज्य के राजस्व मंत्री श्रीमान बावनकुले साहब को लिखित निवेदन भेजा गया है। भक्तों ने मंत्री महोदय से व्यक्तिगत रूप से इस मामले में हस्तक्षेप कर गुंज स्थित दत्त मंदिर के सामने पंगत स्थल पर हो रहे अवैध रेत उत्खनन को तत्काल बंद कराने की मांग की है। इसके साथ ही दत्त भक्तों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो समस्त हिंदू समाज एवं दत्त भक्तों की ओर से तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

बसपा ने वरिष्ठ कार्यकर्ता की माताजी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, 6 दिसंबर को भव्य रूप से मनाया जाएगा महापरिनिर्वाण दिवस

फूलचंद मालवीय



छत्तीसगढ़ः दिनांक 13 नवंबर 2026 को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सारंगढ़ (छत्तीसगढ़) के जिला पदाधिकारियों एवं ऊजार्वान कार्यकताओं द्वारा गोड़म निवासी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मानीय जनुलाल दिव्य जी की माताजी के पुण्यानुमोदन कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत की गई इस दौरान सभी उपस्थित नेताओं व कार्यकताओं ने माताजी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नम आँखों से नमन किया और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की इस शोक संतप्त कार्यक्रम के उपरांत गोड़म सेक्टर के वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मानीय एड. रामरती भारद्वाज जी के निवास परिसर में बहुजन समाज पार्टी के तमाम प्रमुख पदाधिकारियों की एक विशेष आकस्मिक बैठक आहूत की गई इस बैठक की मुख्य रूपरेखा प्रदेश कार्यालय से प्राप्त दिशा-निदेर्शों के अनुरूप तैयार की गई जिसमें पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं ने आपसी विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया कि आगामी 6 दिसंबर 2026 को भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस को सारंगढ़ में बेहद भव्य अनुशासित विशाल स्तर पर ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा इस कार्यक्रम की सफलता के लिए क्षेत्र के सभी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं ताकि आयोजन को व्यापक जनसहयोग के साथ सफल बनाया जा सके स महत्वपूर्ण बैठक को श्रद्धांजलि सभा में बहुजन समाज पार्टी के लोकसभा प्रभारी कन्हैया जांगड़े जी जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह मल्होत्रा जी जिला उपाध्यक्ष व डीडीसी लता लक्ष्मे जी जिला कोषाध्यक्ष एड. रमेश अनंत जी पूर्व विधानसभा प्रभारी एड. नारायण रत्नाकर जी विधानसभा अध्यक्ष कुलमणी वारे जी नगर प्रभारी शंकर जांगड़े जी उपाध्यक्ष प्रभा जोल्हे जी ब्लॉक संयोजक संतराम निराला जी नगर कोषाध्यक्ष लखन रात्रे जी पूर्व डीडीसी एड. उधोराम कोसले जी पूर्व बामसेफ संयोजक बी.डी. भारद्वाज जी धम्म मित्र बुंदराम कोसले जी सेक्टर सचिव गोपाल अनंत जी सेक्टर सचिव उदय कुर्रे जी तथा पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी मनोज महिवाल जी सहित गोड़म सेक्टर व सारंगढ़ क्षेत्र के तमाम सम्मानित कार्यकर्तागण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

सूखाग्रस्त झाबुआ में पेयजल संकट नहीं ने देंगे, थांदला को भी मिलेगा पर्याप्त पानी: कलेक्टर

रियाज मोहम्मद खान



मध्य प्रदेशः इस वर्ष कम वर्षा के चलते झाबुआ जिले को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। ऐसे में जिले के कई तालाब, डेम और बैराज में जलस्तर काफी कम हो गया है। आगामी दिनों में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए नगर परिषद थांदला के प्रतिनिधिमंडल ने झाबुआ कलेक्टर श्री योगेश तुकाराम भरसट से मुलाकात कर नगर की जल समस्या से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील पणदा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं एल्डरमेन गगनेश उपाध्याय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद समर्थ उपाध्याय तथा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के उपाध्यक्ष मुकेश चौहान शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर थांदला नगर में आगामी दिनों में होने वाली पेयजल की संभावित समस्या के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि नगर परिषद थांदला के बैराज की कुल जलभराव क्षमता 15 फीट है, जबकि वर्तमान में इसमें मात्र 4 से 5 फीट पानी ही भर सका है और लगभग 11 फीट बैराज खाली है। सामान्य परिस्थितियों में प्रतिवर्ष दिसंबर माह में बैराज के गेट बंद किए जाते हैं, लेकिन इस वर्ष वर्षाकाल समय से पहले समाप्त होने के कारण सितंबर-अक्टूबर माह में ही बैराज के गेट बंद करने पड़े। कम वर्षा के चलते जलस्रोतों में पर्याप्त पानी एकत्रित नहीं हो पाया है।

इसके साथ ही प्रतिवर्ष शिवसागर से मार्च माह में पानी की सप्लाई प्रारंभ की जाती थी, लेकिन इस वर्ष जलस्तर की स्थिति को देखते हुए नवंबर माह से ही पानी लेना शुरू करना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में थांदला नगर की नियमित पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जल की आवश्यकता पड़ेगी। कलेक्टर ने दिया आश्वासन पूरी समस्या को गंभीरता से सुनने के बाद कलेक्टर श्री योगेश तुकाराम भरसट ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि झाबुआ जिले सहित थांदला नगर में किसी भी स्थिति में पेयजल की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा प्रयास रहेगा कि नगरवासियों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो। आवश्यकता पड़ने पर मां नर्मदा के जल अथवा शिवसागर से अतिरिक्त पानी की व्यवस्था कर नगर की पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि जल संकट की संभावित स्थिति को देखते हुए प्रशासन पहले से ही आवश्यक व्यवस्थाएं करने का प्रयास करेगा, ताकि आम नागरिकों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े। जल का अपव्यय रोकने के लिए भी दिए निर्देश

कलेक्टर श्री भरसट ने जिलेवासियों से अपील की कि कम वर्षा और घटते जलस्तर की स्थिति को देखते हुए पानी का अनावश्यक उपयोग बिल्कुल न करें। जल संरक्षण के लिए सभी नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में खुले नलों से व्यर्थ बहने वाले पानी को रोकने तथा जल के अपव्यय पर नियंत्रण के लिए प्रभावी योजना बनाने के निर्देश भी दिए, ताकि पानी की बचत के साथ-साथ आम जनता को नियमित पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। इस प्रकार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों से आगामी ग्रीष्मकाल में थांदला नगर में पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने की दिशा में पहल की जा रही है।

पंचायत भवन का ताला तोड़कर चोरी, बैटरी-इन्वर्टर समेत सामान ले गए चोर

इरशाद अहमद



उत्तर प्रदेशः सांथा विकास खंड के डबरा गांव स्थित पंचायत भवन में चोरी की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया। अज्ञात चोरों ने पंचायत भवन का ताला तोड़कर वहां रखा सरकारी सामान चोरी कर लिया। चोरी हुए सामान में दो बैटरी, एक इन्वर्टर, एक प्रिंटर और चार कुर्सियां शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह पंचायत सहायक विवेक रोशन को पंचायत भवन में चोरी होने की जानकारी मिली। वह मौके पर पहुंचे तो भवन का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जांच करने पर दो बैटरी, इन्वर्टर, प्रिंटर और चार कुर्सियां गायब मिलीं। घटना की जानकारी होते ही उन्होंने तत्काल डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पंचायत सहायक विवेक रोशन ने चौकी प्रभारी राजेडीहा को लिखित प्रार्थना पत्र सौंपकर चोरी की घटना से अवगत कराया और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। पंचायत भवन में सरकारी उपयोग के लिए रखे गए सामान की चोरी से गांव में चर्चा का माहौल है। ग्रामीणों के सामने अब पंचायत भवन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

बिना एसएमएस के चल रहे पांच हार्वेस्टर जब्त, प्रशासन की पराली प्रबंधन पर सख्ती

तारिक अली



मध्य प्रदेशः इन दिनों धान की फसल की कटाई जोरों पर है और इसके लिए हार्वेस्टरों का किसान सहारा ले रहे हैं। लेकिन इस बार पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। शुक्रवार को भांडेर अनुभाग में प्रशासन ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला दतिया के निर्देशन में बिना एसएमएस (स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा रीपर) के चलने वाली हार्वेस्टर मशीनों पर कार्रवाई करते हुए कुल पांच हार्वेस्टर जप्त किए हैं। जहां कार्रवाई की गई उनमें सेंथरी में एक, बैजापारा में दो, बरचौली में एक तथा सिमथरा में एक हार्वेस्टर शामिल है। जप्त किए गए हार्वेस्टर संबंधित थाना क्षेत्र के थाने पर पुलिस अभिरक्षा में रखवा दिए गए हैं। इस कार्यवाही दौरान तहसीलदार भांडेर सुनील सिंह भदौरिया, नायब तहसीलदार जीएल भारती, अनुविभागीय कृषि अधिकारी दतिया डीके जाटव, कृषि विस्तार अधिकारी विकास त्यागी, एसएडीओ भांडेर जितेंद्र श्रीवास्तव, सुमित अग्रवाल, गुलशन बघेल, यशु भार्गव, थाना प्रभारी पंडोखर आजाद खान, आदि शामिल रहे।

पूर्व में कलेक्टर परित कर चुके हैं आदेश पराली प्रबंधन को लेकर विगत माह 15 अक्टूबर को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत दतिया कलेक्टर ने एक आदेश पारित करते हुए बिना एसएमएस कार्यशील हार्वेस्टर संचालकों को हिदायत देते हुए एसएमएस युक्त हार्वेस्टिंग करने को कहा था। इस आदेश के विरुद्ध हालांकि तब हार्वेस्टर संचालकों ने कलेक्टर से मुलाकात करते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार करने को कहा था। लेकिन राज्य सरकार के आदेश का हवाला देकर कलेक्टर ने हार्वेस्टर संचालकों को जनहित में शासन के आदेश का पालन करने की हिदायत दी थी। लेकिन इसके बावजूद हार्वेस्टर संचालक शासन के आदेश कि अवहेलना करते देखे जा सकते हैं। क्यों आवश्यक है भूसा प्रबंधन धान के अवशेष के प्रति पशुओं में खाने के प्रति लगाव नहीं रहता। ऐसी स्थिति में हार्वेस्टिंग दौरान धान संग्रह के बाद खेत में बचे अवशेष से मुक्ति पाने के लिए किसान इसमें आग लगा देते हैं। इससे उत्पन्न धुंआ न केवल वायुमंडल को दूषित करता है। वहीं, आग खेत की उर्वरा शक्ति, उपयोगी जीवाणु, आसपास की वनस्पति और छोटे जीवों को हानि पहुंचाती है। इसी के मद्देनजर मप्र शासन ने इसे रोकने के लिए हार्वेस्टर के साथ एसएमएस या स्ट्रा रीपर को अनिवार्य रूप से लागू कर दिया।

कैसे काम करता है एसएमएस एसएमएस यानी भूसा प्रबंधन की वह मशीन जो हार्वेस्टर के साथ कनेक्ट रहती है और धान के पौधे की कटाई कर इसके अवशेषों को बारीक भूसे में बदलकर खेत में फैला देती है। किसान द्वारा अगली फसल की तैयारी दौरान की जाने वाली खेत की मिट्टी की जुताई दौरान यह भूसा अवशेष अपघटित होकर जैविक खाद में बदल जाता है जो कहीं न कहीं अगली फसल के लिए पोषकदायी साबित होता है। इस मामले में एसएडीओ भांडेर जितेंद्र श्रीवास्तव बताते हैं कि नए हार्वेस्टरों में एसएमएस सिस्टम लगाकर साथ आ रहा है। वहीं, पुराने हार्वेस्टरों में यह सिस्टम लखभग एक लाख रुपए अतिरिक्त खर्च कर लगवाया जा सकता है।

AARADHYA MEDICAL STORE
Sehat Ka Vishwas
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
आराध्या मेडिकल स्टोर की ओर से ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं
आराध्या मेडिकल स्टोर के संचालक पवन कुमार ने दीपावली के पावन पर्व पर ग्रामवासियों और क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी से अपील की कि दीपावली का त्योहार आपसी भाईचारे, प्रेम और शांति के साथ मनाएं। खुशियों के इस पर्व पर एक-दूसरे का सम्मान करें और सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखें।

पवन कुमार | आराध्या मेडिकल स्टोर, हुसैनी मस्जिद के पास, हज़रत नगर गढ़ी, संभल

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज कुमार सैनी
समाज सेवा
अपने ग्रामवासी व क्षेत्र वासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देता है और सभी से अपील करता है कि सभी भाईचारे के साथ इस त्यौहार को शांतिपूर्वक बनाएं!
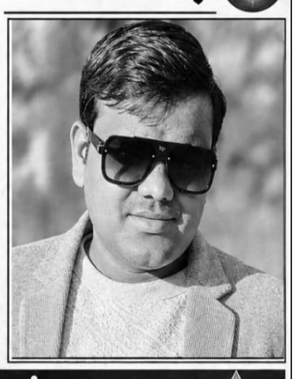
हजरत नगर गढ़ी, जिला संभल

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन से गांवों में आएगी समृद्धि : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

सूरज मौर्य

मध्य प्रदेशः मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खेती-किसानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और गांवों में खुशहाली लाने के लिए खेती के साथ पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है। पशुपालन, बकरी पालन और कुक्कुट पालन के माध्यम से किसानों की आय में वृद्धि होगी और घर-घर समृद्धि आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के ग्राम कुलैथ में आयोजित विशाल पशुपालक सम्मेलन एवं पशु मेले का शुभारंभ करने पहुंचे थे।



इस दौरान उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार पशुधन की नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। प्रदेश के किसानों को उन्नत नस्ल की एक लाख बछिया उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे आने वाले समय में दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में ढाई करोड़ से अधिक पशुधन है, जिनमें एक करोड़ से अधिक गौवंश शामिल हैं। वर्तमान में दुग्ध उत्पादन में प्रदेश देश में लगभग 9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। सरकार का संकल्प मध्यप्रदेश को देश का मिल्क कैपिटल बनाना और दुग्ध उत्पादन में नंबर वन राज्य बनाना है।

34.58 लाख हितग्राहियों को मिली पेंशन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा एवं दिव्यांगजन पेंशन योजना के 34.58 लाख से अधिक हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से 207.48 करोड़ रुपये की पेंशन राशि अंतरित की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के तहत 7 हजार से अधिक श्रमिकों के खातों में 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी भेजी गई। पशुपालकों को मिल रहे प्रोत्साहन और पुरस्कार मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी विकासखंडों में वृंदावन ग्रामों के अंतर्गत उत्कृष्ट दुधारू पशुओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें श्रेष्ठ पशुपालकों को ट्रैक्टर, बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश के सभी 55 जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित कर किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने बताया कि ग्वालियर जिले में 70 हजार से अधिक पशुपालक चार लाख से ज्यादा पशुधन का पालन कर रहे हैं। जिले में प्रतिदिन लगभग 605 मीट्रिक टन दूध का उत्पादन हो रहा है। यहां 619 फूड प्रोसेसिंग यूनिट संचालित हैं और 25 हजार से अधिक किसान प्राकृतिक खेती से जुड़े हुए हैं। गांवों में सड़क और मंदिर विकास की घोषणाएं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर कुलैथ स्थित जगन्नाथ मंदिर के विकास के लिए 51 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही निहिथपुर से महेश्वरा तक एक किलोमीटर पक्की सड़क, लंका वाले हनुमान मंदिर तक पक्की सड़क तथा अन्य मार्ग के निर्माण की घोषणा की। ग्रामीणों की मांग पर गांव में सामुदायिक भवन बनाने का भी आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को बीज से लेकर खेत और खेत से लेकर निर्यात तक हर स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। गौपालन के साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, पशुपालक और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कुलैथ में आयोजित बैलगाड़ी दौड़ प्रतियोगिता का भी आनंद लिया।

बिना खांसी-बुखार के भी हो सकती है टीबी, भारत में मिले 14.97 लाख बिना लक्षण वाले मरीज

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः खांसी- बुखार या कमजोरी जैसी आपको कोई परेशानी नहीं है, तो जरूरी नहीं की आप पूरी तरह स्वस्थ हों।शरीर में टीबी जैसी गंभीर बीमारी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के भी मौजूद हो सकती है। भारत में सामने आए नए आंकड़ों ने इस खतरे को उजागर किया है। सरकारी अभियान के तहत पहचाने गए 48.64 लाख नए टीबी मरीजों में से करीब 14.97 लाख ऐसे थे, जिनमे बीमारी के कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाई दिए। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 7 दिसंबर 2024 से 8 नवंबर 2026 के बीच 25 करोड़ से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान 11 करोड़ से अधिक चेस्ट एक्स-रे और 3 करोड़ से ज्यादा मॉलीक्यूलर टेस्ट किए गए। जाँच में 48.64 लाख नए टीबी मरीज मिले। इनमें करीब 31 प्रतिशत यानी 14.97 लाख मरीज ऐसे थे, जिन्हें बीमारी के सामान्य लक्षण महसूस नहीं हो रहे थे।



बिना स्पष्ट लक्षण वाली टीबी को मेडिकल भाषा में एसीम्प्टोमैटिक या सब क्लीनिकल टीबी कहा जाता है। इसमें शरीर में सक्रिय टीबी की बीमारी हो सकती है, लेकिन मरीज को लगातार खांसी, बुखार या वजन घटने जैसी परेशानियां महसूस नहीं होतीं। टीबी माइक्रोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस बैक्टीरिया से होती है। यह मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है, लेकिन हड्डियों,दिमाग और किडनी तक भी पहुंच सकती है। फेफड़े या गले की सक्रिय टीबी से पीड़ित कुछ मरीजों मे बिना स्पष्ट लक्षणों के भी फैल सकते हैं। हालांकि हर बिना लक्षण वाले मरीज से संक्रमण फैलने जरूरी नहीं है। टीबी के बैक्टीरिया संक्रमित व्यक्ति के खाँसने, छीकने और बोलने के दौरान हवा में फैल सकते हैं। टीबी की शुरूआती पहचान के लिए एआई आधारित चेस्ट एक्स-रे और एनएएटी जैसी आधुनिक जांच तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। एआई एक्स-रे में बीमारी से जुड़े संभावित बदलाव पहचानने में मदद करता है, जबकि एनएएटी टेस्ट बैक्टीरिया की मौजूदगी का पता लगाने में सहायक है। भारत में 2015 के मुकाबले 2025 में टीबी से होने वाली मौतों मे 38 प्रतिशत की कमी आई है। इसके बावजूद बिना लक्षण वाले मरीजों की बड़ी संख्या चुनौती बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार, समय पर स्क्रीनिंग, सही जांच और पूरा इलाज ही टीबी के प्रसार को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है।

मऊ में 18 करोड़ की लागत से बन रहा राजकीय आईटीआई, युवाओं को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः जनपद के युवाओं को तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक प्रशिक्षण की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में 18 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (कळक) का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने निमार्णाधीन संस्थान का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना पूरी करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री ने निर्माण से जुड़े अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से



परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए, ताकि युवाओं को जल्द से जल्द इस संस्थान का लाभ मिल सके।

राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि मऊ की जनता और युवाओं से किए गए वादों को धरातल पर उतारने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। राजकीय आईटीआई के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी कौशल विकसित करने और रोजगार के नए अवसरों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में केवल शैक्षिक डिग्री ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के पास रोजगार से जुड़ा व्यावहारिक कौशल होना भी जरूरी है। आईटीआई जैसे संस्थान युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस परियोजना को मऊ के युवाओं के भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। निर्माण पूरा होने के बाद यहां प्रशिक्षण की सुविधाएं विकसित होने से स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए दूसरे क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने का अवसर मिल सकता है।

अधिवक्ताओं की चार प्रमुख मांगों को लेकर लखनऊ में प्रदर्शन

विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल हुआ प्रतिनिधिमंडल

अजय सक्सेना

उत्तर प्रदेशः आज दिनांक 14 नवंबर 2026 को कानपुर बार एसोसिएशन एवं द लॉयर्स बार एसोसिएशन कानपुर के संयुक्त आव्हान पर दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद का एक प्रतिनिधि मण्डल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता एडवोकेट के नेतृत्व में विधानसभा घेराव कार्यक्रम के अंतर्गत जीपीओ लखनऊ में एकत्रित हुआ जहां पूरे प्रदेश भर से आए हुए अधिवक्ताओं के द्वारा उत्तर प्रदेश में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने अधिवक्ताओं को मृत्यु उपरान्त अधिवक्ता कल्याण निधि से अधिवक्ताओं के आश्रितों को दी जाने वाली मृतक आश्रित राशि को 5 लाख से बढ़ाकर 25 लाख करने तथा नए अधिवक्ताओं को 5 वर्ष तक 10000 स्टाइपेंड देने एवं



पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित उत्तर प्रदेश के अंदर इलाहाबाद हाई कोर्ट की चार बेंचों की स्थापना के लिए प्रदर्शन किया गया।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनन्द मोहन गुप्ता एडवोकेट ने अपने उद्बोधन में कहा कि आए दिन प्रदेश में अधिवक्ताओं के साथ अपराधिक घटनाएं घटित हो रही है लेकिन शासन और प्रशासन सोया हुआ है जब किसी अधिवक्ता के साथ कोई अप्रिय घटना घटित होती है और उसके विरोध में अधिवक्ता समाज विरोध प्रदर्शन करता है या न्यायिक कार्य बहिष्कार करता है तो उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय से उस पर हड़ताल ना करने का दबाव बनाया जाता है लेकिन सस्ता और सुलभ न्याय देने का वादा करने वाली सरकारों से विगत पांच दशकों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक बेंच नहीं दी जा सकी अधिवक्ता समाज जिसका देश की आजादी में अविस्मरणीय योगदान है जो देश में न्याय और संविधान की रक्षा करता है वह आज अपने लिये न्याय और सामाजिक सुरक्षा की मांग लेकर सड़क पर उतरा है जबतक अधिवक्ताओं की मांगे नहीं मांगी जाएंगी हम कानपुर बार एसोसिएशन एवं द लॉयर्स बार एसोसिएशन कानपुर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट संघर्ष समिति के नेतृत्व आंदोलन करते रहेंगे इस अवसर पर प्रतिनिधि मण्डल में संयुक्त सचिव आवरण अग्रवाल कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पंकज शर्मा,बार के पूर्व कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण द्विवेदी व रफीक अहमद के साथ अन्य अधिवक्ता शामिल रहे।

डीएम की अनुमति के बिना ग्राम पंचायत खाते से निकाले 2.52 लाख रुपये, प्रशासक और सचिव को नोटिस

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः सेमरियावां विकास खंड की ग्राम पंचायत रक्शाकलां में ग्राम पंचायत के संयुक्त बैंक खाते से जिलाधिकारी की अनुमति के बिना 2,52,454 रुपये की निकासी किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में ग्राम पंचायत के प्रशासक इल्ताफुर्रहमान और पंचायत सचिव प्रवेश सिंह पर शासनादेश एवं जिलाधिकारी के निदेशों की अनदेखी करने का आरोप लगा है। मामला सामने आने के बाद जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) ने दोनों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रशासक और पंचायत सचिव के



संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित बैंक खाते से 26 अक्टूबर 2026 और 4 नवंबर 2026 को दो अलग-अलग तिथियों में कुल 2,52,454 रुपये निकाले गए। आरोप है कि यह धनराशि जिलाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना निकाली गई, जबकि ग्राम पंचायत के धन के संचालन को लेकर शासन स्तर से स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

मामले की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू हुई। डीपीआरओ ने प्रशासक और पंचायत सचिव को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन के अंदर निकाली गई धनराशि से संबंधित अभिलेखों और साक्ष्यों के साथ अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए कार्यालय में तलब किया है। डीपीआरओ ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में प्राप्त होने वाले स्पष्टीकरण की जांच की जाएगी। यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद ग्राम पंचायत के धन के संचालन और प्रशासनिक निदेशों के अनुपालन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अब निगाहें प्रशासक और सचिव के स्पष्टीकरण पर टिकी हैं। जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि धनराशि किस मद में और किन कार्यों के लिए निकाली गई तथा निकासी के पीछे क्या आधार था।

पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि, जवानों के पैरामोटर करतब और आर्मी डॉग शो ने मोहा दर्शकों का मन

अमर दीप

उत्तर प्रदेशः फरुर्खाबाद के फतेहगढ़ स्थित राजपूत रेजिमेंटल सेंटर में 17वें द्विवार्षिक सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। मिजोरम के राज्यपाल और पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और वीर नारियों को सम्मानित कर उनके अदम्य साहस को नमन किया। सम्मेलन की मुख्य बातेंः आधुनिक तकनीक पर जोरः* जनरल वीके सिंह ने राजपूत रेजिमेंट की प्रगति



की सराहना करते हुए कहा कि आज के समय में सैनिकों की ट्रेनिंग में शारीरिक अभ्यास के साथ-साथ आधुनिक तकनीक पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

अग्निवीर और इंफ्रास्ट्रक्चर उन्होंने अग्निवीरों का कार्यकाल दो साल बढ़ाने के फैसले का स्वागत किया। साथ ही बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की लिंक रोड से फतेहगढ़ की कनेक्टिविटी भविष्य में और मजबूत होगी। रोमांचक प्रदर्शनः जवानों के हैरतअंगेज पैरामोटर करतबों और प्रशिक्षित आर्मी डॉग्स के शो ने दर्शकों का दिल जीत लिया। डॉग्स ने आर्तकियों को पकड़ने और सुरक्षा अभियानों से जुड़े शानदार डेमो दिए।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर यातायात को सुचारू रखने के लिए जेएनवी तिराहे से रूट डायवर्जन भी किया गया था।

अंतरिक्ष में पहुंचा स्टारशिप, लेकिन वापसी में फेल हुआ एलन मस्क का बड़ा दांव! 26 स्टारलिंक सैटेलाइट्स सफलतापूर्वक तैनात

शिखा पांडे

दिल्लीः दुनिया के सबसे शक्तिशाली रॉकेट को लेकर एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने एक बार फिर अंतरिक्ष में अपनी ताकत दिखाई, लेकिन इस बार एक बड़ी चुनौती के सामने कंपनी को झटका भी लगा। स्पेसएक्स के महत्वाकांक्षी स्टारशिप परीक्षण में अंतरिक्ष यान ने तो अपना मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया, लेकिन रॉकेट के दोनों हिस्सों को सुरक्षित वापस लाने की योजना पूरी नहीं हो सकी। दरअसल, शुक्रवार को स्टारशिप ने टेक्सास स्थित लॉन्च साइट से उड़ान भरी। इस परीक्षण का सबसे खास मकसद सिर्फ रॉकेट को अंतरिक्ष में भेजना नहीं था, बल्कि उड़ान के बाद उसके दोनों हिस्सों को सुरक्षित वापस लाना भी था। कंपनी की योजना थी



कि रॉकेट के पहले चरण यानी बूस्टर और दूसरे चरण यानी अंतरिक्ष यान को वापस लाकर लॉन्च साइट पर ही हवा में पकड़ लिया जाए। यह तकनीक भविष्य में रॉकेट के दोबारा इस्तेमाल को आसान और कम खचीर्ला बना सकती है।

हालांकि, इस बार कंपनी का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। उड़ान के बाद पहले चरण के बूस्टर को लॉन्च साइट पर वापस लाने के बजाय समुद्र में एक निर्धारित स्थान की ओर मोड़ दिया गया। यानी कंपनी जिस ऐतिहासिक तरीके से बूस्टर को वापस पकड़ने की तैयारी कर रही थी, वह इस परीक्षण में पूरा नहीं हो पाया। लेकिन कहानी का दूसरा हिस्सा काफी सफल रहा। स्टारशिप का ऊपरी हिस्सा पृथ्वी की कक्षा में पहुंच गया और उसने अपने साथ ले जाए गए 26 स्टारलिंक उपग्रहों को उनकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया। यह मिशन की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। अब सबकी नजर अंतरिक्ष यान की वापसी पर टिकी है। योजना के अनुसार, अगर आगे कोई तकनीकी बाधा नहीं आती है तो अंतरिक्ष यान शनिवार को वापस पृथ्वी की ओर आएगा। इस पूरी उड़ान में करीब 22 घंटे लग सकते हैं। गौरतलब है कि स्पेसएक्स स्टारशिप को भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए तैयार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य रॉकेट को पूरी तरह दोबारा इस्तेमाल करने योग्य बनाना है, ताकि अंतरिक्ष यात्रा का खर्च कम किया जा सके। ऐसे में इस परीक्षण में मिली सफलता और असफलता दोनों ही कंपनी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बेलहर ब्लॉक में मनरेगा मानदेय भुगतान पर उठे सवाल, रोजगार सेवकों ने लगाया भेदभाव का आरोप

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः बेलहर विकास खंड में मनरेगा के तहत मानदेय भुगतान को लेकर कर्मचारियों के बीच असंतोष सामने आया है। ग्राम रोजगार सेवकों ने मानदेय भुगतान की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि एक तरफ उन्हें अपने मानदेय के लिए इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ ब्लॉक स्तर पर कंप्यूटर ऑपरेटर और एपीओ का मानदेय भुगतान कैसे हो गया? रोजगार सेवकों का कहना है कि मनरेगा से जुड़े विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी निभाने और योजनाओं के संचालन में सहयोग करने के बावजूद उन्हें समय से मानदेय नहीं मिल रहा है। वहीं, कुछ अन्य कर्मचारियों के भुगतान हो जाने की बात सामने आने के बाद कर्मचारियों के बीच नाराजगी बढ़ गई है। उन्होंने भुगतान प्रक्रिया में समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है।

मामले में एफटीओ (फंड ट्रांसफर ऑर्डर) के नाम पर एक हजार रुपये मांगने का आरोप भी लगाया जा रहा है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और न ही संबंधित व्यक्ति



का पक्ष सामने आया है। ऐसे में आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। रोजगार सेवकों ने सवाल उठाया है कि जब उनका मानदेय लंबित है तो कंप्यूटर ऑपरेटर और एपीओ का भुगतान किस आधार पर और किस प्रक्रिया के तहत किया गया? क्या सभी कर्मचारियों के मानदेय भुगतान के लिए समान नियम लागू हैं या फिर भुगतान में अलग-अलग व्यवस्था अपनाई जा रही है?

अब इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की भूमिका अहम हो गई है। रोजगार सेवकों ने जिलाधिकारी से बेलहर ब्लॉक में मानदेय भुगतान की प्रक्रिया, लंबित भुगतान और एफटीओ के नाम पर रुपये मांगने के आरोपों की जांच कराने की मांग की है। साथ ही यह भी स्पष्ट करने की मांग की है कि किन कर्मचारियों का भुगतान हुआ, किनका लंबित है और इसके पीछे क्या कारण हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में किया दिल्ली मंडप का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस पर बांसेरा पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके बाद दिल्लीवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रेरक संबोधन सुना। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दशकों तक उपेक्षित रहे जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ उसकी भुला दी गई गौरवशाली





विरासत, अस्मिता और महानायकों को राष्ट्रीय सम्मान दिलाया है। पीएम जनमन और धरती आबा अभियान इसी संकल्प को धरातल पर उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और विदेशी शासन के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा बिगुल फूंका, जिसने जनजातीय समाज में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की नई चेतना जगाई। जल, जंगल, जमीन और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए उनका संघर्ष केवल एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के गौरव और अस्मिता का संघर्ष था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का त्याग, तप और बलिदान भारत की महान जनजातीय विरासत का अमर अध्याय है। इस अवसर पर विधायक तरविंदर सिंह मारवाह, दिल्ली भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष सीएल मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष रणजीत सिंह कश्यप, सुनील चौहान एवं निगम पार्षद अर्जुन मारवाह सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सोनिया विहार में छठ घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य



नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को सोनिया विहार स्थित यमुना किनारे बने घाट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और छठी मैया की पूजा-अर्चना की। उन्होंने समस्त दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने बोट पर सवार होकर यमुना तट पर बनाए गए छठ घाटों का निरीक्षण भी किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न घाटों पर उपस्थित छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

छठ महापर्व पर मुख्यमंत्री का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, स्वच्छता, समर्पण और सामाजिक समरसता का अनुपम उत्सव है।

दिल्ली में कपड़े की दुकान के ट्रायल रूम में मिला 19 वर्षीय युवती का शव, पिता ने बेटी के देवर पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मोती नगर इलाके में एक कपड़े की दुकान के ट्रायल रूम में 19 वर्षीय युवती शबनम का खून से लथपथ शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना शनिवार शाम के समय हुई, जब दुकान में काम कर रही युवती अचानक गायब हो गई और बाद में उसका शव ट्रायल रूम के अंदर बंद मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुकान को सील कर दिया गया है। यह घटना 6/18, मोती नगर स्थित वस्त्र महल नाम की दुकान की है। शबनम पिछले करीब तीन महीने से इस दुकान में काम कर रही थी।



रोज की तरह वह उस दिन भी दुकान पर आई थी। शाम पौने सात बजे के आसपास पड़ोस के दुकानदार आशु ने उसे दुकान में बैठे हुए देखा था। मृतका शबनम के पिता सोने लाल घटना के समय दिल्ली में नहीं थे। वह गांव में थे। उन्हें रात करीब नौ बजे फोन पर जानकारी मिली कि उनकी बेटी की हत्या कर दी गई है। इसके बाद वह सुबह करीब साढ़े छह बजे दिल्ली पहुंचे। सोने लाल ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की हत्या सूरज नाम के व्यक्ति ने की है। उनका कहना है कि सूरज उनकी बेटी का देवर है।

सोने लाल ने बताया कि शबनम पिछले तीन महीने से इस दुकान में काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि घटना के समय वह गांव में थे, इसलिए उन्हें घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। घर से फोन आने के बाद वह दिल्ली के लिए रवाना हुए।

पुलिस से मांग करते हुए पिता ने कहा कि इस मामले में छह लोगों को सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक व्यक्ति के पिता भी शामिल हैं। उन्होंने आरोपी की मां की भूमिका को सबसे मुख्य बताया। पिता ने बातचीत के दौरान डेढ़ साल पुराने विवाद का भी जिक्र किया।

छठ पूजा से लेकर धार्मिक आयोजनों तक बंगाल में बदले हालात : मनजिंदर सिरसा

कोलकाता, एजेंसी। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने रविवार को पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वह बांग्लादेश सरकार की तरह काम करती थी। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार बांग्लादेश की सरकार जैसी थी। इसमें तुष्टीकरण, परिवारवाद और लूट-खसोट थी। एक परिवार ने बंगाल को दोनों हाथों से लूटा, इसीलिए यहां की जनता ने बदलाव किया। अब बंगाल में भाजपा सरकार लोगों के जीवन में बदलाव ला रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, जो लोग जबरन वसूली में शामिल थे, उन्हें जेल भेजा जा रहा है और किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि बंगाल के लोगों का सम्मान वापस लौटा है। लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली घटनाओं पर काफी



हद तक लगाम लगी है। उन्होंने कहा, आज हर कोई अपने धार्मिक त्योहारों को खुलकर मना सकता है। अभी यहां बहुत से लोग, माताएं और बहनें छठ पूजा मना रही हैं जबकि पिछली ममता सरकार के शासन में ऐसा करना एक अपराध बन गया था। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, मैं पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी को हार्दिक बधाई देता हूं। दिल्ली सरकार की ओर से और दिल्ली के एक मंत्री के रूप में मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने बंगाल में हमेशा सिख समुदाय का साथ दिया है और उनके हक के लिए लगातार संघर्ष किया है। मुझे खुशी है कि चुनाव जीतने के बाद भी उन्होंने गुरुद्वारे में अपना सिर झुकाया। आज गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर वे नगर कीर्तन में नतमस्तक होने आए हैं।

मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं और बधाई देता हूं।

मुआवजे के लिए आर-पार के मूड में किसान

दिल्ली-कटरा यूईआर-2 लिंक रोड के विरोध में कंझावला में महापंचायत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-कटरा यूईआर-2 एक्सप्रेस-वे लिंक रोड के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के विरोध में ग्रामीणों का आंदोलन लगातार जारी है। इसी कड़ी में रविवार को कंझावला एसडीएम कोर्ट के सामने महापंचायत का आयोजन किया जा रहा। इसमें रानी खेड़ा, कंझावला, सावदा, निजामपुर, गढ़ी रिंढाला, लाडपुर और जौंती सहित सात गांवों के ग्रामीण हिस्सा ले रहे हैं। आवजे का निर्धारण किया जाए ग्रामीणों का कहना है कि भूमि अधिग्रहण के लिए उन्हें कृषि भूमि की दर से मुआवजा देने के बजाय शहरीकृत क्षेत्र की दर से उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि उनकी जमीन की मौजूदा स्थिति और क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए मुआवजे का निर्धारण किया जाए। ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर पिछले कई महीनों से धरने पर बैठे हैं। 15 नवंबर को उनके धरने के 90 दिन पूरे हो जाएंगे, लेकिन अभी तक उनकी मांगों पर कोई संतोषजनक निर्णय नहीं हुआ है। इसी को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी



बनी हुई है। महापंचायत के माध्यम से ग्रामीण अपनी मांगों को एक बार फिर प्रशासन के सामने रखेंगे। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक भूमि अधिग्रहण के मुआवजे को लेकर उचित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। ग्रामीणों ने सभी प्रभावित गांवों के लोगों से महापंचायत में पहुंचने की अपील की है।

बॉलीवुड अभिनेता और दिल्ली के व्यापारी पर हमले की साजिश नाकाम, गैंगस्टर अनिल पंडित के दो शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। संगठित अपराध सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल सेल ने विदेश में छिपे कुख्यात गैंगस्टर अनिल पंडित के दो शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी से पुलिस ने दिल्ली के एक व्यापारी से रंगदारी वसूलने के लिए उनके घर पर फायरिंग और मुंबई में एक बॉलीवुड अभिनेता पर हमले की साजिशों को नाकाम कर दिया है। इनमें एक को दिल्ली और दूसरे को मुंबई से गिरफ्तार किया गया। व्यापारी के घर फायरिंग की थी साजिश डीसीपी नारा चैतन्य के मुताबिक स्पेशल सेल की टीम ने पहले सिंडिकेट के मुख्य गुर्गे विकास ठाकुर उर्फ विक्की को दिल्ली से गिरफ्तार किया। वह विदेश में बैठे गैंगस्टर के इशारे पर दिल्ली के एक व्यापारी को निशाना बनाने के इरादे से आया था।



विकास से पूछताछ के आधार पर पुलिस टीम ने उसके साथी दीप उर्फ दीपक सिंह को मुंबई से दबोच लिया गया। दीपक, अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर 'मैड संधू' की हत्या के मामले में वांछित था और मुंबई में छिपकर एक बॉलीवुड अभिनेता पर फायरिंग करने की फिराक में था। इस संबंध में स्पेशल सेल में तीन नवंबर को आर्म्स एक्ट की धारा में एफआईआर दर्ज की गई थी। विकास ठाकुर, न्यू गांधी नगर, जालंधर व दीप उर्फ दीपक सिंह, तरनतारन, पंजाब का रहने वाला है। अलग-अलग गिरोहों के लिए करने लगा था काम विकास ठाकुर बुरी संगत में पड़कर सट्टेबाजी करने लगा था। 2019 में नाबालिग रहते हुए झपटमारी की वारदात कर अपराध की दुनिया में कूद पड़ा था। 2023 में विकास ने कुख्यात अनमोल बिश्नोई को अवैध हथियार सप्लाई करना शुरू किया।

प्रदूषण पर MCD की बड़ी कार्रवाई, 10 दिन में काटे 13000 से ज्यादा चालान

449 कंस्ट्रक्शन साइट्स पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली नगर निगम (टउऊ) ने कार्रवाई तेज कर दी है। निगम ने पिछले 10 दिनों में 13 हजार से अधिक चालान किए हैं। खुले में कचरा जलाने और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई।

इसके बावजूद विभिन्न इलाकों में किए गए निरीक्षण में प्रदूषण नियंत्रण के इंतजामों में खामियां मिली हैं। निर्माण स्थलों पर नियमों की अनदेखी भी सामने आई है।

एमसीडी की रिपोर्ट के अनुसार, निगम के भवन विभाग ने इस अवधि में 1,559 निमार्णाधीन स्थलों का निरीक्षण किया। इनमें 449 स्थलों पर नियमों का उल्लंघन पाया गया। संबंधित स्थलों पर 68 लाख रुपये से अधिक का पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया है। 1,800 चालान किए वहीं, प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर निगरानी के लिए 164 रात्रि गश्ती दल और 134 दिन के गश्ती दल तैनात किए गए



हैं। इन दलों में निगम के कर्मचारियों के साथ सिविल डिफेंस के स्वयंसेवक भी शामिल हैं। दिवाली से एक दिन पहले और अगले दिन करीब 1,800 चालान किए गए थे। इस बीच दिल्ली सरकार की ओर से नियुक्त नोडल अधिकारियों ने विभिन्न प्रदूषण हाटस्पाट का संयुक्त निरीक्षण किया। इसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), एमसीडी, यातायात पुलिस, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और रेलवे के अधिकारी शामिल रहे। वैज्ञानिक निस्तारण में कमियां मिलीं पूर्वी दिल्ली में अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के हिस्से का निरीक्षण किया गया। यहां मिस्ट सिस्टम के संचालन, रेलवे की जमीन पर धूल नियंत्रण और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण में कमियां मिलीं। रेलवे लाइन के किनारे कच्चे हिस्सों और डीडीए स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के रखरखाव की स्थिति भी देखी गई। पंजाबी बाग स्थित रेलवे सीमेंट साइडिंग यार्ड में भी धूल प्रदूषण रोकने के इंतजामों की जांच की गई।

मुफ्त सोलर पैनल के लिए आए 1.50 लाख आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 1.25 लाख लोगों के घरों पर जल्द मुफ्त सोलर पैनल लगाने का काम शुरू किया जाएगा। इस योजना के तहत दिल्ली सरकार के ऊर्जा विभाग को अभी तक 1.50 लाख आवेदन आ चुके हैं। दिल्ली सरकार द्वारा आवदेकों द्वारा दी गई जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है। इसके साथ ही सोलर पैनल लगाने के लिए जल्द टेंडर निकालने की प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। टेंडर निकलने के बाद कंपनी द्वारा इन 1.25 लाख आवेदकों के घर पर तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगाया जाएगा और उनसे एक रुपये भी नहीं लिए जाएंगे। दिल्ली में मुफ्त सोलर पैनल योजना जानकारी के अनुसार दिल्ली सरकार ने बीते सितंबर माह में दिल्लीवासियों के लिए सोलर पैनल लगाने की पॉलिसी जारी की थी। इसके तहत दिल्ली में 400 यूनिट प्रतिमाह से कम की बिजली खपत करने वाले अपनी छत पर तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगवा सकते हैं। बीते 21 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस योजना का पोर्टल शुरू किया। इस योजना के तहत कुल 2.30 लाख घरों की छत पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया था। इस योजना के तहत आवेदकों को 1.56 लाख रुपये की सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया था जिसमें से आधी राशि केन्द्र सरकार जबकि आधी राशि दिल्ली सरकार देगी।

एक नजर

छठ व्रतियों की सुविधा के लिए सोमवार को सुबह 4:30 बजे से दौड़ेगी दिल्ली मेट्रो, 15 मिनट के अंतराल पर मिलेगी ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। छठ पूजा पर उषा अर्घ्य देने जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दिल्ली मेट्रो सोमवार को सुबह 4:30 बजे से अपनी सेवाएं शुरू करेगी। सामान्य दिनों की तुलना में मेट्रो का परिचालन दो घंटे पहले शुरू किया जाएगा। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। डीएमआरसी के अनुसार, सोमवार को मेट्रो नेटवर्क के सभी टर्मिनल स्टेशनों से एक साथ ट्रेनें चलनी शुरू होंगी, ताकि छठ व्रती और श्रद्धालु सुबह समय पर घाटों और पूजा स्थलों तक पहुंच सकें। नियमित राजस्व सेवाएं शुरू होने तक सभी मेट्रो लाइनों पर 15 मिनट के अंतराल पर ट्रेनें उपलब्ध रहेंगी। इसके बाद मेट्रो का परिचालन निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार होगा। छठ महापर्व के चार दिवसीय अनुष्ठान के अंतिम दिन सोमवार को व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे।

जल बोर्ड ने एनजीटी में दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली, एजेंसी। जनकपुरी के ए-1 ब्लॉक में विकास कार्य पूरा होने के लिए लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। इलाके में करीब 20 फीसदी काम अधूरा होने से क्षेत्र की जनता परेशान है। यह खुलासा दिल्ली जल बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में दाखिल हलफनामे में किया। जल बोर्ड ने कहा कि शेष विकास कार्य 30 नवंबर तक पूरा किया जाएगा।दरअसल, जनकपुरी के ए-1 ब्लॉक की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने इलाके में दूषित जलापूर्ति व विकास कार्यों से जुड़ी समस्या को लेकर एनजीटी में याचिका दाखिल की थी। शिकायत थी कि कई घरों में दूषित पानी की आपूर्ति होती है। इससे काफी लोग पेट संबंधी बीमारियों का शिकार हो गए। इस मामले में दिल्ली जल बोर्ड समेत अन्य संबंधित विभाग प्रतिवादी हैं। सात अगस्त को एनजीटी ने जल बोर्ड को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। आदेश के अनुपालन में कार्यकारी अभियंता प्रवीण कुमार पराशर ने हलफनामे में बताया है कि प्रभावित क्षेत्र में 20 फीसदी काम पूरा होना बाकी है। जल बोर्ड ने लिखित रूप में आश्वासन दिया कि काम 30 नवंबर तक पूरा कर दिया जाएगा।

दिल्ली के पहाड़गंज में भरभराकर गिरा निमार्णाधीन इमारत का लिंटर, 5 लोग घायल; मौके पर बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पहाड़गंज के हरि वर्दी स्कूल के पास एक निमार्णाधीन इमारत की ग्राउंड फ्लोर का लिंटर भरभराकर गिर गया। हादसे में पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें पीसीआर की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। सूचना पर दमकल विभाग, एनडीआरएफ व स्थानी पुलिस मौके पर पहुंची हैं। हादसा रविवार शाम 5:25 मिनट पर हुआ। राहत बचाव कार्य जारी है।

कांग्रेस का सरकार पर कटाक्ष: अबकी बार, एक्यूआई 400 पार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी की हवा जहरीली हो गई है तथा लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि अबकी बार, एक्यूआई 400 पार का नारा प्रदूषण के मामले में सच साबित हो रहा है। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन चुकी है और जहरीली हवा के कारण बच्चों तथा बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने पोस्ट में कहा, अबकी बार, एक्यूआई 400 पार! प्रवचनमंत्री का नारा एक्यूआई के मामले में तो सच साबित हो रहा है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन चुकी है। हवा इतनी जहरीली है कि सांस लेना दूभर हो गया है। बच्चे और बुजुर्ग इसकी सबसे बड़ी कीमत चुका रहे हैं। सांसों पर संकट बढ़ रहा है और अस्पतालों में मरीजों की तादाद बढ़ रही है। रमेश ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, नारे हवा में उछाले थे, अब हवा ही जहर बन गई है।

छठ पर्व पर दिल्ली से 27 विशेष ट्रेनों का संचालन

नई दिल्ली, एजेंसी। छठ के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और देश के पूर्वी हिस्से से आने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने शनिवार को बताया कि 13 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 26 विशेष रेलगाड़ियां और एक अनिर्धारित रेलगाड़ी चलाई गई। नई दिल्ली से 11, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इस दिन यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अनारक्षित एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया गया। उपाध्याय ने बताया कि 14 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से 27 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन प्रस्तावित है। इनमें नई दिल्ली से नौ, आनंद विहार से पांच, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से तीन, दिल्ली जंक्शन से दो और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इस दिन भी यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अतिरिक्त अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी।

दिल्ली पुलिस ने बुराड़ी में महिला की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बुराड़ी इलाके में महिला की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने महिला के साथ गलत हरकत करने की कोशिश की थी और इसी दौरान उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों के अनुसार, पुलिस को आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसको महिला दिखी थी, जिसके बाद वह गलत काम करने के इरादे से उसके पास गया था। नाकाम रहने पर आरोपी ने पीट-पीटकर उसकी हत्या की थी। आरोप है कि उसने महिला के सिर पर कई बार पत्थर से वार किए। महिला का शव मंगलवार को बरामद किया गया था। पुलिस ने अपने बयान में कहा कि शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में आगे की जांच चल रही है। इससे पहले, शुक्रवार को दिल्ली के खजूरी खास थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। मृतक महिला की पहचान 35 से 40 साल की रीना के रूप में हुई। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया। परिजनों का आरोप है कि राम कुमार नाम के एक शख्स ने रात के समय फोन कर-के रीना को अपने पास बुलाया था। आरोप है कि रीना उसके पास पहुंची, लेकिन अगली सुबह उसकी लाश इलाके में बरामद हुई। परिजनों ने इस पूरे मामले में राम कुमार की भूमिका पर सवाल उठाए। परिवार ने यह भी दावा किया कि इस मामले में पुलिस ने राम कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। अभी खजूरी खास थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की पड़ताल कर रही है।

वीरता पदक विजेताओं की एकमुश्त पुरस्कार राशि और वार्षिकी अब होगी दोगुनी: मुख्यमंत्री योगी

मेरठ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में प्रदेश के वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के लिए तीन बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने वीरता पुरस्कार विजेताओं को मिलने वाली एकमुश्त पुरस्कार राशि और वार्षिकी दोगुनी करने, पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के आश्रितों को मकान खरीदने पर स्टांप शुल्क में छूट की सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने तथा शहीद आश्रित को उसके गृह जनपद अथवा निकटवर्ती जनपद में सरकारी नौकरी देने का



ऐलान किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने 27.50 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश के आठ जनपदों में नवनिर्मित सैनिक कल्याण कार्यालयों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में शौर्य गाथा पुस्तक का विमोचन भी किया गया, जिसमें प्रदेश के 7 अशोक चक्र, 30 कीर्ति

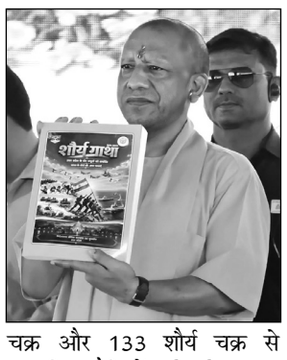

चक्र और 133 शौर्य चक्र से सम्मानित सैनिकों की वीरता का विवरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। उसकी वर्दी बदलती है, लेकिन राष्ट्रभक्ति और देशसेवा का संकल्प कभी नहीं बदलता। सैनिकों, वीर नारियों और शहीद परिवारों का सम्मान व स्वाभिमान बनाए रखना डबल इंजन सरकार का संकल्प है। उत्तर प्रदेश में देश विरोधी ताकतों, आतंकवादियों और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है, उनको हमने पहले ही मिट्टी में दफन कर दिया है। तीन घोषणाओं से बढ़ेगा सैनिक परिवारों का सम्मान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरकार परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र, अशोक चक्र, कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र, सेना मेडल, वायु सेना मेडल और अन्य पात्र वीरता एवं युद्ध सेवा पदकों के विजेताओं को मिलने वाली एकमुश्त पुरस्कार राशि और वार्षिकी दोगुनी कर रही है। इसी प्रकार पूर्व सैनिकों और शहीद सैनिकों के आश्रितों को संपत्ति खरीदने पर स्टांप शुल्क में छूट की सीमा अब 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये होगी। इसके अलावा शहीद के एक आश्रित को उसके गृह जनपद अथवा निकटवर्ती जनपद में सरकारी नौकरी देने की व्यवस्था की जाएगी।

इसके लिए सैनिक कल्याण विभाग अन्य विभागों में रिक्त पदों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

नौ निरीक्षक और दो उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

मुरादाबाद, एजेंसी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के आदेश पर जिले में नौ इंस्पेक्टर और दो सब इंसपेक्टर के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया गया है। इस दौरान सात थानों में नए प्रभारियों की तैनाती की गई। इस प्रशासनिक बदलाव में मझोला, नागफनी, मूंढापांडे, कोतवाली, छजलैट, डिलारी और साइबर थाने की कमान नए हाथों में पहुंच गई। नागफनी के प्रभारी मनीष सक्सेना को थाना मझोला का नया प्रभारी बनाया गया है। मझोला के रविंद्र कुमार अब मूंढापांडे थाने की जिम्मेदारी संभालेंगे। गैर जनपद



तबादले के चलते मूंढापांडे प्रभारी मोहित चौधरी और साइबर थाना प्रभारी विवेक शर्मा को कार्यमुक्त करने के लिए पुलिस लाइन भेजा गया है। पुलिस लाइन से शोकिंदर सिंह को थाना डिलारी का प्रभारी बनाया गया है। थाना डिलारी के प्रभारी विजेंद्र सिंह लंबी छुट्टी पर चल रहे है। छजलैट प्रभारी रमेश चंद्र को चुनाव सेल भेजा गया, उनके स्थान पर राजकुमार सिंह को वहां तैनात किया गया है। साइबर थाने की कमान सनोज कुमार सिंह को मिली है। कोतवाली प्रभारी राजेश कुमार अब नागफनी और खदाना चौकी प्रभारी करमजीत सिंह कोतवाली संभालेंगे। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि सभी को तत्काल नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने पांचाल घाट का किया निरीक्षण

फरुर्खाबाद,एजेंसी। जिलाधिकारी डॉ अंकुर लाठर ने जनपद में छठ पूजा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ पांचाल घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने घाट पर छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं एवं व्रतियों की सुविधा, सुरक्षा तथा भीड़ प्रबंधन के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि छठ पूजा के अवसर पर पांचाल घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं व्रतियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए घाट पर पर्याप्त एवं मजबूत बैरीकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे श्रद्धालु निर्धारित



सुरक्षित स्थानों पर ही पूजा-अर्चना कर सकें। घाट पर सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम समय से पूर्ण कर लिए जाएं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा अप्रिय घटना की संभावना को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे सुबह एवं शाम के समय पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त संख्या में शौचालय तथा महिलाओं की सुविधा एवं निजता को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित चेंजिंग रूम की व्यवस्था कराई जाए। घाट एवं उसके आसपास साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था रखी जाए तथा नियमित रूप से सफाई कराते हुए कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

विधायक त्रिभुवन राम ने युवाओं एवं बच्चों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में विधानसभा क्षेत्र अजगरा के चौबेपुर गांव में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से शनिवार को नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक त्रिभुवन राम ने युवाओं एवं स्कूली बच्चों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कार्यक्रम में नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना संदेश दिया। विधायक त्रिभुवन राम ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए काम करने की जरूरत है।

रामलीला का फीता काटकर रंजना पाल ने किया शुभारंभ

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बिधूना विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड सहार की ग्राम पंचायत पूर्वा मक्का में आयोजित रामलीला समारोह का शुभारंभ बीती देर रात शुक्रवार को मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी (सपा) महिला सभा की प्रदेश सचिव एवं महिला ड्रोन पायलट रंजना पाल ने किया। उन्होंने फीता काटकर तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की आरती उतारकर रामलीला समारोह का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान रंजना पाल ने भगवान श्रीराम के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की।

उन्होंने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और गौरवशाली परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी को सत्य, मर्यादा, त्याग, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में मर्यादा और कर्तव्य पालन का जो संदेश दिया, उसे आत्मसात कर समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत किया जा सकता



है। उन्होंने कहा कि इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द भी बढ़ता है। कार्यक्रम समापन पर रंजना पाल ने रामलीला समिति और ग्रामवासियों को भव्य आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर औघड़नाथ महाराज, शनि यादव, राहुल धनगर, पप्पू मस्ताना, शिवा पाल, सोनू यादव, शिवम यादव, रवि यादव, शोभित यादव, सुदेश यादव, पिंकू यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जनगणना-2027 में संस्कृत की वास्तविक भाषायी पहचान दर्ज कराने की सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की अपील

वाराणसी, एजेंसी। जनगणना-2027 में संस्कृत भाषा की वास्तविक उपस्थिति और भाषायी पहचान का समुचित अभिलेखन सुनिश्चित कराने के लिए सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने व्यापक जन-जागरूकता की अपील की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने देशवासियों से आग्रह किया है कि वे जनगणना के दौरान अपनी भाषायी जानकारी का सही और प्रामाणिक विवरण दर्ज कराएं तथा संस्कृत को उचित स्थान दिलाने में सहभागी बनें। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि संस्कृत का



गौरव, भारत का गौरव है। संस्कृत का संरक्षण केवल एक भाषा का संरक्षण नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक अस्मिता, सभ्यतागत स्मृति और समृद्ध ज्ञान परम्परा को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण दायित्व है। संस्कृत महज संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा, सांस्कृतिक विरासत की संवाहिका और ज्ञान की अनन्त सम्भावनाओं का अक्षय स्रोत है।

उन्होंने कहा कि वेदों और उपनिषदों से लेकर रामायण, महाभारत, आयुर्वेद, ज्योतिष, गणित, व्याकरण, साहित्य एवं दर्शन तक भारतीय मनीषा का अप्रतिम ज्ञान-वैभव संस्कृत भाषा में संरक्षित है। वर्तमान समय में भी देश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, गुरुकुलों और पारम्परिक पाठशालाओं में संस्कृत का अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य निरंतर जारी है।

मरीजों की सेवा कर कांग्रेस ने मनाई पंडित नेहरू की जयंती, मरीजों को बांटे गये फल

वाराणसी, एजेंसी। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर शनिवार को वाराणसी महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से सेवा कार्य किये गये। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न अस्पतालों में पहुंच कर मरीजों की देखभाल की और उनके बीच फल वितरित कर बाल दिवस मनाया। इसी क्रम में पार्टी के विधानसभा प्रभारी डॉ. राजेश गुप्ता के संयोजन



में कबीरचौरा स्थित श्री शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और फल वितरित किए। साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

छठ पूजा पर गंगा घाटों पर नगर निगम ने बनाए सेल्फी प्वाइंट

पीएम मोदी, सीएम योगी और महापौर की तस्वीर के साथ श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं

वाराणसी, एजेंसी। छठ महापर्व पर गंगा घाटों पर पहुंचने वाले व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ स्वच्छता जागरूकता को लेकर नगर निगम ने विशेष पहल की है। घाटों पर साफ-सफाई, समतलीकरण और महिला चेंजिंग रूम की व्यवस्था के अलावा आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं। इनके माध्यम से श्रद्धालुओं को छठ पूजा की शुभकामनाएं देने के साथ ही 'स्वच्छ काशी, सुंदर काशी' का संदेश दिया जा रहा है। पीएम मोदी, सीएम योगी और महापौर के चित्रों से सजे सेल्फी प्वाइंट नगर निगम की ओर से बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर काशी के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महापौर अशोक तिवारी के चित्र लगाए गए हैं। इनके साथ ही आस्था के महापर्व छठ पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं अंकित की गई हैं। सेल्फी प्वाइंट पर 'स्वच्छ काशी, सुंदर काशी' और 'भाव काशी' का संदेश भी दिया गया है।



घाटों पर आने वाले श्रद्धालु इन सेल्फी प्वाइंट के साथ तस्वीरें लेकर पर्व की यादों को संजो रहे हैं।

शिकायत के लिए टोल फ्री और व्हाट्सएप नंबर

नगर निगम ने सेल्फी प्वाइंट पर टोल फ्री और व्हाट्सएप नंबर भी अंकित कराए हैं। इनके माध्यम से नागरिक नगर निगम से संबंधित समस्याओं और शिकायतों को दर्ज करा सकेंगे।

यूपी के आठ जिलों में 27.50 करोड़ से बने जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों और विश्राम गृहों का लोकार्पण

मेरठ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ जिले में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में 27.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आठ जनपदों के जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालयों तथा आवासीय सुविधाओं का लोकार्पण किया। इनमें औरैया, अमेठी, गोरखपुर, चंदौली, शामली, संत कबीर नगर, अंबेडकर नगर और सोनभद्र शामिल हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में से 64 में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालयों की सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्वतंत्रता के बाद स्थापित 24



कार्यालयों में से 12 का निर्माण वर्ष 2017 के बाद हुआ है। इन नए भवनों और विश्राम गृहों से पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों को स्थानीय स्तर पर बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विशेष पुस्तक शौर्य गाथा का भी विमोचन किया। पुस्तक में भारतीय सशस्त्र सेनाओं में उत्तर प्रदेश के वीर सपूतों के अद्वितीय पराक्रम, वीरता और सर्वोच्च समर्पण का संकलन किया गया है। इसमें विभिन्न सैन्य अभियानों के परिचय के साथ वीरता पदक प्राप्त सैनिकों की गौरवगाथाएं शामिल हैं। पुस्तक में उत्तर प्रदेश के सात अशोक चक्र, 30 कीर्ति चक्र और 133 शौर्य चक्र से सम्मानित वीर सैनिकों की गाथाओं को स्थान दिया गया है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के वीर नायकों के शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति से परिचित कराना है। वीर नारियों और भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह में देश के लिए बलिदान देने वाले शूरवीरों की वीर नारियों, अर्ची सिंह (पत्नी मेजर अमित शर्मा, सेना मेडल), उषा शर्मा (मां मेजर केतन शर्मा, सेना मेडल), अबरीशा खातून (पत्नी सिपाही अजमेर अली, कीर्ति चक्र), विमलेश देवी (पत्नी सेपर सतीश कुमार, सेना मेडल), माला (पत्नी सिपाही नितिन कुमार), मीनू (पत्नी हवलदार अनिल कुमार तोमर, शौर्य चक्र), परविता देवी (पत्नी सूबेदार सुरेश कुमार), सीमा वालिया (पत्नी नायक अमित कुमार वालिया), संतोष कुमारी (पत्नी सिपाही राम दिया)

गीता देवी (पत्नी हवलदार धर्मेंद्र कुमार), संगीता देवी (पत्नी लांस नायक जॉनी कुमार), नीतू सैनी (पत्नी नायक विकास कुमार) और सुमन देवी (पत्नी नायक जितेंद्र सिंह) तथा भूतपूर्व सैनिकों लांस नायक प्रियपाल सिंह और राइफलमैन हरबीर सिंह को सम्मानित किया गया।

एक नजर

दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत, एक मौत, दो घायल

कौशांबी, एजेंसी। जिले के सैनी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम कानेमई के पास शनिवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, कोरियो गांव निवासी मूलचंद्र रैदास (38) बजाज प्लेटिना बाइक से कोरियो से अझुवा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दूसरी बाइक पर सवार ज्ञान प्रकाश प्रजापति (25) और भीम (28) अझुवा से टांडा की तरफ जा रहे थे। कानेमई के पास घुमावदार सड़क पर दोनों बाइक सवार एक-दूसरे को देख नहीं पाए और उनकी बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसे में मूलचंद्र रैदास की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, दोनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी इस्माइलपुर कड़ा में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

उत्तर प्रदेश में 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले, 05 जिलों के डीएम बदले

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार की देर रात को 38 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। इनमें पांच जिलों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, नगर आयुक्त, सयुंक्त प्रबंध निदेशक के अधिकारी शामिल हैं। तबादलों को आगामी विधानसभा चुनाव-2027 से जोड़कर देखा जा रहा है। शासन ने जिन आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं, उनमें प्रथमेश कुमार को सीतापुर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है।

इससे पहले वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष थे। जोगिंद्र सिंह को विशेष सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति से जिलाधिकारी बिजनौर, सुनील कुमार सिंह को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा से जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर, सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को महाराजगंज का नया डीएम बनाया गया है। वहीं, महाराजगंज के गौरव सिंह सोगरवाल को सिद्धार्थनगर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा अनुज सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, वंदना त्रिपाठी को अपर आयुक्त सहारनपुर मंडल, संदीप कुमार को मुख्य विकास अधिकारी मेरठ, प्रतिभा सिंह को अपर आयुक्त कानपुर मंडल समेत 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।

बिना कागजात 32.50 कुंतल चीनी लदी पिकअप पकड़ी

मीरजापुर, एजेंसी। असिस्टेंट कमिश्नर सेल टैक्स मंजू मौर्या ने शनिवार को टीम के साथ कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश -मध्य प्रदेश सीमा पर भैंसोड़ बलाय पहाड़ गांव के पास चीनी लदी पिकअप वैन पकड़ी। मध्य प्रदेश की ओर से आ रही पिकअप में 75 बोरियों में कुल 32 कुंतल 50 किलो चीनी लदी थी। जांच के दौरान चालक चीनी खरीद से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद सेल टैक्स विभाग की टीम ने पिकअप को पुलिस की अभिरक्षा में ड्रमंडगंज थाने मंद खड़ा करा दिया। थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि सेल टैक्स विभाग ने 75 बोरी चीनी लदी पिकअप पकड़ी है। वाहन को थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। विभाग की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

दिसंबर के प्रथम सप्ताह से शुरू होंगी कृषि, लॉ और बीएड की परीक्षाएं

मीरजापुर, एजेंसी। मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय की कृषि, एलएलबी, बीए-एलएलबी, बीपीएड, बीएड और एमएड की परीक्षाएं दिसंबर के प्रथम सप्ताह से शुरू होंगी। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने बताया कि स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाएं 23 नवंबर से प्रारंभ होंगी। विद्यार्थियों की सुविधा को देखते हुए परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 नवंबर कर दी गई है। कुलपति ने बताया कि आगामी परीक्षाओं को सुव्यवस्थित, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विभागीय कार्यों में नियमितता और जवाबदेही बनाए रखने पर भी जोर दिया। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, परीक्षा विभाग आगामी परीक्षाओं की तैयारियों में जुटा है। विद्यार्थियों को निर्धारित तिथियों के अनुसार परीक्षा संबंधी प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।

हाईवे किनारे फंदे पर लटका मिला बुजुर्ग का शव

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार सुबह एक बुजुर्ग का शव घर में टीनशेड के पाइप से फंदे पर लटका मिला। शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और जांच शुरू की। नेशनल हाईवे स्थित बसंत पेट्रोल पंप के पास रहने वाले करीब 60 वर्षीय सतीश ने अज्ञात कारणों के चलते घर में टीनशेड के पाइप से फंदा लगाकर जान दे दी। शनिवार सुबह परिजन सोकर जागे तो उनका शव फंदे पर लटका देख होश उड़ गए। देखते ही देखते घर में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर सदर कोतवाली प्रभारी जितेंद्र तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को नीचे उतरवाकर जांच-पड़ताल की। फिलहाल बुजुर्ग के आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी है।

जनवरी में होंगी यूपी बोर्ड की प्री-बोर्ड और प्रायोगिक परीक्षाएं, दिसंबर तक पाठ्यक्रम पूरा कराने की तैयारी

वाराणसी, एजेंसी। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं से पहले जनवरी में प्री-बोर्ड और प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके लिए माध्यमिक विद्यालयों में दिसंबर तक पाठ्यक्रम पूरा कराने की तैयारी तेज कर दी गई है। जनवरी में प्री-बोर्ड परीक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों की बोर्ड परीक्षा की तैयारियों का आकलन किया जाएगा। साथ ही कमजोर विषयों और विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी अतिरिक्त तैयारी कराई जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से जारी शैक्षणिक कार्यक्रम के अनुसार बोर्ड परीक्षाएं पांच फरवरी से शुरू होंगी। इससे पहले जनवरी में प्री-बोर्ड परीक्षाएं कराई जाएंगी। इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं भी जनवरी में होंगी। प्रायोगिक परीक्षाओं में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान समेत अन्य विषय शामिल होंगे। वहीं, हाईस्कूल में आंतरिक मूल्यांकन और प्रायोगिक विषयों का अंकलन निर्धारित व्यवस्था के तहत किया जाएगा।

अदवा बांध से छोड़े पानी ने डुबोई किसानों की धान की फसल

मीरजापुर, एजेंसी। लगातार बारिश से नुकसान झेल चुके किसानों की धान की फसल अब अदवा बांध से हलिया माइनर में छोड़े गए पानी से संकट में पड़ गई है। माइनर का पानी खेतों में भरने से अहुगी कला, भटवारी, बेदऊर और सोठिया समेत छह से अधिक गांवों के किसानों की फसल डूब गई है। खेतों में पानी जमा होने से खड़ी फसल के सड़ने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि बारिश से पहले ही धान की फसल को काफी नुकसान हुआ था। किसी तरह बची फसल अब माइनर का पानी खेतों में पहुंचने से बर्बाद होने की कगार पर है। आरोप है कि खेतों में पानी भरने के बावजूद सिंचाई विभाग की ओर से माइनर का पानी बंद नहीं कराया जा रहा है। किसानों ने जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार से मामले का संज्ञान लेकर माइनर तत्काल बंद कराने की मांग की है। साथ ही प्रभावित खेतों का सर्वे कराकर फसल क्षति का आकलन करने और उचित मुआवजा दिलाने की मांग उठाई है।

संपादकीय

नोटबंदी के दस साल

जनता को आखिर क्या मिला?

पीछे मुड़कर देखें तो क्या यह ऐसा प्रकरण है जिस पर भारत को गर्व होना चाहिए? इसमें गर्व करने का कोई खास कारण नहीं है। जनता के भरोसे को तोड़कर ऐसी उथल-पुथल मचाई गई जिसकी पूरी लागत का अभी तक हिसाब नहीं लगाया जा सका है और जिसमें जिन लाभों का वादा किया गया था उनका कभी भी ठोस लेखा-जोखा नहीं किया गया। भारतीयों ने अपनी आजीविका फिर से खड़ी की और आगे बढ़े।

दस साल पहले नागरिकों से कहा गया था कि वे अपने ही पैसों का इस्तेमाल करना बंद कर दें; और इसके लिए उन्हें सिर्फ चार घंटे का नोटिस दिया गया था। यह एक चौंकाने और हैरान कर देने वाला कदम था। 8 नवंबर, 2016 की रात 8 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टेलीविजन पर घोषणा की कि आधी रात से 500 और 1,000 रुपये के मौजूदा नोट कानूनी रूप से अमान्य हो जाएंगे। ये नोट उस समय चलन में मौजूद कुल करेंसी का लगभग 86 प्रतिशत थे। लोग इन्हें बैंकों में जमा तो कर सकते थे लेकिन बदले में मिलने वाले नए नोट बहुत कम थे। पूरी व्यवस्था इसके लिए तैयार नहीं थी। एटीएम मशीनों को अभी नए नोटों के हिसाब से रीकैलिब्रेट (सेट) किया जाना बाकी था। परेशानियां तुरंत शुरू हो गईं। बैंकों के बाहर लंबी कतारें लग गईं, पैसे निकालने की सख्त सीमाएं तय कर दी गईं और नोटों की भारी किल्लत हो गई। बैंकों के बाहर इंतजार करने के कारण मजदूरों को अपनी दिहाड़ी गंवानी पड़ी। छोटे कारोबारियों के लिए अपने सप्लायरों और कर्मचारियों को भुगतान करना मुश्किल हो गया। किसानों को खेती के जरूरी सामान और मजदूरों की मजदूरी चुकाने के लिए नकद पैसों की जरूरत थी।

फिर भी, इतनी तकलीफें झेलने के बावजूद कई लोगों ने इस कदम का समर्थन किया। उन्हें लगा कि कहीं न कहीं टैक्स चोरी करने वाले अमीर लोगों को इससे कहीं ज्यादा नुकसान हो रहा होगा। प्रधानमंत्री के फैसले पर जनता का भरोसा बहुत ज्यादा था। दस साल बीत जाने के बाद भी हमारे पास इस बात का कोई ईमानदार हिसाब-किताब नहीं है कि लोगों के इस त्याग से आखिर हासिल क्या हुआ? शुरूआती घोषणा में काले धन, भ्रष्टाचार, जाली मुद्रा और आतंकवाद को मुख्य लक्ष्य बताया गया था। बाद में इसके उद्देश्य बदल कर बेहतर टैक्स अनुपालन, अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण और डिजिटल भुगतान की ओर मुड़ गए। उद्देश्यों की इस बदलती और बढ़ती सूची ने यह दावा करना आसान बना दिया कि लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं जबकि यह कभी स्पष्ट नहीं हुआ कि शुरूआती वादे पूरे हुए भी थे या नहीं?

ट्रंप और नेतन्याहू दोनों को मिली है शर्मिंदगी, अब कर रहे विकल्पों की तलाश

ईरान के साथ संभावित नए युद्ध के लिए इजरायल और अमेरिका की तैयारियां तेज हो रही हैं। खबरों के अनुसार, बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल के दिनों में डोनाल्ड ट्रंप को रोज फोन कर के ईरान पर फिर से हमले करने का आग्रह किया है, जबकि वाशिंगटन अभी कूटनीति और दबाव बनाने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। न्यूयॉर्क में 'इजराइल हायोम समिट' में दिए गए बयानों से तैयारियों का पता तो चलता है, लेकिन इससे किसी तुरंत होने वाले हमले की पुष्टि नहीं होती।

असद मिर्जा



किसी भी नए टकराव में इजरायल और ईरान से कहीं अधिक देश शामिल हो सकते हैं। एनपीआर ने रिपोर्ट किया कि ईरानी अधिकारियों ने संघर्ष में शामिल देशों में अमेरिकी हितों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस तरह की धमकियों से अमेरिकी सेनाओं की मेजबानी करने वाले खाड़ी देशों के साथ-साथ वाणिज्यिक जहाजरानी और ऊर्जा बुनियादी ढांचे की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।

न्यूयॉर्क में इजरायली और अमेरिकी नेताओं के बयानों से संकेत मिलता है कि वे अपनी तैयारियों और प्रतिरोध क्षमता पर जोर दे रहे हैं, न कि ईरान पर हमले के किसी सार्वजनिक फैसले पर। इन बातों को एक साथ देखें तो पता चलता है कि सैन्य तैयारी, कूटनीतिक दबाव और क्षेत्रीय जोखिम का एक जटिल मिश्रण बन रहा है। इसके परिणाम मध्य पूर्व से आगे बढ़कर ऊर्जा सुरक्षा, शिपिंग और भारत के रणनीतिक संतुलन तक असर डाल सकते हैं।

ईरान के साथ संभावित नए युद्ध के लिए इजरायल और अमेरिका की तैयारियां तेज हो रही हैं। खबरों के अनुसार, बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल के दिनों में डोनाल्ड ट्रंप को रोज फोन कर के ईरान पर फिर से हमले करने का आग्रह किया है, जबकि वाशिंगटन अभी कूटनीति और दबाव बनाने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। न्यूयॉर्क में 'इजराइल हायोम समिट' में दिए गए बयानों से तैयारियों का पता तो चलता है, लेकिन इससे किसी तुरंत होने वाले हमले की पुष्टि नहीं होती।

'इजराइल हायोम समिट' एक अखबार द्वारा आयोजित सम्मेलन है, न कि कोई सरकारी या सैन्य योजना मंच। इसका दूसरा न्यूयॉर्क संस्करण 11 नवंबर को मैनहट्टन में आयोजित किया गया था, जिसमें इजराइल और अमेरिका के राजनीतिक, सुरक्षा और सामाजिक क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। यहां द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति पर चर्चा की गई। 'इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज' के अध्यक्ष बोआजलेवी ने 'इजराइल हायोम' अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अपनी राय रखी। यह उनका अपना आकलन है, न कि इजरायल सरकार का कोई आधिकारिक फैसला कि वे फिर से युद्ध शुरू करने जा रहे हैं। 'द टाइम्स ऑफ इजराइल' और 'एक्सिओस' ने अलग-अलग रिपोर्ट दी है कि नेतन्याहू ने हाल ही में ट्रंप को फोन करके ईरान पर जल्द हमला करने का दबाव डाला है। इन रिपोर्टों में इजरायली और अमेरिकी सूत्रों का हवाला दिया गया है।

इस बीच, 'इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज' के अध्यक्ष बोआजलेवी ने 11 नवंबर को 'इजराइल हायोम समिट' में कहा कि इजराइल को ईरान के साथ एक और युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि 'क्या' युद्ध होगा, बल्कि यह है कि 'कबज्ञ होगा। लेवी ने ईरानी हमलों के खिलाफ 'ऐरो' मिसाइल-डिफेंस सिस्टम के प्रदर्शन का जिक्र किया और दावा किया कि इसने 92 प्रतिशत हमलों को सफलतापूर्वक रोका। उन्होंने बताया कि इजरायल और अमेरिका अब इंटरसेप्टर मिसाइलों का उत्पादन बढ़ा रहे हैं और अधिक ऊंचाई पर हमलों को रोकने की क्षमता विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेवी ने एक इजरायली उपग्रह क ा उदाहरण भी दिया, जो एक फाइटर पायलट को रियल-टाइम में दिशा-निर्देश दे रहा था। इससे पता चलता है कि सैन्य अभियानों में अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उनकी टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये रक्षा-उद्योग के एक नेता की बातें हैं, न कि इजरायली सरकार की ओर से किसी हमले की योजना की आधिकारिक घोषणा।

उसी शिखर सम्मेलन में अमेरिकी पक्ष की टिप्पणियां अधिक राजनीतिक थीं। 'इजरायल हायोमइ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने ईरान की सत्ता को पहले से कहीं अधिक कमजोर बताया और कहा कि 'अब्राहम समझौतेइ का विस्तार हो रहा है। सितंबर में 'अल-मॉनिटरइ को दिए एक अलग साक्षात्कार में, वाल्ट्ज ने कहा कि ईरान के लिए बातचीत में लौटने के रास्ते अभी भी खुले हैं और तर्क दिया कि समय वाशिंगटन के पक्ष में है। कुल मिलाकर, ये टिप्पणियां दबाव और कूटनीति को एक साथ चलने वाली रणनीतियों के रूप में पेश करती हैं परन्तु इनका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने कोई नया हमला करने की सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्धता जताई है।

सैन्य तैयारियों की खबरों के बीच, इन दोनों बातों के बीच का अंतर महत्वपूर्ण है। अक्टूबर में एनपीआर ने अमेरिका-इजरायल युद्ध योजना की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि दोनों देश अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद एक संभावित हमले की तैयारी कर रहे थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सैन्य ताकत बढ़ाने का मकसद तेहरान पर किसी समझौते के लिए दबाव डालना हो सकता है। यह दावा एक अज्ञात सूत्र की ओर से आया था, न कि किसी आधिकारिक नीति के रूप में घोषित किया गया था। लेवी की टिप्पणियां दीर्घकालिक तैयारियों की ओर इशारा करती हैं, लेकिन इनसे किसी आसन्न सैन्य अभियान की पुष्टि नहीं होती और न ही इसके उद्देश्यों का पता चलता है।

क्षेत्रीय स्तर पर इसका पहला असर यह है कि मिसाइल रक्षा को एक अस्थायी प्रतिक्रिया के बजाय एक स्थायी जरूरत के रूप में देखा जा रहा है। लेवी द्वारा इंटरसेप्टर (मिसाइल रोकने वाले हथियार) के उत्पादन और अपग्रेड का जिक्र यह बताता है कि इजरायल को उम्मीद है कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल दागने की क्षमता भविष्य की सुरक्षा योजनाओं का एक मुख्य हिस्सा बनी रहेगी। मिसाइलों को रोकने की बेहतर क्षमता, हमले से होने वाले संभावित नुकसान को कम करके, ईरान को हमले से रोकने में मदद कर सकती है।

इससे भी बड़ा खतरा एक 'सुरक्षा दुविधा' का है। इजरायल जिन तैयारियों को रक्षात्मक बताता है—जैसे कि ज्यादा इंटरसेप्टर, बेहतर सेंसर और अंतरिक्ष-आधारित समन्वय—उन्हें तेहरान में एक नए हमले की तैयारी के रूप में देखा जा सकता है। ऐसे में, ईरान भी अपनी सैन्य तैयारियों के जरिए या क्षेत्रीय शिपिंग और बुनियादी ढांचे पर दबाव डालकर, इजरायल को रोकने की अपनी क्षमता को फिर से बहाल करने की कोशिश कर सकता है। इसका नतीजा एक ऐसे चक्र के रूप में निकल सकता है, जहां दोनों पक्ष यह दावा करें कि वे अगले हमले को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि असल में वे दूसरे पक्ष के मन में यह डर और बढ़ा रहे हैं कि उन पर पहले हमला हो सकता है।

पत्रकारिता की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और जनविश्वास की कसौटी

- सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनावों, संसद और संवैधानिक संस्थाओं से सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इसके लिए जागरूक नागरिकों और स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा जिम्मेदार पत्रकारिता की भी आवश्यकता होती है। इसी महत्त्व को रेखांकित करने के लिए भारत में प्रत्येक वर्ष ह्न16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवसह्व मनाया जाता है। यह दिन पत्रकारिता की स्वतंत्रता, उसके नैतिक दायित्वों और समाज के प्रति उसकी जवाबदेही पर आत्ममंथन का अवसर है।

प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उन्हें लागू करती है और न्यायपालिका न्याय सुनिश्चित करती है, वहीं पत्रकारिता सत्ता, व्यवस्था और समाज की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए जनहित के प्रश्नों को सामने लाती है।

भारत में प्रेस परिषद की स्थापना के संदर्भ में 16 नवंबर का विशेष महत्त्व है। भारतीय प्रेस परिषद ने इसी दिन 1966 में कार्य करना आरंभ किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखने में सहायता करना है। स्वतंत्र पत्रकारिता का अर्थ केवल समाचार प्रकाशित करना नहीं, बल्कि तथ्यों की पड़ताल करना, जनसमस्याओं को आवाज देना और सत्ता से जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। जब पत्रकार निर्भीक होकर सच सामने लाता है, तब वह केवल किसी घटना की सूचना नहीं देता, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना को भी मजबूत करता है।

भारतीय पत्रकारिता का इतिहास संघर्ष, त्याग और जनजागरण की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अनेक समाचार-पत्रों ने जनमत तैयार करने, औपनिवेशिक शासन की नीतियों का विरोध करने और राष्ट्रीय चेतना जगाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप बदला। तकनीक, पूँजी, विज्ञापन और प्रतिस्पर्धा ने समाचार माध्यमों का विस्तार किया। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया के कारण सूचना कुछ ही क्षणों में दुनिया भर में पहुँच जाती है। यह प्रगति अवसरों के साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आई है।जब समाचारों पर व्यावसायिक हित हावी होने लगते हैं, विज्ञापन और संपादकीय सामग्री के बीच की सीमा धुंधली पड़ती है अथवा सनसनी को सत्य से अधिक महत्त्व दिया जाता है, तब पत्रकारिता की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। पत्रकारिता का आर्थिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है, लेकिन उसकी आत्मा जनहित, सत्यनिष्ठा और नैतिकता में ही बसती है।

आज सूचना की अधिकता के बीच सही और गलत का अंतर पहचानना कठिन होता जा रहा है। बिना पुष्टि के प्रसारित संदेश, भ्रामक शीर्षक, आधे-अधूरे तथ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई भ्रामक सामग्री जनमत को प्रभावित कर सकती है। ऐसे समय में पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। किसी भी समाचार को प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की पुष्टि, संबंधित पक्षों का दृष्टिकोण, स्रोतों की विश्वसनीयता और भाषा की मर्यादा पर ध्यान देना अनिवार्य है। गलती होने पर उसका सुधार करना भी पत्रकारिता की ईमानदारी का हिस्सा है। पाठकों और दर्शकों की भी जिम्मेदारी है कि वे किसी सनसनीखेज खबर को बिना सत्यापन के साझा न करें। जागरूक नागरिक और जिम्मेदार पत्रकारिता मिलकर ही सूचना के स्वस्थ वातावरण का निर्माण कर सकते हैं।

पत्रकारिता से अपेक्षा की जाती है कि वह समाज के कमजोर वर्गों, वंचितों और पीड़ितों की आवाज बने। लेकिन इसके लिए पत्रकारों को निष्पक्ष काम करने का वातावरण, पेशेवर स्वतंत्रता और आवश्यक सुरक्षा मिलना भी जरूरी है।

पत्रकार पर दबाव, धमकी या अनुचित हस्तक्षेप न केवल व्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित करता है, बल्कि जनता के सूचना पाने के अधिकार को भी कमजोर करता है। साथ ही, पत्रकारिता की स्वतंत्रता का अर्थ गैर-जिम्मेदारी नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ तथ्यपरकता, कानून का सम्मान और सामाजिक संवेदनशीलता भी आवश्यक हैं। राष्ट्रीय प्रेस दिवस केवल पत्रकारों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए यह विचार करने का दिन है कि हम कैसी पत्रकारिता चाहते हैं। ऐसी पत्रकारिता, जो सत्ता से प्रश्न पूछ सके, समाज की पीड़ा समझ सके, गलतियों को स्वीकार कर सके और किसी भी दबाव से ऊपर उठकर जनहित को प्राथमिकता दे। पत्रकारिता की वास्तविक प्रतिष्ठा उसके संस्थान, प्रसार या तकनीकी साधनों से नहीं, बल्कि जनता के उस विश्वास से बनती है, जिसे अर्जित करने में वर्षों लगते हैं और खोने में कुछ क्षण।

चुनावी दंगल में प्रत्याशी की छवि बनेगी जीत का मूलाधार

डा. रवीन्द्र अरजरिया

भारतीय लोकतंत्र की नई प्रयोगशाला में अब मतदाता केवल पारंपरिक निष्ठाओं, काल्पनिक नारों और कागजी समीकरणों के भरोसे मतदान केंद्र तक नहीं जा रहा है। राजनीतिक दलों के रणनीतिकारों की पुरानी जमा-घटाव वाली गणित अब थक चुकी है। मैदान में उतरने वाले प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि ही जीत-हार का निर्णायक मूलाधार बनने जा रही है। बीते दिनों उत्तर प्रदेश में हुए चुनावों के नतीजों ने इस सच्चाई को खुलकर सामने रख दिया जहां बनारस और लखनऊ जैसी प्रतिष्ठित सीटों पर उतारे गए प्रत्याशियों को किसी बाहरी तूफान ने नहीं बल्कि उनकी अपनी नकारात्मक छवि ने धूल चटाई है। इन दोनों ही सीटों पर प्रत्याशियों की छवि को लेकर उठते सवालों, पार्टी के अहंकार की बू, जनता से कटे होने के आरोपों और विश्वसनीयता के संकट ने उस पारंपरिक वोट बैंक आहत किया था जिसे दल विशेष अपनी जागीर समझ बैठे हैं। बनारस और लखनऊ के ये परिणाम केवल स्थानीय हार नहीं हैं बल्कि उन तमाम रणनीतिकारों के मुंह पर करारा तमाचा है जो मानते थे कि बड़े नाम, भारी-भरकम अभियान या सत्ता के गलियारों की चमक के सहारे किसी को सिंहासन पर बैठाया जा सकता है। आज की राजनीति का सबसे बड़ा कैंसर वह सिद्धांतविहीन दलबदल संस्कृति है जिसने वर्षों से झंडा ढोने वाले, लाठी खाने वाले और बूथों पर पसीना बहाने वाले पुराने कार्यकताओं की कमर तोड़ दी है। जब रातोंरात दल बदलने वाले अवसरवादियों को माला पहनाकर टिकट थमाया जाता है तब जमीन पर वर्षों मेहनत करने वाला निष्ठावान कार्यकर्ता स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। उसकी यह नाराजगी किसी मंच से नारेबाजी बनकर नहीं निकलती बल्कि मतदान के दिन वह चुप्पी साधकर घर के भीतर से ही निकट विरोधी को समर्थन देकर अपनी पीड़ा का हिसाब चुकता करता है। आंकडे बताते हैं कि आगामी चुनावों में लगभग पंद्रह से बाईस प्रतिशत सीटों का भाग्य यही नाराज जमीनी कार्यकर्ता तय करेंगे। राजनैतिक दलों की असली वोटिंग मशीनरी तो उसका समर्पित कार्यकर्ता होता है, न कि किराए पर लाई गई भीड़। जब वह कार्यकर्ता ही रूठा हो तो बड़े-बड़े रैलियों के आंकड़े और सोशल मीडिया के कृत्रिम ट्रेंड्स स्वमेव ही धूल चाटते दिखने लगते हैं। लोकतंत्र की जड़ों को दीमक की तरह चाटने वाले बहुबली, धनबली, अपराधबली और पहुंचबली तत्वों को टिकिट देना अब फैशन बन गया है। दलों के आकाओं को लगता है कि बाहुबल के प्रदर्शन, थैली की ताकत, आपराधिक रौब और राजधानी के गलियारों में बैठे सफेदपोश संरक्षकों तक पहुंच से चुनाव जीता जा सकता है। मतदाता अब इस दंभ को तोड़ने पर आमादा है। ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों के सर्वेक्षण और जमीनी अनुमान के आधार पर यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि जिन सीटों पर ऐसे तत्वों को उतारा जाएगा, वहां सत्ता विरोधी लहर से कहीं अधिक तीव्र प्रतिक्रिया प्रत्याशी के चरित्र, व्यवहार और अतीत के इतिहास के खिलाफ देखने को मिलेगी। आम आदमी अब बल की धौंस से डरने के बजाय मतदान के दिन ईवीएम का बटन दबाकर अपनी मूक शक्ति का प्रदर्शन का मन बना चुका है। धनबल के सहारे प्रचार का शोर तो खड़ा किया जा सकता है परन्तु मतदाता का आत्मसम्मान के नहीं खरीदा जा सकता। सबसे बडा बदलाव तो जातिगत समीकरणों की उस तथाकथित अजेय दीवार को लेकर आ रहा है जिसे दशकों तक भारतीय राजनीति का अटल सत्य माना जाता रहा। अब यह धारणा भी तेजी से टूट रही है कि किसी विशेष जाति की बहुलता किसी भी कमजोर या अलोकप्रिय प्रत्याशी को जिता सकती है। आगामी चुनावों में प्रत्याशी की उज्ज्वल, स्वच्छ और संवेदनशील छवि किसी भी जातिगत आंकड़े पर भारी पड सकती है। अतीत का अनुभव बताता है कि किसी सीट पर किसी जाति के तीस से पैंतीस प्रतिशत मतदाता हैं लेकिन प्रत्याशी की छवि जनविरोधी, अहंकारी या संदिग्ध है तो उसी जाति का जागरूक वर्ग अपने ही सजातीय प्रत्याशी से मुंह मोड़कर स्वच्छ छवि वाले विकल्प की ओर रुख कर लेता है। ऐसे में लगभग तीस प्रतिशत से अधिक सीटों पर पक्षविरोधी मतदान यानी क्रॉस-वोटिंग का यह पैटर्न निर्णायक भूमिका निभा सकता है जहां जाति की पहचान के ऊपर व्यक्ति की विश्वसनीयता और जनसंपर्क की कसौटी जीत का ताज पहनाएगी। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है बल्कि लम्बे समय तक उपेक्षा, वादाखिलाफी और दिखावटी राजनीति के खिलाफ जमा हुए आक्रोश का विस्फोट है। आज का मतदाता, विशेष रूप से युवा और महिला वर्ग, प्रत्याशी के बीते पांच वर्षों के आचरण, उसकी सुलभता, उसके व्यवहार की शालीनता और संकट के समय उसकी उपस्थिति का हिसाब रखता है। जो नेता केवल चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद हेलीकॉप्टर या लग्जरी काफिले में उतरता है, उसके लिए अब जनता के पास केवल तिरस्कार शेष है। बनारस और लखनऊ के नतीजों ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि प्रतिष्ठा और विरासत का दंभ अब मतदाता को गुमराह नहीं कर सकता। जब प्रत्याशी की छवि पर सवाल खड़े होते हैं, तो चाहे कितनी भी रणनीतिक चालें चली जाएं, चाहे कितने भी बड़े स्टार प्रचारक झोंक दिए जाएं परन्तु पराजय की पूर्व लिखित पटकथा बदली नहीं जा सकेगी। ऐसे में वही दल बाजी मारेगा जो अपने टिकट वितरण में जमीन कार्यकर्ता, स्थानीय कार्यकर्ता और समर्पित कार्यकर्ता को महत्व देगा। यदि दलों ने पुराने कार्यकताओं की उपेक्षा जारी रखी, दलबदलुओं को सिर-आंखों पर बैठाया और बहुबली-धनबली-अपराधबली-पहुंचबली जैसी जमात को टिकट बांटने का मोह नहीं छोड़ा, तो उन्हें घातक परिणामों के लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। ऐसे में आगामी विधानसभा और लोकसभा के रणक्षेत्रों में वही प्रत्याशी सुरक्षित माने जाएंगे जिनकी छवि जनता के बीच सेवक की है, न कि शासक, ठेकेदार, माफिया या दलबदलू की। जातिगत अंकगणित के भरोसे टिकट बांटने वालों को इस बार प्रत्याशियों के चयन में उज्ज्वल छवि वाला जमीनी कार्यकर्ता को तलाशना होगा तभी जातिगत किले में सेंध लगाई जा सकेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

भाईचारा बढ़ाने वाली दिवाली

बाबा मायाराम

भारत का भविष्य खेती-किसानी और उससे जुड़े लघु कुटीरों में है। हमें ऐसे लोगों के रोजगार बढ़ाने और बचाने की जरूरत है। गांवों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने में मदद करते हैं। हमारी देश की जलवायु, जैव विविधता और पर्यावरण खेती के लिए अनुकूल है। यह हमारी भाईचारा बढ़ाने वाली व प्रकृति के साथ समन्वय करने वाली कृषि परंपरा और संस्कृति भी है।

हाल ही में दीपावली का त्योहार मनाया गया। इस मौके पर शहरों में दुकानें सजीं, पटाखे छोड़े, रोशनी हुई, आतिशबाजी हुई, शोर-गुल हुआ, मिठाई और पकवान बने। दीपावली का यह एक पहलू है। दिवाली का दूसरा पहलू है गाय, बैल, भैंस और जानवरों को सजाया जाता है, कृषि औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है, जब खरीफ की फसलों की कटाई होती है। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश में इस समय धान कटाई हो रही है। धान, ज्वार, मक्का घर में आ जाता है। आज इसी पर बात करना चाहूंगा, जिससे हम त्योहारों को उनकी समग्रता में समझ सकें।

इसी संदर्भ में मुझे याद आ रही है, हमारे गांव की याद, जो हमेशा ही स्मृति में बना रहता है, बल्कि साथ-साथ चलता है। जब मुझे शहरों और महानगरों में दीपावली देखने-समझने का मौका मिला तो उसमें बाजार हावी दिखा, औद्योगिक सभ्यता हावी दिखी। यह भागती हुई सभ्यता है। यहां खुशियां मनाई जाती हैं, पटाखे छोड़े जाते हैं, रोशनियां बिखेरी जाती हैं, लेकिन इसमें भाईचारा नहीं दिखता। दूसरी दिवाली हमारी गांव की थी, जिसमें ठहरी हुई कृषि सभ्यता थी। वह ठहरी दिखाई देती है, पर है वही टिकाऊ। मिट्टी के दीये जलाए जाते थे, गाय-बैल और खेती के औजारों की पूजा होती थी। मड़ई मेला होता था। जहां गांव और आसपास के लोग मिलते-जुलते थे। भाईचारा और उत्साह का माहौल होता था।

यहां मैं एक मड़ई मेला की याद करना चाहूंगा, जहां मैं अक्सर जाया करता था। वह है नर्मदापुरम जिले के एक आदिवासी इलाके के मटकुली गांव की मड़ई मेले की। पिछले वर्ष वहां के मेले में गया था। वहां हम अपने मित्र से गांव और कृषि संस्कृति की बातें कर रहे थे। वे बता रहे थे कि पहले गांव में पैसा (मुद्रा) का ज्यादा चलन नहीं था, वस्तु विनिमय था। अगर सब्जी लेना है तो अनाज के बदले सब्जी ली जाती थी।

गांव एक तरह से स्वावलंबी हुआ करते थे। वहां कई तरह की जातियां होती थी। वहां कुछ लोग खेती के औजार बनाते थे। किसानों के हल-बक्खर, हंसिया, कुल्हाड़ी इत्यादि। कुछ लकड़ी का सामान बनाते थे। किसान खेतों में अनाज उगाते थे, जो काम करवाते थे उसके बदले उनको अनाज मिलता था। वहां मिट्टी के दीये बनाए जाते थे। दीपावली में चाहे कितनी ही बल्बों की रोशनी हो, दीयों के बिना दिवाली नहीं होती। लक्ष्मी जी की मूर्तियां भी मिट्टी से बनती हैं।

बातचीत करते हुए हमने मेले का एक चक्कर लगाया। मड़ई मेले में मिठाईयों की दुकान में रंग-बिरंगी बरफी, गुड़ की जलेबी, नमकीन, खोए के लड्डू बिक रहे थे। मड़ई में सिंघाड़े, पीठे, रतालू, फुटाने (भुने चने), मूंगफली बिक रही थीं। मेरा ध्यान कागज की फिरकनी (चकरी) ने खींचा। पहले हम लोग खुद ही कागज से बना लिया करते थे। गांगो माई और चंडी देवी की मड़िया में पूजन हो रहा था। ढालें गाजे-बाजे और देवताओं के साथ आ रही थी। उनके पीछे लोगों का हुजूम चल रहा था। हमने सिंघाड़े लिए, रतालू चखे और मटकुली के प्रसिद्ध बड़ों का स्वाद लिया।

इस सब के बीच मैं याद कर रहा था, अपने बचपन को जब मेले में झूला, हिंडोलना आते थे। गन्ने बिकते थे, नृत्य होता था। जाम, सिंघाड़े, पेड़े, भुने चना, लाई, राजगीर और तिल के लड्डू बिकते थे। यह सब छोटी-छोटी दुकानें टोकरियों में सजाकर लगती थीं। छत्तीसगढ़ में तो कला-संस्कृति रची-बसी है। यहां दिवाली बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार है। इस मौके पर दूर-दूर से लोग उनके गांव आते हैं। त्योहार की खुशी के मौके पर परिवारजनों के साथ होते हैं। घरों की साफ-सफाई, रंग-रोगन किया जाता है। यहां दिवाली खेती-किसानी, पशुधन, लोक संस्कृति सभी से जुड़ी है। लक्ष्मी पूजन होता है। यहां राम से जुड़ा रिश्ता दिवाली को खास बनाता है।

दिवाली के बाद राउत नाचा का सिलसिला शुरू हो जाता है। पारंपरिक वेश-भूषा में यह नाचा बहुत ही आकर्षक होता है। इसमें महिला- पुरूष दोनों मिलकर नाचते हैं। इस बार मुझे इसे देखने का मौका मिला। यहां भी अब गांव-गांव में मड़ई मेले होंगे। लेकिन आज खेती और किसानों की कई समस्याएं हैं।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

अमेरिका-कनाडा में भी छाई छठ की अद्भुत छटा

विदेशी धरती पर महापर्व मनाने को जुट रहे श्रद्धालु



वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी मिट्टी से हजारों मील दूर भी प्रवासी भारतीयों के लिए छठ की आस्था कम नहीं हुई है। ूस्टन के पास मंदिर का तालाब हो, कैलिफोर्निया की झील हो या वाशिंगटन के वर्जीनिया उपनगर में पोटोमैक नदी का किनारा, हर जगह प्रवासी परिवार पूरे मनोयोग से महापर्व मनाने के लिए जुट रहे हैं। ये ठिकाने अब उनके लिए नए छठ घाट बन गए हैं, जहां वे अपनी परंपरा को जीवित रखे हुए हैं और अस्ताचलगामी और उदयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर रहे हैं।

पूरे अमेरिका और कनाडा में ये महापर्व बच्चों और बड़ों को एक सूत्र में बांध रहा है। भले ही यह आयोजन उत्तरी अमेरिका में हो रहा है, लेकिन आयोजकों के निमंत्रण में एक साझा भावना झलकती है। सोच एक ही है कि अपनी परंपराओं और संस्कृति को सहेजा जाए और बड़े मान से अगली पीढ़ी को सौंप दिया जाए।

ूस्टन के पास, रोसेनबर्ग के जगन्नाथ हिंदू मंदिर का तालाब एक सामुदायिक प्रयास का केंद्र बन गया है, जिसमें कई परिवार, दानदाता और स्वयंसेवक शामिल हैं। आयोजकों का कहना है कि छह वैज्ञानिकों ने इस आयोजन में शामिल होने वाले परिवारों के लिए भोजन का पूरा प्रबंध किया है, उसे पका रहे हैं और परोस रहे हैं। अन्य स्वयंसेवक आयोजन स्थल की व्यवस्था, पार्किंग, साफ-सफाई और लोगों के स्वागत में मदद कर रहे हैं। निमंत्रण में लिखा हैः ह उन सभी परिवारों के लिए खुला है जो इस त्योहार को मनाते हैं।

पूजा-पाठ से जुड़ी तैयारियां भी इस आयोजन का ही हिस्सा हैं। पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) से आयोजकों को भोजन और तालाब के किनारे जगह की व्यवस्था करने में मदद मिलती है, जबकि परिवार उन कामों में मदद करने के लिए अपना नाम दे सकते हैं, जिनसे एक सामुदायिक आयोजन संभव हो पाता है।

नेशनल कैपिटल रीजन (राजधानी क्षेत्र) में, समुदाय के लोग पिछले दो दशकों से वर्जीनिया में पोटोमैक नदी के किनारे छठ मना रहे हैं। इसकी शुरूआत 2006 में हुई थी, जब कृपा शंकर सिंह और उनकी पत्नी अनीता ने इस त्योहार को मनाने के लिए एक जगह की तलाश की थी।

अनीता सिंह ने कहा, 'यह एक विदेशी धरती पर अपनी संस्कृति को जीवित रखने का हमारा प्रयास है। उन्होंने बताया कि जो शुरूआत कभी सिर्फ एक परिवार के स्तर पर हुई थी, उसमें अब हर साल दूर-दूर से समुदाय के सैकड़ों लोग शामिल होते हैं।

न्यू जर्सी में, 'बिहार-झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका' ने परिवारों को भेजे अपने निमंत्रण में कुछ ऐसा ही उद्देश्य झलकता है। इसमें लोगों से कहा गया है, 'हमारी परंपराओं को जीवित रखने में मदद करें; भले ही हम घर से दूर हैं, लेकिन एक-दूसरे से कभी अलग नहीं हैं।

इस निमंत्रण में व्रत रखने वालों के साथ-साथ उनका समर्थन करने आने वालों का भी स्वागत किया गया है। भक्तों के साथ-साथ उनके रिश्तेदार और दोस्त भी इसमें शामिल होते हैं, जिससे यह आयोजन एक सामूहिक सामुदायिक उत्सव बन जाता है।

वेस्ट कोस्ट (पश्चिमी तट) पर, सिलिकॉन वैली के पास फ्रेमोंट में 'क्वेरी लेक्स छठ' द्वारा एक आयोजन किया जा रहा है। इसके पंजीकरण पेज पर शाम की पूजा और अर्घ्य की व्यवस्था के साथ-साथ सार्वजनिक मनोरंजन स्थल के इस्तेमाल से जुड़ी जरूरी चीजों, जैसे कि एडवांस पार्किंग पास, का भी इंतजाम है। थोड़ा और दक्षिण की ओर, 'बिहार झारखंड बंधु एसोसिएशन' परिवारों को रैंचो सांता मार्गरीटा के 'ओसो लेक स्काउट कैंप' में इकट्ठा कर रहा है।

यहां व्रतियों के साथ-साथ बच्चों, दोस्तों और स्वयंसेवकों को भी आमंत्रित किया गया है। यह समूह झील के किनारे होने वाले इस आयोजन को परिवारों के लिए एक ऐसे अवसर के रूप में देखता है, जहां वे प्राकृतिक माहौल में एक साथ मिलकर त्योहार मना सकते हैं। इनके निमंत्रण में सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने पर जोर दिया गया है। आयोजन मैरीलैंड (वाशिंगटन-बाल्टीमोर क्षेत्र) के हिंदू बुद्ध मंदिर और जॉर्जिया के शुगर हिल स्थित अटलांटा के शिव मंदिर में भी हो रहे हैं। सिएटल के पास बोथेल स्थित हिंदू टेंपल एंड कल्चरल सेंटर' में सामूहिक छठ पूजा के लिए रजिस्ट्रेशन चल रहे हैं। कनाडा के ओंटारियो में ओकविले स्थित वैष्णो देवी मंदिर में, त्योहार की तैयारियों के तहत सामूहिक भोजन (प्रसाद) की व्यवस्था एक मुख्य हिस्सा है। 'बिहार एंड झारखंड एसोसिएशन ऑफ कनाडा' का कहना है कि दान और प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) की मदद से तीन दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भोजन, पूजा और प्रसाद पूरी तरह से निःशुल्क होंगे।

ऑस्ट्रेलिया: दो सड़क हादसों में चार की मौत और तीन घायल

सिडनी, एजेंसी। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) में दो अलग-अलग कार हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

एनएसडब्ल्यू पुलिस बल ने रविवार को बताया कि पहला हादसा शनिवार शाम 7 बजे (स्थानीय समय) से कुछ देर पहले हुआ, जब सिडनी से 100 किमी दक्षिण-पश्चिम में स्थित अवोका नामक छोटे से कस्बे में दो गाड़ियां आपस में टकरा गईं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एक गाड़ी में सवार दोनों लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। वहीं, दूसरी गाड़ी की 64 वर्षीय महिला ड्राइवर और उनके साथ सवार 65 वर्षीय व्यक्ति को एम्बुलेंस पैरामेडिक्स ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया और गंभीर हालत में अस्पताल ले गए।

इसके कुछ घंटों बाद, रात 10:30 बजे एनएसडब्ल्यू के सुदूर उत्तरी इलाके में, क्वींसलैंड सीमा के पास एक गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। वहां पहुंचने पर पता चला कि एक गाड़ी सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई थी।

गाड़ी में सवार दो लोगों की हालत गंभीर थी। एम्बुलेंस टीम के पहुंचने से पहले पुलिस ने मदद की कोशिश की, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों की उम्र 20 साल के करीब थी।

तीसरे व्यक्ति की उम्र भी 20 के आसपास है, और उसे गंभीर लेकिन स्थिर हालत में क्वींसलैंड के एक अस्पताल में ले जाया गया।

पुलिस ने दोनों दुर्घटना स्थलों को सील कर दिया और हादसों की वजह की जांच शुरू कर दी है।

गुजरे हफ्ते 9 नवंबर को, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में एक और दर्दनाक हादसा हुआ था। एक कार के मेडिकल सेंटर में घुस जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक महिला गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती कराई गई थी।

मुंबई के सीएसएमटी रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट



मुंबई, एजेंसी। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) रेलवे स्टेशन पर बम रखे जाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। धमकी की सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने रेलवे स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजकर 50 मिनट पर पुलिस कंट्रोल रूम को डायल 112 के जरिए एक धमकी भरा फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 9420112655 से फोन कर सीएसएमटी रेलवे स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना दी और स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी।

धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। डॉग स्क्वॉड और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। इसके बाद पूरे रेलवे स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई।

शनिवार रात 9 बजकर 30 मिनट पर तलाशी अभियान पूरा हुआ। हालांकि, इस दौरान कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली।

रेलवे पुलिस ने इस घटना की जानकारी मुख्य नियंत्रण कक्ष को दे दी है। फिलहाल पुलिस धमकी भरा फोन करने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसे पकड़ने में जुटी है। मामले की जांच जारी है। स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए हैं। वहीं, इससे पहले 12 नवंबर को बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) कार्यालय और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला था। पुलिस के अनुसार, सुबह 9 बजे दोनों संस्थानों के आधिकारिक मेल पर एक ही पैटर्न का धमकी भरा ईमेल आया था। ईमेल मिलते ही संबंधित विभागों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने पुष्टि की है कि यह एक फर्जी ईमेल था। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर ईमेल के सोर्स की जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से आईपी एड्रेस को ट्रेस किया जा रहा है।

रूस दौरे पर किम जोंग उन के करीबी सहयोगी

सोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक माने जाने वाले उत्तर कोरियाई अधिकारी रूस दौरे पर हैं। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को सैन्य मदद देने के बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते काफी सहज हुए हैं।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी के हवाले से योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति के सचिव, जो योंग-वोन शनिवार को एक निजी विमान से मास्को पहुंचे। वे पार्टी और सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया और रूसी संघ के बीच की गहरी दोस्ती और गठबंधन दिन-ब-दिन और मजबूत होते जा रहे हैं।



इस प्रतिनिधिमंडल को रूस की सत्ताधारी यूनाइटेड रशिया पार्टी के अध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने आमंत्रित किया था। हवाई अड्डे पर उनका स्वागत पार्टी की सर्वोच्च परिषद के सदस्य और रूस की संसद (स्टेट ड्यूमा) की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समिति के पहले उपाध्यक्ष आंद्रेई क्लिमोव, तथा मास्को में उत्तर कोरिया के राजदूत सिन होंग-चोल ने किया।

इस साल किम के मास्को दौरे की अटकलें तब शुरू हुईं, जब जुलाई में उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री ने रूस का अचानक दौरा किया। जो योंग-वोन का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब इस सप्ताह चीन के शेन्जेन में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात होने वाली है।

ट्रंप अगले सप्ताह अपनी एशिया यात्रा के दौरान चीन और रूस के नेताओं के साथ परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को इस त्रिपक्षीय बैठक से किसी समझौते के निकलने की उम्मीद नहीं है।

व्हाइट हाउस की सहायक प्रेस सचिव ओलिविया वेल्स ने फिलीपींस और चीन की प्रस्तावित यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ट्रंप की चीन यात्रा का समापन इसी बैठक के साथ होगा।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने इन प्रस्तावित वार्ताओं को परमाणु हथियारों में कटौती पर बातचीत की शुरूआत बताया, न कि ऐसी बातचीत जिससे तुरंत कोई समझौता हो सके।

नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, हमें किसी तरह के समझौते की उम्मीद नहीं है। अधिकारी ने बताया कि ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में ईरान के मुद्दे पर चर्चा हो सकती है, लेकिन यूक्रेन के मुद्दे के एजेंडे में शामिल होने की संभावना नहीं है।

कंबोडियाई प्रधानमंत्री ने यूनेस्को के सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों की प्रशंसा की

नोम पेन्ह, एजेंसी। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने कंबोडिया की मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा और संरक्षण के लिए यूनेस्को की ओर से मिल रही मदद और योगदान की सराहना की है। उन्होंने इसे मानवता के लिए एक बहुमूल्य बताया है।

प्रधानमंत्री प्रवक्ता कार्यालय ने एक बयान जारी किया, जिसके मुताबिक हुन मानेत ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को नोम पेन्ह के पीस पैलेस में यूनेस्को के महानिदेशक खालिद अल-एननी के साथ एक बैठक के दौरान ये बातें कहीं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत समावेशी और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक का काम करती है।

इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विरासत की सुरक्षा का मतलब केवल भौतिक संरचनाओं, पूर्वजों की विरासतों और राष्ट्रीय आत्मा को बचाना ही नहीं है, बल्कि इसमें युवा पीढ़ियों को शिक्षित और प्रेरित करना भी शामिल है, ताकि वे भविष्य की नींव के रूप में अपने देश की संस्कृति, सभ्यता और इतिहास से जुड़ सकें। साथ ही, हुन मानेत ने शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व को रेखांकित किया, जो सांस्कृतिक संरक्षण और निरंतर सामाजिक-आर्थिक विकास, दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक दस्तावेजों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देकर संरक्षण कार्यों, ऐतिहासिक रिकॉर्ड को सहेजने और राष्ट्रीय पहचान को प्राथमिकता दी है, जिससे ये दस्तावेज छात्रों और शोधकताओं के लिए ज्ञान के सुलभ स्त्रोत बन सकें। बयान के अनुसार, अल-एननी ने संस्कृति, शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्रों में कंबोडिया और यूनेस्को के बीच मजबूत संबंधों और सहयोग की सराहना की।

छठः जब परदेस की भागदौड़ थम जाती है और मां का आंगन पुकारता है

शहर की किसी ऊंची इमारत की बालकनी में खड़ा एक युवक मोबाइल की स्क्रीन पर बार-बार ट्रेन की वेटिंग लिस्ट रिफ्रेश कर रहा है। उधर, सैकड़ों किलोमीटर दूर गांव की चौखट पर बैठी एक बूढ़ी मां हर आहट पर दरवाजे की ओर देख रही है। दीपावली बीतते ही बिहार और पूर्वांचल की हवा में कुछ बदलने लगता है। यह बदलाव कैलेंडर की तारीखों से नहीं, बल्कि उन धड़कनों से महसूस होता है, जो घर लौटने को बेताब हैं।

छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने की एक जीवंत यात्रा है। जैसे ही कानों में शारदा सिन्हा के गीत– कांच ही बांस के बहंगिया... गूंजते हैं, दिल्ली, मुंबई, सूरत या बेंगलुरु की फैक्ट्रियों और दफ्तरों में काम करने वाले हर बिहारी और पूर्वांचली के भीतर एक मीठी सी टीस उठने लगती है।



घर पहुंचते ही सबसे पहले जो चीज मन को छूती है, वह है चारों तरफ फैली अद्भुत स्वच्छता और पवित्रता। छठ में सफाई महज एक रस्म नहीं, बल्कि इस पर्व की आत्मा और जीवन जीने का सलीका है। घर के कोने-कोने से लेकर गांव की गलियों और नदी-तालाब के घाटों तक को लोग ऐसे बुहारते और धोते हैं, मानो साक्षात ईश्वर का स्वागत करना हो। गेहूं को चुन-चुनकर धोने और धूप में सुखाने से लेकर, मिट्टी के नए चूल्हे पर बिना लहसुन-प्याज के शुद्ध प्रसाद और ठेकुआ बनाने तक–हर काम में ऐसी निष्ठा दिखती है कि मन अपने आप शांत और पवित्र हो जाता है। यही स्वच्छता इस महापर्व की गरिमा को सबसे ऊंचा बनाती है और हमें सिखाती है कि जहां सफाई और शुद्धता होती है, वहीं ईश्वर का वास होता है।

आंगन से जब ठेकुआ तलने की सोंधी खुशबू उठती है, तो लगता है मानो पूरा मुहल्ला और गांव एक ही परिवार बन गया है। कोई पड़ोसी सूप सजाने में हाथ बंटा रहा है, तो कोई युवा टोली घाट की सीढ़ियों को चमकाने में जुटी है। घाट पर न किसी के बड़े ओहदे का गुमान है और न ही किसी की गरीबी की झिझक।

घुटने भर निर्मल पानी में खड़े होकर जब सब एक साथ हाथ जोड़ते हैं, तो मन का सारा मैल और हर भेदभाव बह जाता है। छठ की सबसे अनूठी बात इसका जीवन दर्शन है। दुनिया उगते सूरज को सलाम करती है, लेकिन यह हमारी माटी के संस्कार हैं जो पहले डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर यह सिखाते हैं कि ढलते वक्त का भी उतना ही सम्मान होना चाहिए। जब परदेस से थका-हारा बेटा दरवाजे पर दस्तक देता है, तो मां की झुर्रियों भरी आंखों में जो चमक आती है, वही असली छठ है। नई पीढ़ी के बच्चों के लिए भी यह वह पाठशाला है, जहां वे सीखते हैं कि घर सिर्फ ईंट-पत्थर का मकान नहीं, बल्कि अपनों का साथ, मन की शुद्धता और अपनी मिट्टी की खुशबू है।

शायद इसीलिए, इंसान दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, छठ का बुलावा वह कभी टाल नहीं पाता। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हमारी असली ताकत हमारी सादगी, स्वच्छता, एकता और अपनी माटी से जुड़ाव में ही बसती है।

एक नजर

मुंबई के कारोबारी से डी-कंपनी के नाम पर मांगी गई 5 करोड़ की फिरौती

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में एक कारोबारी से डी कंपनी के नाम पर 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। कारोबारी मोहम्मद फारूक मोहम्मद हनीफ शेख ने इस मामले में मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम) को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। शिकायत में बिल्डर रिजवी की पत्नी रुबीना रिजवी और गुंडे रियाज भाटी पर आरोप लगाए गए हैं। कारोबारी का आरोप है कि रुबीना रिजवी ने उनसे वकील की फीस और रिजवी के एंटीसिपेटरी बेल मामले में एनओसी को लेकर संपर्क किया था। कारोबारी ने रिजवी का मामला अपने परिचित एडवोकेट को सौंपा था। आरोप है कि वकील ने हाईकोर्ट से अंतरिम राहत दिलवाई लेकिन तय फीस का भुगतान नहीं किया गया। कारोबारी के मुताबिक, 19 सितंबर को रुबीना ने उन्हें खार स्थित अपने घर बुलाया था। इसके बाद 25 सितंबर को दोबारा एनओसी मांगने के लिए संपर्क किया। इसी दौरान फीस को लेकर विवाद हुआ। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद रुबीना ने 4 से 5 लोगों को एडवोकेट के फोर्ट स्थित ऑफिस भेजा। कारोबारी ने इन लोगों को गुंडा बताते हुए आरोप लगाया है कि उन्होंने वकील को धमकाया और रिजवी के मामले में एनओसी देने का दबाव बनाया। कारोबारी की शिकायत के मुताबिक, 27 सितंबर को रियाज भाटी नाम का शख्स उनके फोर्ट स्थित होटल हेवन पहुंचा, उसने खुद को डी कंपनी का सदस्य बताया और कहा कि रुबीना ने उसे उनसे बात करने के लिए भेजा है। आरोप है कि रियाज भाटी ने कारोबारी को धमकी देते हुए कहा कि अगर रिजवी के मामले में एनओसी नहीं दी गई तो उन्हें गोली मार दी जाएगी। इसके बाद उसने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की मांग की और कहा कि पैसे देने पर वह पूरा मामला खत्म कर देगा, वरना जान से हाथ धोना पड़ेगा।

मुंबई में फिर महंगी हुई सीएनजी, 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़े दाम; 91.50 रुपये पहुंची कीमत

मुंबई, एजेंसी। मुंबई और आसपास के महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रहने वाले लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद मुंबई में सीएनजी का खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नई दरें शनिवार आधी रात से लागू कर दी गई हैं।

एमजीएल की ओर से इस साल सीएनजी की कीमतों में की गई यह आठवीं बढ़ोतरी है। कंपनी ने इससे पहले 1 नवंबर को भी सीएनजी के दाम में एक रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था। इस तरह पिछले 15 दिनों में ही गैस की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, पिछले 75 दिनों के दौरान सीएनजी कुल 5.50 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 से लेकर अब तक मुंबई में सीएनजी की कीमतों में कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हो चुकी है। इस अवधि में गैस के दाम करीब 14 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी संकट को भी एक प्रमुख वजह बताया जा रहा है। इस संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं, घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस की कम उपलब्धता और आयातित गैस की ऊंची कीमतों के चलते कंपनियों की खरीद लागत में इजाफा हुआ है। इसी वजह से गैस की कीमतों पर दबाव बढ़ा है।

आंध्र प्रदेश में एक और भीषण चक्रवाती तूफान का खतरा, 17 नवंबर को टकराने की संभावना

विशाखापत्तनम, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि 17 नवंबर को आंध्र प्रदेश के तट से एक और भीषण चक्रवाती तूफान टकरा सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र अब और गहरा होकर गहरे निम्न दबाव में बदला है। आईएमडी के अनुसार, रविवार (15 नवंबर) सुबह 5.30 बजे यह दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था। यह श्री विजय पुरम (पोर्ट ब्लेयर, अंडमान द्वीप) से लगभग 700 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, चेन्नई (तमिलनाडु) से 860 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व, विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) से 1040 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और गोपालपुर (ओडिशा) से 1160 किमी दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में स्थित था। मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार सुबह जारी एक बुलेटिन में बताया कि इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने की प्रबल संभावना है।

16 नवंबर तक यह दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान का रूप ले लेगा और 17 नवंबर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक 'भीषण चक्रवाती तूफान' में बदल जाएगा। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि यह भीषण चक्रवाती तूफान उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों के करीब पहुंच सकता है। प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक और रियल-टाइम गवर्नेंस सोसाइटी (आरटीजीएस) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रखर जैन ने बताया कि इसके प्रभाव से गुरुवार और शुक्रवार को उत्तरी आंध्र प्रदेश में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है। उन्होंने आम जनता और किसानों को जरूरी एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है।

बंगाल की खाड़ी का सिस्टम तेज होकर चक्रवात में बदलने की आशंका, मछुआरों को वापस लौटने की चेतावनी

चेन्नई, एजेंसी। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी का सिस्टम तेज होकर चक्रवात में बदलने की आशंका जताई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना एक मौसमी सिस्टम सोमवार शाम तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और बाद में यह एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसे देखते हुए मछुआरों को किनारे पर लौटने की सलाह दी गई है। 18 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में तेज हवाएं चल सकती हैं। इस बीच, भारतीय तटरक्षक बल की ओर से कहा गया है कि जान-माल की सुरक्षा के लिए जहाज और हवाई जहाज बचाव अभियान के लिए तैयार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में बना लो-प्रेशर एरिया रविवार को मजबूत होकर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ सकता है। इसके सोमवार शाम तक बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व के बीच के हिस्सों में एक चक्रवाती तूफान में बदलने की उम्मीद है। विभाग ने सिस्टम के साइक्लोनिक तूफान की ताकत तक पहुंचने के बाद इसके और तेज होने की आशंका का संकेत दिया है। इसका अनुमान बताता है कि जैसे-जैसे मौसम का सिस्टम समुद्र के ऊपर मजबूत होगा, एक गंभीर चक्रवाती तूफान बन सकता है। इसे देखते हुए तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में बारिश और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में तेज हवाएं चलने की बात कही गई है। तमिलनाडु में रविवार और सोमवार को पश्चिमी घाट से सटे जिलों और राज्य के दक्षिणी हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। प्रादेशिक मौसम केंद्र ने कहा कि चेन्नई में रविवार को हल्की बारिश हो सकती है।

शी और पुतिन से परमाणु हथियारों में कटौती पर बात करना चाहते हैं ट्रंप



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते प्रस्तावित एशिया यात्रा के दौरान चीनी और रूसी समकक्षों के साथ परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों को इस त्रिपक्षीय बैठक से किसी समझौते के निकलने की उम्मीद नहीं है।

व्हाइट हाउस की सहायक प्रेस सचिव ओलिविया वेल्स ने फिलीपींस और चीन की प्रस्तावित यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चीन की यात्रा के समापन पर यह बैठक होगी।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस बातचीत का मकसद तुरंत कोई समझौता करना नहीं है, बल्कि यह परमाणु हथियारों के जखीरे को कम करने की दिशा में एक शुरूआती चर्चा है।

नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, हमें किसी तरह के समझौते की उम्मीद नहीं है।

अधिकारी के अनुसार, ट्रंप की योजना चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में ईरान के मुद्दे पर चर्चा करने की है, लेकिन यूक्रेन के इस एजेंडे में शामिल होने की संभावना नहीं है। यूक्रेन को लेकर रूस के साथ बातचीत अलग से चल रही है।

अधिकारी ने आगे बताया कि ट्रंप और पुतिन के बीच कोई द्विपक्षीय बैठक तय नहीं है, हालांकि वे अन्य कार्यक्रमों में एक साथ मौजूद रहेंगे।

परमाणु हथियारों पर यह चर्चा ट्रंप के उस दौरे का हिस्सा है, जिसमें क्षेत्रीय कूटनीति के साथ-साथ मौजूदा व्यापार समझौतों को लागू करने के प्रयास भी शामिल हैं। वेल्स ने बताया कि ट्रंप सोमवार सुबह वाशिंगटन से रवाना होंगे और स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम मनीला पहुंचेंगे।

फिलीपींस में, उनके क्वाड नेताओं से मिलने, थाईलैंड के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने और यूएस-आसियान विशेष शिखर सम्मेलन में भाग लेने का कार्यक्रम है। बुधवार के लिए एक राजकीय स्वागत समारोह, फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक और एक भोज (बैंक्वेट) की योजना है।

इसके बाद ट्रम्प एपेक नेताओं के रात्रिभोज के लिए शेन्जेन जाएंगे। वेल्स ने बताया कि गुरुवार को एपेक नेताओं के साथ बैठकें होंगी, और शी जिनपिंग के साथ एक द्विपक्षीय बैठक तथा वर्किंग लंच का कार्यक्रम तय है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर, चीन के साथ चर्चा का मुख्य जोर नए टैरिफ समझौते की घोषणा करने के बजाय मौजूदा समझौतों को लागू करने पर होगा।

अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों ने उसी दिन बोर्ड ऑफ ट्रेड के माध्यम से अपने चीनी समकक्षों के साथ मुलाकात की थी। उनकी बातचीत में टैरिफ में संभावित बदलावों और उन गैर-टैरिफ बाधाओं पर चर्चा हुई, जो किसी समझौते के महत्व को कम कर सकती हैं।

अधिकारी ने कहा कि रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) और उनसे जुड़े उत्पादों की चीन से होने वाली आपूर्ति की गति और मात्रा से वाशिंगटन अभी भी असंतुष्ट है। इसी चिंता के कारण बुसान समझौते को छह महीने के बजाय केवल दो महीने का विस्तार दिया गया। अधिकारी ने बताया कि ट्रंप, शी (जिनपिंग) के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं।

अधिकारी के अनुसार, टैरिफ में किसी भी बदलाव के लिए अलग कानूनी प्रक्रियाओं की आवश्यकता होगी। इसमें अमेरिकी कानूनी जरूरतों पर विचार करना और संभवतः नोटिस-एंड-कमेंट (राय जानने के लिए नोटिस जारी करने) की प्रक्रिया शामिल हो सकती है। नेताओं की बैठक के दौरान बोर्ड ऑफ ट्रेड से जुड़ी किसी घोषणा की उम्मीद नहीं है।

अमेरिकी अधिकारियों ने यह भी कहा कि अमेरिकी निर्यात नियंत्रण राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामले हैं और इन पर चीन के साथ कोई बातचीत नहीं की जा रही है। जिन उपायों पर विचार किया जा रहा है, उनमें कथित चिप तस्करी को रोकने के लिए अन्य देशों पर भी लाइसेंसिंग की शर्तें लागू करना और रिमोट एक्सेस पर प्रतिबंधों की समीक्षा करना शामिल है।

ये उपाय अभी केवल विचाराधीन हैं; इन्हें आधिकारिक नीतिगत बदलाव के रूप में घोषित नहीं किया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि एलन मस्क चीन यात्रा के कुछ हिस्सों में ट्रंप के साथ रह सकते हैं, लेकिन वे शी के साथ होने वाली द्विपक्षीय बैठक या शी और पुतिन के साथ होने वाली त्रिपक्षीय बातचीत में शामिल नहीं होंगे। इन बैठकों में केवल अधिकारी ही हिस्सा लेंगे।

व्हाइट हाउस ने बताया कि सितंबर में ट्रंप और शी के बीच हुई बैठक से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बोर्डों से जुड़े काम को आगे बढ़ाने में मदद मिली।

हूती ने सऊदी हवाई अड्डे और तेल पाइपलाइन पर हमलों का दावा किया

सना, एजेंसी। यमन के हूती समूह ने कहा है कि उसने सऊदी अरब में एक प्रमुख हवाई अड्डे और तेल क्षेत्रों पर नए ड्रोन हमले किए हैं। हूती-संचालित अल-मसीराह टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इसके साथ ही यमन और दक्षिणी सऊदी अरब में सऊदी-समर्थित सैन्य ठिकानों पर भी कई हमले किए गए हैं।

शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को आई एक रिपोर्ट में हूती सैन्य प्रवक्ता याा सरिया के हवाले से कहा गया है कि एक ड्रोन ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया, जबकि दो अन्य ड्रोन ने शहर के पूर्व में ईस्ट-वेस्ट ऑयल पाइपलाइन के पास स्थित पंपिंग स्टेशन नंबर 3 पर हमला किया।

उन्होंने दावा किया कि दोनों अभियानों में अपने लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं। एक अन्य रिपोर्ट में, सरिया ने बताया कि दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी जाजान क्षेत्र के अल-तुवाल इलाके में सऊदी बलों के जमावड़े को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि इसमें दर्जनों सैनिक मारे गए या घायल हुए, जिनमें सूडानी नागरिक भी शामिल हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने आगे बताया कि बैलिस्टिक मिसाइलों से उत्तरी यमन के पूर्वी अल-जौफ प्रांत में, और दक्षिणी लाहज प्रांत के खराज तथा खोर उमैराह इलाकों में सऊदी-समर्थित सैनिकों के जमावड़ों को निशाना बनाया गया। दावा किया कि मिसाइलों का निशाना सटीक था, जिससे काफी नुकसान हुआ और कई लोग हताहत हुए।

अल-मसीराह टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सरिया ने यह भी दावा किया कि यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन स्थित रास अबास सैन्य अड्डे पर, बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों से सऊदी हथियारों के गोदामों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका में उड़ानों पर लगे प्रतिबंधों में दी गई ढील

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में तकनीकी और संचार प्रणालियों के फिर से चालू होने के बाद, विमानन अधिकारियों ने उड़ानों पर लगी पाबंदियों में ढील देना शुरू कर दिया है।

इससे पहले, संचार प्रणाली में खराबी आने के कारण फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने पूरे देश के हवाई अड्डों पर विमानों के उड़ान भरने पर रोक लगा दी थी।

अमेरिकन एयरलाइंस ने बताया कि ग्राउंड स्टॉप (उड़ान रोकने का आदेश) पाबंदी में ढील दी गई है। कुछ हवाई अड्डों पर कुछ उड़ानों को रवाना होने की मंजूरी मिलनी शुरू हो गई है। एयरलाइंस के अनुसार, ज्यादातर उड़ानें अभी भी रुकी हुई हैं और आगे भी उड़ानों में रुकावट आने या उनके रद्द होने की संभावना है।

इससे पहले विमानन मामलों के पत्रकार जॉन ओस्ट्रोवर ने बताया कि एयरलाइंस से जुड़े कई सूत्रों को उम्मीद है कि पूरे देश में लागू यह ग्राउंड स्टॉप जल्द ही हटा लिया जाएगा।



एयर इंडिया ने अमेरिका आने-जाने वाली उड़ानों में रुकावट की चेतावनी दी और यात्रियों को सलाह दी कि वे हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति (स्टेटस) जरूर जांच लें।

एयरलाइंस ने एक ट्रैवल एडवाइजरी में कहा, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ानों का ताजा स्टेटस चेक कर लें और उसी के अनुसार हवाई अड्डे के लिए अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

एफएए के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम कमांड सेंटर ने एक ऑपरेशन प्लान में बताया कि देश के बड़े हिस्से में पाबंदियां अभी भी लागू हैं, हालांकि कुछ तटीय हवाई अड्डों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रवाना होने की अनुमति मिल गई है।

इस प्लान में ईस्टर्न टाइम के अनुसार रात 11 बजे तक लागू रहने वाली पाबंदियों का जिक्र किया गया है।

दोपहर में अमेरिकी हवाई अड्डों पर उड़ानों को रोकने के आदेश के बाद, अब आंशिक रूप से परिचालन फिर से शुरू हुआ है। एफएए की पहली एडवाइजरी दोपहर 3:54 बजे (ईस्टर्न टाइम के अनुसार) जारी की गई थी, जबकि यह घटना दोपहर 3:53 बजे शुरू हुई थी। बाद में जारी एक एडवाइजरी में बताया गया कि इसका कारण संचार प्रणाली में आई खराबी थी।

होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुल्लिन ने पत्रकारों को बताया कि एफएए को प्रभावित करने वाली दूरसंचार खराबी (टेलीकम्युनिकेशन आउटेज) के बाद, अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर यह कदम उठाया था।

उन्होंने कहा, अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि यह कोई दुर्भावनापूर्ण हमला था।

मुलिन ने बताया कि जांचकर्ता इस खराबी के कारणों का पता लगा रहे हैं। फिलहाल, संचार प्रणाली को बहाल करना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

अमेरिकन एयरलाइंस ने कहा कि जो विमान पहले से ही हवा में हैं, वे अपने गंतव्य तक जा सकते हैं। एफएए के शुरूआती आदेश में कहा गया था कि अमेरिका आने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अलग-अलग मामलों के आधार पर नियंत्रित किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र ने यमन में नागरिकों पर ड्रोन हमलों को लेकर चिंता जताई

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने यमन हिंसा की वजह से आम लोगों को हो रही दिक्कतों को लेकर चिंता जताई है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि पूरे देश में आम नागरिक और नागरिक बुनियादी ढांचे लगातार ड्रोन, मिसाइल, हवाई हमलों और गोलाबारी की चपेट में आ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अस्पताल, बाजार और लोगों के अपने घर जो कुछ महीने पहले तक सुरक्षित माने जाते थे -अब वहां आम नागरिक मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। इनमें बच्चों की तादाद भी ठीक-ठाक है। हक ने कहा कि यह चिंताजनक चलन यमन संघर्ष की एक स्वीकार्य वास्तविकता नहीं बन जाना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जिम्मेदारियां हर परिस्थिति में सभी पक्षों पर लागू होती हैं।



उप-प्रवक्ता ने कहा, हम इस बात पर फिर जोर देते हैं कि आम नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए हर संभव सावधानी और उपाय किए जाने चाहिए, और नियमों के उल्लंघन के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने मांग की है कि संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारी मोहम्मद इब्राहिम अल-शमी का शव (जिनकी हूती हिरासत में मौत की खबर दो सप्ताह पहले मिली थी) बिना किसी देरी के उनके परिवार को सौंपा जाए।

हक ने बताया, उन्होंने हूती अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे उनकी मौत की तारीख, कारण और परिस्थितियों का पता लगाने के लिए तत्काल कदम उठाएं, और यह सुनिश्चित करें कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए।

उच्चायुक्त ने एक बार फिर मांग की है कि हिरासत में लिए गए संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहायता कर्मियों को तुरंत और बिना किसी शर्त के रिहा किया जाए।

अल-शमी उन लगभग 70 संयुक्त राष्ट्र कर्मियों में शामिल थे जिन्हें हूती ने हिरासत में ले रखा है; इनमें से कुछ 2024 से ही हिरासत में हैं। इससे पहले गुरुवार को, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसके तहत यमन पर लगाए गए प्रतिबंधों–संपत्ति जब्त करने और यात्रा प्रतिबंध–को 14 नवंबर, 2027 तक बढ़ा दिया गया है। शुक्रवार को जारी प्रस्ताव 2837 के अनुसार, प्रतिबंधों को लागू करने में मदद करने वाले विशेषज्ञ पैनल के कार्यकाल को भी 15 दिसंबर, 2027 तक बढ़ा दिया गया है। साथ ही, पैनल से कहा गया है कि वह 15 अक्टूबर, 2027 तक सुरक्षा परिषद को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपे।

एनसीपी के दोनों गुटों का विलय नहीं, सांसद सुप्रिया सुले ने अटकलों को किया खारिज

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को पार्टी के विलय की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि अजित पवार के समय एनसीपी के विलय पर बात हुई थी, लेकिन उनके जाने के बाद पार्टी विलय का मुद्दा खत्म हो चुका है।

एनसीपी-एसपी की सांसद सुप्रिया सुले ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं एक बार और हमेशा के लिए यह साफ कर देना चाहती हूं कि मेरे भाई (अजित पवार) से बातचीत चल रही थी। जब तक अजीत पवार थे, गठबंधन पर चर्चा चल रही थी और तारीख तय थी। जब भाई इस दुनिया से चले गए हैं, उसके बाद से हमारी तरफ से इस विषय पर पूर्णविराम लग गया है।

सुप्रिया सुले ने यह भी स्पष्ट किया कि अजित पवार गुट की तरफ से उन्हें किसी भी प्रकार का मैसेज या मेल पार्टी विलय के संबंध में नहीं आया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे अजित पवार गुट की ओर से कोई कॉल, संदेश या व्हाट्सएप नहीं मिला है। प्रफुल्ल पटेल के साथ हमारे पारिवारिक संबंध हैं और हमारी मुलाकातें होती रहती हैं।

उन्होंने इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर अपनी भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। राजनीति में इस तरह के कयास और चर्चाएं रोज होती रहती हैं। हमारा लोकतंत्र पर पूरा विश्वास है। लेकिन अब विलय को लेकर दोबारा कोई चर्चा नहीं होगी। अजित दादा (अजित पवार) के साथ विलय को लेकर पहले चर्चा जरूर हुई थी और इसकी तारीख भी तय हो गई थी। लेकिन दादा के जाने के बाद विलय पर पूर्णविराम लग गया है।

इन्वेस्टमेंट प्रमोशन कमीशन की पहली बैठक में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और नई औद्योगिक नीति की हुई समीक्षा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु इन्वेस्टमेंट प्रमोशन कमीशन की पहली बैठक में निवेश परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', नई औद्योगिक नीति और निर्यात संवर्धन की समीक्षा की गई। इस बैठक में उद्योग जगत से विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल हुए।

आयोग की पहली बैठक 13 नवंबर को सचिवालय में मुख्य सचिव एमसाई कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान आयोग ने 200 करोड़ रुपए या उससे अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं, 5,000 या उससे अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने वाले प्रोजेक्ट्स, मुक्त व्यापार समझौतों



(एफटीए) के तहत आने वाले निवेशों की प्रगति की समीक्षा की।

मुख्य सचिव ने औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी 37 विजन घोषणाओं की स्थिति की समीक्षा की। इनमें से 18 घोषणाओं पर काम शुरू हो चुका है। साथ ही, मई 2026 से अब तक कुल 112 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इनमें 1.14 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश शामिल है और इनसे 1,42,271 लोगों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। आयोग ने 'नई औद्योगिक नीति 2027' तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति की भी समीक्षा की। इसके अलावा, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पर चर्चा हुई।

संशोधित 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट' के तहत, 21 दिनों के भीतर मंजूरी देना अनिवार्य है। आयोग ने सभी विभागों को इस समय-सीमा का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। आयोग ने 'डीम्ड अप्रूवल' व्यवस्था को अधिसूचित करने का निर्देश दिया, जिसके तहत 21 दिनों की समय-सीमा समाप्त होने पर मंजूरी मिल गई मानी जाएगी। आयोग ने यह भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जानी चाहिए। आयोग ने उद्योगों के लिए बिजली कनेक्शन से जुड़े फैसले भी लिए। सभी विभागों को निर्देश दिया गया कि वे औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए उद्योगों से प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई में तेजी लाएं और यह सुनिश्चित करें कि उनका जल्द से जल्द निपटारा हो।

इस दौरान, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कम समय में लागू किए गए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों, उद्योगों को प्रोत्साहन पैकेज और सब्सिडी का तेजी से भुगतान करने और विज्ञापनों के जरिए 'सिपकोट' औद्योगिक भूखंडों के पारदर्शी आवंटन की सराहना की।

गौरतलब है कि पदभार संभालने के बाद से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने और तमिलनाडु को देश के एक प्रमुख औद्योगिक राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए कई सक्रिय कदम उठा रही है। सरकार 2036 तक तमिलनाडु को 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में भी काम कर रही है।

इन प्रयासों के तहत, 'तमिलनाडु ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (संशोधन) अधिनियम-2026' (2026 का अधिनियम संख्या 15) के माध्यम से जोड़ी गई धारा 16-ए के अंतर्गत 'तमिलनाडु इन्वेस्टमेंट प्रमोशन कमीशन' का गठन किया गया। इसके लिए उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य विभाग की ओर से 3 नवंबर को एक सरकारी आदेश जारी किया गया था।

आयोग के प्रमुख मुख्य सचिव होते हैं, जबकि उद्योग, निवेश संवर्धन और वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव इसके सदस्य-संयोजक के रूप में कार्य करते हैं।

एक नजर

काजीरंगा सड़क हादसे में मृतकों के परिजनों को मिलेंगे नौ-नौ लाख रुपये : हिमंत बिस्व सरमा

गुवाहाटी (असम), एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने काजीरंगा के रंगाजान में हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 26 लोगों के परिजनों को नौ-नौ लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रत्येक मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से पांच लाख रुपये और राजस्व विभाग की ओर से दो लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से पहले ही घोषित दो लाख रुपये की सहायता भी मिलेगी। इस तरह प्रत्येक मृतक के परिजनों को कुल नौ लाख रुपये दिए जाएंगे। डॉ. सरमा ने कहा कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण थे, इसकी विस्तृत जांच कराई जाएगी। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के उपचार और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि जनता की नाराजगी के कारण पहले यातायात नियमों के पालन में कुछ ढील दी गई थी, लेकिन हाल के दिनों में राज्य में कई गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसे देखते हुए सरकार अब यातायात नियमों को फिर से सख्ती से लागू करेगी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

केरलम में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के यौन उत्पीड़न के आरोप में डॉक्टर हिरासत में

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम के तिरुवनंतपुरम में नेदुमंगाड सरकारी तालुक अस्पताल में एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के यौन उत्पीड़न के आरोप में शनिवार को एक डॉक्टर को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी डॉक्टर वी के विनु को नेदुमंगाड थाने के बाहर 'डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया' (डीवाईएफआई) के कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद शुक्रवार देर रात करीब दो बजे उसके घर से हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के रूप में कार्यरत स्नातकोत्तर की छात्रा ने अपने शरीर में सूजन होने पर शुक्रवार दोपहर विनु से संपर्क किया था। उसने बताया कि विनु ने छात्रा को अपने कमरे में बुलाया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ यौन दुर्व्यवहार करने की कोशिश की। छात्रा किसी तरह कमरे से बाहर निकलने में सफल रही और अपने सहकर्मियों की मदद से पुलिस के पास पहुंची। डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार रात नेदुमंगाड थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि छात्रा का विस्तृत बयान दर्ज करने के बाद रविवार देर रात करीब दो बजे विनु को उसके घर से हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि डॉक्टर से प्रारंभिक पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

चेन्नई की फैक्ट्री से 50 किलो स्यूडोएफेड्रिन जब्त, पिता-पुत्र समेत तीन लोग गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में प्लास्टिक की बोतलें और डिब्बे बनाने वाली एक फैक्ट्री से छिपाकर रखा गया 50 किलोग्राम स्यूडोएफेड्रिन रसायन जब्त किया गया है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। नशीले पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले इस रसायन की तस्करी के आरोप में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नारकोटिक्स कंट्रोल विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि चेन्नई के एमकेबी नगर स्थित अन्नई इंदिरा नगर में संचालित एक फैक्ट्री में नशीले पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाला स्यूडोएफेड्रिन रसायन छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर विभाग के अधिकारियों ने 13 नवंबर की रात फैक्ट्री में छापेमारी की। इस दौरान दो बोरियों में करीब 25-25 किलोग्राम के हिसाब से कुल 50 किलोग्राम रसायन बरामद हुआ। अधिकारियों ने रसायन जब्त कर तस्करी में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में पिता और पुत्र भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह रसायन हैदराबाद से चेन्नई लाया गया था। इसका इस्तेमाल अवैध रूप से नशीले पदार्थ तैयार कर विदेशों में निर्यात करने की योजना थी। जांच में यह भी सामने आया है कि चेन्नई को केंद्र बनाकर सक्रिय अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह एफेड्रिन और स्यूडोएफेड्रिन जैसे रसायनों की ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सहित अन्य देशों में तस्करी करते रहे हैं। अधिकारी गिरफ्तार तीनों आरोपितों की भूमिका, रसायन के वास्तविक स्रोत, इसे किस देश में भेजने की योजना थी और इस मामले में सक्रिय घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोहों के नेटवर्क की जांच कर रहे हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल विभाग ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने और इनके निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक कच्चे माल के अवैध उपयोग पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी कोई भी जानकारी राष्ट्रीय नारकोटिक्स निरोधक हेल्पलाइन नंबर 1933 पर दें।

'फोन टैपिंग लोकतंत्र के लिए खतरा', राहुल गांधी के समर्थन में उतरी तेलंगाना कांग्रेस

हैदराबाद, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से फोन टैपिंग को लेकर लगाए गए आरोपों के बाद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। तेलंगाना के कांग्रेस सांसदों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं की जासूसी कराने और उन्हें दबाव में रखने के लिए विभिन्न एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। कांग्रेस नेताओं ने फोन टैपिंग के मामले को लोकतंत्र और संविधान के लिए गंभीर खतरा बताते हुए इसकी गहन जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने राहुल गांधी के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा कि यह मामला केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के संघीय ढांचे को कमजोर करना चाहती है और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की मंशा देश में 'एक राष्ट्र, एक पार्टी और डबल इंजन सरकार' की व्यवस्था स्थापित करने की है, ताकि वह लंबे समय तक सत्ता में बनी रह सके। रेड्डी ने आरोप लगाया कि इसके लिए केंद्र सरकार विभिन्न जांच और सुरक्षा एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के कार्यकाल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में भी केसीआर सरकार के दौरान विपक्षी नेताओं के फोन टैप किए गए थे। उस समय विपक्षी नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखी जाती थी, ताकि वे राजनीतिक रूप से मजबूत होकर सत्ता तक न पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सत्ता में बने रहने के लिए सरकारी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का जो मुद्दा उठाया है, वह गंभीर है। इस बीच, परिसीमन विधेयक को लेकर भी कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा परिसीमन विधेयक इसलिए लाना चाहती है, क्योंकि उसे लगता है कि वह राजनीतिक परिस्थितियों को अपने हिसाब से नियंत्रित कर सकती है।

वस्तु निर्यात अक्टूबर में 45 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 49.47 अरब डॉलर पर पहुंचा



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का वस्तु निर्यात अक्टूबर में सालाना आधार पर करीब 45 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 49.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान आयात भी बढ़कर 89.35 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

व्यापार घाटा अक्टूबर में 39.88 अरब डॉलर रहा, जो अक्टूबर 2025 के 42.58 अरब डॉलर से कम है। अक्टूबर 2025 में वस्तुओं का निर्यात 34.11 अरब डॉलर और आयात 76.69 अरब डॉलर रहा था।

समीक्षाधीन महीने में सोने का आयात घटकर 5.51 अरब डॉलर रह गया, जो अक्टूबर 2025 में 14.72 अरब डॉलर था।

मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर 2026 में वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि के प्रमुख कारण पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रत्न एवं आभूषण, जैविक और अजैविक रसायन तथा इंजीनियरिंग सामान रहे।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान वस्तुओं का कुल निर्यात 309.06 अरब डॉलर रहा, जो बीते वित्त वर्ष की समान अवधि के 253.40 अरब डॉलर से 21.96 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, अक्टूबर 2026 में सेवाओं का निर्यात अनुमानित 40.51 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 35.17 अरब डॉलर था। सेवाओं का आयात अक्टूबर 2025 के 17.73 अरब डॉलर से बढ़कर 20.72 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

इस बीच, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि अक्टूबर में वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे मासिक स्तर 89.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान कुल व्यापार घाटा घटकर 20.09 अरब डॉलर रह गया। अप्रैल-अक्टूबर 2026-27 के दौरान भारत का कुल निर्यात अनुमानित 568.84 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 16.66 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में कुल आयात 16 प्रतिशत बढ़कर 662.19 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

वाणिज्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अक्टूबर में वस्तुओं का निर्यात रिकॉर्ड 49.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

उन्होंने कहा, यह अब तक का सबसे अधिक मासिक वस्तु निर्यात है। साथ ही, पिछले पांच साल में 45.06 प्रतिशत की यह सबसे अधिक मासिक वृद्धि है।

अग्रवाल ने कहा, अब तक किसी भी महीने में हमारा कुल निर्यात 89.99 अरब डॉलर नहीं रहा है। पिछले पांच साल में 29.9 प्रतिशत की यह तीसरी सबसे अधिक मासिक वृद्धि दर भी है।

उन्होंने कहा कि इस वृद्धि की खास बात यह है कि यह किसी एक क्षेत्र या भौगोलिक इलाके तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न देशों और क्षेत्रों में व्यापक रूप से दर्ज की गई है।

अग्रवाल ने कहा, अक्टूबर 2026 में हमारे 50 प्रमुख निर्यात बाजारों में से 43 में अक्टूबर 2025 की तुलना में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के अध्यक्ष एस सी रालहन ने निर्यात के प्रदर्शन पर कहा कि अक्टूबर के आंकड़े वृद्धि की रफ्तार और विभिन्न देशों में निर्यात के विस्तार, दोनों लिहाज से उत्साहजनक हैं। शीर्ष 50 बाजारों में से 43 में निर्यात बढ़ना भारतीय निर्यातकों की मजबूती और वैश्विक व्यापार की अनिश्चितताओं के बावजूद अवसरों का लाभ उठाने की उनकी क्षमता को दशार्ता है। फियो के अनुसार, इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रसायन, दवाओं एवं औषधियों, रत्न एवं आभूषण, कपड़ा एवं परिधान, चावल तथा प्लास्टिक और लिनोलियम के निर्यात में वृद्धि से कुल निर्यात को समर्थन मिला।

चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ डॉलर के निर्यात लक्ष्य की राह पर भारत : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से पैदा हुई बाधाओं के बावजूद भारत चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सही रास्ते पर है।

गोयल ने यहां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने अक्टूबर 2026 में अब तक का सबसे अधिक करीब 90 अरब डॉलर का निर्यात दर्ज किया। इसमें लगभग 50 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 40 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। उन्होंने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि भारत चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सही रास्ते पर है। अक्टूबर तक पहले सात महीनों में निर्यात 570 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो अब तक की अभूतपूर्व उपलब्धि है।

गोयल ने कहा, हम इस साल एक लाख करोड़ डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सही रास्ते पर हैं। अक्टूबर तक सात महीनों में हमारा निर्यात 570 अरब डॉलर रहा है।

गोयल ने भरोसा जताया कि दो युद्धों, वैश्विक अस्थिरता और अनिश्चितता तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार की करीब 3.5 प्रतिशत की धीमी वृद्धि के बावजूद चालू वित्त वर्ष में भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार 15-16 प्रतिशत बढ़ेगा।

गोयल ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2026 का उद्घाटन किया।

बीपीसीएल ने ई20 पेट्रोल को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप बताया



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने शुक्रवार को ई20 पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा को लेकर उठ रही चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा कि कर्नाटक में ईंधन की गुणवत्ता की जांच के दौरान सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर जांच प्रक्रिया पूरी होने से पहले ली गई थी और उसमें अंतिम नतीजा नहीं दिखाया गया था।

सरकारी तेल विपणन कंपनी ने बयान में विवाद पर सफाई देते हुए कहा कि तस्वीर में एथनॉल को अलग करने की जांच का एक शुरूआती चरण दिखाया गया था। इस प्रक्रिया में पेट्रोल और पानी का मिश्रण शुरूआत में धुंधला या दूधिया दिखाई देता है। इसके बाद दोनों की अलग-अलग परतें बनती हैं। बीपीसीएल ने कहा कि एथनॉल को अलग करने की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही अनजाने में तस्वीर साझा कर दी गई थी। इसके बाद गलतफहमी से बचने के लिए संबंधित अधिकारी ने तत्काल पोस्ट हटा दी।

कंपनी ने कहा कि जांच किए गए नमूने में एथनॉल की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई। यह सफाई ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रहे सवालों के बीच आई है। ई20 पेट्रोल में सामान्य पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाया जाता है। इसकी गुणवत्ता और एथनॉल मिलाने की मात्रा की सटीकता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इस विवाद का एक प्रमुख मुद्दा यह है कि 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण वाले ई20 पेट्रोल के नाम पर बेचे जा रहे ईंधन में कुछ मामलों में इससे अधिक मात्रा में एथनॉल होने की आशंका जताई गई है। इससे निर्धारित गुणवत्ता मानकों के पालन को लेकर सवाल उठे हैं। कर्नाटक सरकार ने आरोप लगाया है कि तेल विपणन कंपनियां निर्धारित 20 प्रतिशत की सीमा से काफी अधिक एथनॉल मिला हुआ पेट्रोल बेच रही हैं। राज्य के सात जिलों से जुटाए गए नमूनों की जांच में एथनॉल की मात्रा 31.2 प्रतिशत तक पाए जाने की बात कही गई है।

बीपीसीएल के कर्नाटक में किए गए एक प्रदर्शन के दौरान एथनॉल अलग करने की जांच का नतीजा स्पष्ट नहीं दिखने के बाद सोशल मीडिया पर भी इन चिंताओं को लेकर चर्चा तेज हो गई।

हालांकि, केंद्र और तीनों सरकारी तेल कंपनियों ने इन आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लिए गए ई20 पेट्रोल के सभी 893 नमूनों में एथनॉल की मात्रा निर्धारित 19 से 21 प्रतिशत के दायरे में पाई गई। इनमें कर्नाटक के 56 नमूने भी शामिल थे।

चीन करेगा एपीईसी शिखर सम्मेलन की मेजबानी



बीजिंग, एजेंसी। चीन अपने शहर शेनझेन में अगले सप्ताह 33वें एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस दौरान चीन, अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक भी करेंगे।

एपीईसी के आर्थिक नेताओं की बैठक 18 और 19 नवंबर को होगी। इस बार सम्मेलन का महत्व इसलिए बढ़ गया है क्योंकि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ त्रिपक्षीय बैठक करेंगे।

इस बैठक में वैश्विक संघर्षों, कृत्रिम मेधा (एआई) और प्रमुख शक्तियों के परमाणु हथियारों में कटौती सहित कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास सह कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने पुष्टि की है कि तीनों नेता अगले सप्ताह चीन में होने वाले शिखर सम्मेलन से इतर बैठक करने की योजना बना रहे हैं।

बीबीसी के मुताबिक, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा, राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया है कि अन्य मुद्दों के साथ-साथ वह दुनिया में परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि इन हथियारों का प्रसार बेहद खतरनाक है।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने शुक्रवार को बीजिंग में कहा कि त्रिपक्षीय बैठक को लेकर चीन, अमेरिका और रूस के बीच बातचीत की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 21 सदस्यीय एपीईसी सम्मेलन का विषय 'साझा समृद्धि के लिए एशिया-प्रशांत समुदाय का निर्माण' है।

एपीईसी के 21 सदस्य देशों और अर्थव्यवस्थाओं में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, चीन, हांगकांग, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, पेरू, फिलीपींस, रूस, सिंगापुर, चीनी ताइपे, थाईलैंड, अमेरिका और वियतनाम शामिल हैं।

भारत समेत दक्षिण एशिया का कोई भी देश इसका सदस्य नहीं है। ट्रंप बुधवार देर रात शेनझेन पहुंचेंगे और दो दिवसीय एपीईसी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

सरकार ने चावल, धान के भंडार का ऑनलाइन ब्योरा देने के लिए पोर्टल शुरू किया



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने व्यापारियों, खुदरा एवं थोक विक्रेताओं, प्रसंस्करणकताओं और मिल मालिकों सहित सभी संबंधित इकाइयों के लिए चावल तथा धान के भंडार का ऑनलाइन ब्योरा देने वाला पोर्टल शुरू किया है।

इस कदम का उद्देश्य जमाखोरी रोकना और कीमतों पर नियंत्रण रखना है।

सरकार के छह नवंबर को जारी आदेश के तहत, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों, थोक एवं खुदरा विक्रेताओं, बड़ी खुदरा दुकानों, प्रसंस्करणकताओं और मिल मालिकों को चावल एवं धान के भंडार की जानकारी छह श्रेणियों में देनी होगी। इनमें बासमती चावल, गैर-बासमती प्रीमियम चावल, गैर-बासमती चावल, उसना चावल, टूटे चावल और धान शामिल हैं।

खाद्य मंत्रालय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि इस उद्देश्य से खाद्य भंडार घोषणा पोर्टल शुरू कर दिया गया है।

आदेश के मुताबिक, भंडार रखने वाली सभी इकाइयों को हर शुक्रवार को खाद्य भंडार पोर्टल पर अपने भंडार का ब्योरा अद्यतन करना होगा।

पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराने या निर्धारित भंडार सीमा का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा छह और सात के तहत कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार चावल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड), राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और केंद्रीय भंडार को ह्यभारत चावलह्ण के रूप में बिक्री के लिए अतिरिक्त चावल आवंटित कर रही है। सरकार ने इन संस्थाओं से विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में वितरण के सभी संभावित माध्यम तलाशने को कहा है।

केंद्र ने खुले बाजार बिक्री योजना (घरेलू) के तहत वित्त वर्ष 2026-27 में ई-नीलामी के जरिये चावल बिक्री का लक्ष्य भी दोगुना कर 25 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन कर दिया है।

सरकार के अनुसार, 31 अक्टूबर तक निजी खरीदारों को ई-नीलामी के जरिये करीब 25 लाख टन चावल बेचा जा चुका था, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 11 लाख टन था।

टाटा समूह में शीर्ष स्तर पर नियुक्तियों को लेकर अंदरूनी कलह

वोल्टास के चेयरमैन पद पर सुनील डी सूजा की ताजपोशी पर उठे सवाल



मुंबई, एजेंसी। देश के प्रतिष्ठित टाटा समूह में बड़े पदों पर नियुक्तियों को लेकर अंदरूनी खींचतान और मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। ताजा विवाद वोल्टास लिमिटेड के नए चेयरमैन के रूप में सुनील डी सूजा की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। दरअसल, नोएल टाटा द्वारा 70 वर्ष की आयु पूरी होने पर इस पद से इस्तीफा देने के बाद टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर (टऊ) और उएड सुनील डी सूजा को वोल्टास की कमान सौंप दी गई थी। सूत्रों के अनुसार, इस अहम नियुक्ति से पहले टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से औपचारिक सलाह नहीं ली गई थी, जिसके कारण समूह के भीतर चचाओं का बाजार गर्म हो गया है।

इस पूरे विवाद के तूल पकड़ने की मुख्य वजह यह है कि एन. चंद्रशेखरन स्वयं टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के भी चेयरमैन हैं, जिसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील डी सूजा हैं। ऐसे में एक ही कंपनी के सीईओ को समूह की दूसरी बड़ी कंपनी का चेयरमैन बनाए जाने को लेकर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और नियमों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की आगामी बोर्ड बैठक और इसकी नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी (ठफ्ठ) में इस नियुक्ति को लेकर तीखे सवाल उठाए जा सकते हैं, क्योंकि समूह के शीर्ष नेतृत्व के बीच फैसलों में पारदर्शिता और समन्वय की कमी साफ नजर आ रही है।

यह अंदरूनी कलह ऐसे संवेदनशील समय में सामने आई है जब टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के बीच विभिन्न नीतिगत मुद्दों, एन. चंद्रशेखरन को तीसरी बार चेयरमैन बनाने और टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध (लिस्ट) कराने के प्रस्तावों को लेकर पहले से ही वैचारिक मतभेद चल रहे हैं। चूंकि टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, इसलिए समूह के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर खींचतान तेज हो गई है। आगामी 26 नवंबर को होने वाली टाटा संस की अगली बोर्ड बैठक से पहले नेतृत्व और नियुक्तियों से जुड़े इन गरमाते मामलों ने उद्योग जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

एक नजर

आरबीआई ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नौ लाख रुपये का जुर्माना लगाया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वन मोबिक्विक सिस्टम्स पर नियामकीय मानदंडों का उल्लंघन किए जाने के लिए नौ लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि आरबीआई ने कंपनी के जून, 2025 से मार्च, 2026 तक के कामकाज के संदर्भ में वैधानिक निरीक्षण किया था। आरबीआई के निदेर्शों का पालन नहीं किए जाने संबंधी निगरानी निष्कर्षों और इस बारे में हुए पत्राचार के आधार पर वन मोबिक्विक सिस्टम्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि वन मोबिक्विक सिस्टम्स ने कुछ प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) धारकों को निर्धारित सीमा से अधिक राशि ऐसे लाभार्थियों को हस्तांतरित करने की अनुमति दी थी, जिनका पहले से पंजीकरण नहीं था। आरबीआई ने कहा कि कंपनी निर्धारित समयसीमा के भीतर कुछ धोखाधड़ी के मामलों की जानकारी देने में भी विफल रही। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि यह जुमार्ना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य कंपनी और उसके ग्राहकों के बीच हुए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर फैसला देना नहीं है।

महानदी कोलफील्ड्स ने आईपीओ के लिए दाखिल किए मसौदा दस्तावेज

कोलकाता, एजेंसी। कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने शनिवार को कहा कि उसने प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) दाखिल किए हैं। कोल इंडिया ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में बताया कि 13 नवंबर को आरएचपी कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बीएसई और एनएसई के समक्ष दाखिल किया गया है। प्रस्तावित आईपीओ में कोल इंडिया द्वारा 66.18 करोड़ तक शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है, जो अनुषंगी कंपनी में उसकी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। इस निर्गम से करीब 9,500 करोड़ रुपये जुटने का अनुमान है। शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम जरूरी मंजूरियां मिलने, बाजार की परिस्थितियों और अन्य संबंधित पहलुओं पर निर्भर करेगा। यह आईपीओ कोल इंडिया की अपनी अनुषंगी कंपनियों में हिस्सेदारी बेचकर और उन्हें शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराकर उनकी कारोबारी क्षमता का मूल्य हासिल करने की योजना का हिस्सा है।

डाकघर पर विदेश से आए पार्सल में 10.8 किलोग्राम एम्फेटामाइन जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने नई दिल्ली स्थित विदेशी डाकघर में यूरोप से आए एक संदिग्ध पार्सल से 10.8 किलोग्राम एम्फेटामाइन जब्त किया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, विदेशी डाकघर में पहुंचे एक संदिग्ध पार्सल को विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने रोक लिया और उसकी जांच की। यह पार्सल यूरोप के एक देश से आया था और इसमें कपड़े होने की बात कही गई थी। शुरूआती जांच में शिपिंग कार्टन के अंदर सामान्य घरेलू कपड़े मिले। हालांकि, विस्तृत जांच के दौरान कार्टन के चारों तरफ प्रत्येक में दो प्लास्टिक की थैलियां छिपाई गई थीं। अधिकारियों ने कुल आठ छिपे हुए पैकेट बरामद किए, जिनमें गुलाबी रंग का पाउडर था। जांच में यह मादक पदार्थ एम्फेटामाइन पाया गया। मंत्रालय ने बताया कि मादक पदार्थ के सभी आठ पैकेट स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त कर लिए गए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है और इस तस्करी से जुड़े व्यापक नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

टीवीएस मोटर ने अनिरुद्ध हलदर को भारत में दोपहिया कारोबार का प्रमुख नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टीवीएस मोटर कंपनी ने शुक्रवार को अनिरुद्ध हलदर को भारत में अपने दोपहिया कारोबार का प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। वह कंपनी से इस्तीफा दे चुके गौरव गुप्ता की जगह लेंगे। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि फिलहाल कम्यूटर मोबिलिटी के कारोबार प्रमुख और कॉरपोरेट ब्रांड एवं मीडिया के प्रमुख हलदर को पदोन्नत कर वरिष्ठ उपाध्यक्ष (पीपल मोबिलिटी-भारत दोपहिया कारोबार) की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। चेन्नई स्थित दोपहिया और तिपहिया वाहन विनिमार्ता कंपनी ने कहा कि भारत में दोपहिया कारोबार के अध्यक्ष रहे गुप्ता ने बाहरी अवसर तलाशने के लिए इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा 24 दिसंबर से प्रभावी होगा। इसके अलावा, कारोबार नियोजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ए राजकुमार एशियाई क्षेत्र में विदेशी कारोबार की विशेष परियोजनाओं का नेतृत्व भी करेंगे।

आरएचआई मैग्नेसिटा का दूसरी तिमाही का शुद्ध मुनाफा 62 प्रतिशत बढ़कर 62.09 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएचआई मैग्नेसिटा का सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 62.09 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 38.34 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का एकीकृत राजस्व बढ़कर 1,038.26 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,036.45 करोड़ रुपये था। इस दौरान उच्च तापमान वाले औद्योगिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी का खर्च घटकर 953.06 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 984.68 करोड़ रुपये था। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पंकज मल्हान ने कहा कि ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, परिचालन दक्षता और अनुशासित कार्यान्वयन पर आधारित मजबूत कारोबारी मॉडल ने बढ़ती लागत के बावजूद कंपनी को लाभप्रदता बनाए रखने में मदद की है।

आंध्र प्रदेश ने सीआईआई शिखर सम्मेलन में नौ लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए

विशाखापत्तनम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने विशाखापत्तनम में आयोजित 31वें सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन में नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं जिनसे दो लाख से अधिक रोजगार के अवसर तैयार होने की उम्मीद है। दो-दिवसीय सम्मेलन के दौरान 9.02 लाख करोड़ रुपये के कुल 109 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। पिछले दो सीआईआई साझेदारी सम्मेलनों में राज्य ने कुल 32.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से 22.5 लाख करोड़ रुपये के समझौते 2025 में हुए थे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शिखर सम्मेलन के समापन पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य पिछले दो सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलनों में 32.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर करने में सफल रहा है। उन्होंने कहा, एमओयू का पहला चरण 22.5 लाख करोड़ रुपये का था, जिसमें से 74 प्रतिशत निवेश धरातल पर उतर चुका है।

संक्षिप्त

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः एंड्रीवा और स्वितोलिना में होगा खिताबी मुकाबला

इंडियन वेल्स (अमेरिका), एजेंसी। रूस की युवा खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना का सामना करेगी। एंड्रीवा ने शनिवार को सेमीफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराया। इस तरह से यह 19 वर्षीय खिलाड़ी 2004 के बाद इस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने वाली पहली किशोरी बन गई हैं। एंड्रीवा के लिए यह साल शानदार रहा है। उन्होंने फ्रेंच ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचने में सफल रही। यूक्रेन की 32 वर्षीय खिलाड़ी स्वितोलिना ने 65 मिनट तक चले एक अन्य सेमीफाइनल में विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-1 से हराया। स्वितोलिना के खिलाफ एंड्रीवा का रिकॉर्ड 2-1 का है। उन्होंने सप्ताह की शुरुआत में राउंड-रॉबिन मुकाबले में स्वितोलिना को 6-4, 6-0 से हराया था।

रोहित शर्मा के लिए बुरा सपना साबित हुई न्यूजीलैंड वनडे सीरीज

माउंट माउंगानुई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए न्यूजीलैंड वनडे सीरीज बेहद निराशाजनक रही है। इस सीरीज ने उनके वनडे विश्व कप 2027 का हिस्सा होने पर एक बार फिर सवाल उठा दिए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद रोहित शर्मा बड़ी उम्मीदों के साथ न्यूजीलैंड आए थे। फैंस के बीच भी रोहित को लेकर रोमांच था कि वे न्यूजीलैंड सीरीज में अपनी करिश्माई बल्लेबाजी का प्रदर्शन करेंगे और उन्हें रोमांचित करेंगे। वनडे सीरीज के टिकट भी एडवांस में बिक चुके थे, लेकिन रोहित इस सीरीज में अपने और फैंस की भावनाओं के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके।

स्मैट 2026: दिल्ली ने जम्मू-कश्मीर को बुरी तरह रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट 2026 में शनिवार को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, दिल्ली और कर्नाटक ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। दिल्ली ने जम्मू-कश्मीर को 103 रनों के बड़े अंतर से हराया। आइए, इन मुकाबलों के बारे में जानते हैं।

उत्तराखंड बनाम छत्तीसगढ़: कोलकाता स्थित ईडन गार्डन्स मैदान पर खेले गए एलीट ग्रुप-डी मुकाबले को छत्तीसगढ़ ने 5 विकेट से अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी उत्तराखंड ने 89 के स्कोर तक 5 विकेट खो दिए थे, जिसके बाद अवनीश सुधा (नाबाद 48) ने जगदीश सुचित (46) के साथ 53 गेंदों में 97 रन की साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। इसके जवाब में छत्तीसगढ़ ने 18.3 ओवरों में जीत हासिल कर ली। इस पारी में कप्तान विकल्प तिवारी ने 17 गेंदों में 10 बाउंड्री के साथ 50 रन बनाए, जबकि अजय मंडल ने 37 गेंदों में 66 रन की पारी खेली।

भारतीय टीम से बाहर होने से आहत सूर्यकुमार

कोलकाता, एजेंसी। टी20 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम से बाहर किए जाने से आहत स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने शनिवार को कहा कि वह राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। सूर्यकुमार ने यहां सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में मुंबई की ओर से हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों पर 60 रन की तूफानी पारी खेलकर अपने इरादे जाहिर किए। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में वापसी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह अपनी मानसिकता और कौशल पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मैच के बाद सूर्यकुमार ने कहा, ''विश्व कप जीतने के बाद स्वाभाविक रूप से आपको उम्मीद होती है कि आईपीएल के बाद या जब भी भारत की पहली सीरीज होगी, आप खेलेंगे।

भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड में जीती वनडे सीरीज

- भारत के लिए अक्षर पटेल और ईशान किशन ने सर्वाधिक रन बनाए

माउंट मौनगानुई, एजेंसी।

भारत ने रविवार को न्यूजीलैंड को पांचवें और अंतिम वनडे में 22 रन से हराया। लो स्कोरिंग मुकाबले में गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला। भारत ने माउंट मोनगानुई में खेले गए पांचवें मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 209 रन ही बना सकी। भारत के लिए अक्षर पटेल और ईशान किशन ने सर्वाधिक रन बनाए। इसके जवाब में बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। अर्शदीप सिंह की अगुवाई में भारतीय तेज गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड की टीम आखिरी वनडे में 48.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 187 रन ही बना सकी। इसके साथ ही भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज



3-1 से जीती।

भारत ने रविवार को न्यूजीलैंड की सरजमीं पर तीसरी बार वनडे सीरीज जीती है। इसकी शुरुआत 2008-09 में हुई थी, जहां पर भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीती थी। 2018–19 में हुई सीरीज में भारत ने 4-1 से वनडे सीरीज अपने नाम किया था। वहीं रविवार को पांचवां वनडे मैच जीतकर भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीती।

भारतीय बल्लेबाजों ने लगातार दूसरे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया और उसकी टीम पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 42.1 ओवर में 209 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड को 48.1 ओवर में 187 रन पर ढेर कर दिया। भारत ने पहले दोनों मैच जीते थे जबकि न्यूजीलैंड चौथा मैच जीतने में सफल रहा था। सीरीज का तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था।

रुतुराज गायकवाड़ (18) भी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाए। गायकवाड़ ने जैकब डफी की गेंद पर ड्राइव करने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर सीफर्ट के दस्तानों में समा गई। भारत का स्कोर तीन विकेट पर 34 रन हो गया। अगर कवर पर खड़े फॉक्सक्रॉफ्ट ने डफी की गेंद पर अक्षर पटेल का कैच नहीं छोड़ा होता तो स्कोर चार विकेट पर 34 रन हो जाता। श्रेयस (22) और अक्षर (46) ने चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी करके वापसी की उम्मीद जगाई लेकिन ब्लेयर टिकनर ने इस साझेदारी को तोड़ दिया क्योंकि श्रेयस एक बार फिर शॉर्ट पिच गेंद पर आउट हो गए। माइकल ब्रैसवेल ने अक्षर को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया। उन्होंने इस ऑफ स्पिनर की गेंद पर सर्कल के अंदर विल यंग को आसान कैच दिया।

डफी के एक ओवर में दो छक्के जड़ने वाले ईशान किशन (46) और नमन धीर (22) ने छठे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी करके भारतीय पारी में जान फूंकने की कोशिश की लेकिन न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर (47 रन देकर तीन विकेट) ने यहां पर अपना जलवा दिखाया।

भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम को छठे ओवर में मोहम्मद सिराज ने झटका दिया। टिम साइफर्ट 14 रन ही बना पाए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले विल यंग (22) को 17वें ओवर में अर्शदीप सिंह ने आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। एक समय टीम का स्कोर 119/5 था लेकिन फिर पुछल्ले बल्लेबाजों ने साझेदारी करके टीम को 150 के पार पहुंचाया फिन ऐलन (एक), माइकल ब्रेसवेल (19), डीन फ़ॉक्सक्रॉफ्ट (31), कप्तान मिचेल सैंटनर (24) और क्रिस्टियन क्लार्क (16) रन बनाकर आउट हुये। 49वें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर पटेल ने ब्लेयर टिकनर (14) को विकेटकीपर इशान किशन के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को 187 रनों के स्कोर पर ढेर कर भारत को 22 रनों से जीत दिला दी। अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए। मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले।

भारतीय बल्लेबाजों का नहीं चला बल्ला

श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम से उम्मीद थी कि वह दो दिन पहले इसी मैदान पर चौथे वनडे में 89 रन पर आउट होने के बाद बेहतर प्रदर्शन करेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके लिए अच्छी शुरुआत की जरूरत थी लेकिन रोहित शर्मा फिर से नहीं चल पाए और केवल सात रन बनाकर आउट हो गए। मैथ्यू फिशर की गेंद पर बेमन से खेला गया उनका शॉट शॉर्ट मिड-विकेट पर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट के हाथों में चला गया। विराट कोहली (05) भी जल्द ही आउट हो गए। फिशर की बाहर जाती गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर टिम सीफर्ट के हाथों में चली गई जिन्होंने डाइव लगाकर शानदार कैच लिया।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर रहेंगे बियर्डमैन

एडिलेड, एजेंसी।



इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन रविवार (15 नवंबर) दोपहर होने वाले दूसरे वनडे में नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन उनके कार्यभार को नियंत्रित रखने के लिए सावधानी बरत रहा है। बियर्डमैन ने शुक्रवार को पर्थ में खेले गए पहले वनडे में छह विकेट लेकर इतिहास रचा था। उन्होंने 24 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे, जो वनडे पदार्पण पर किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी।

21 वर्षीय बियर्डमैन को पीठ की चोटों का पुराना इतिहास रहा है। हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद स्ट्रेस फ्रैक्चर दोबारा उभरने के कारण वह सात महीने तक मैदान से बाहर रहे थे। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यभार को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, बियर्डमैन हाल की चोटों के बाद अपनी शारीरिक क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। वह बुधवार को होबार्ट में होने वाले तीसरे वनडे के लिए अंतिम एकादश में वापसी करेंगे।

इस बीच, तस्मानिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह अभी तक साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। एलिस को सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की 1-2 से वनडे सीरीज हार के दौरान बाईं तरफ चोट लगी थी।

पाकिस्तान के खिलाफ जीतना बड़ी उपलब्धि : कोच राजू शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने शुक्रवार को अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 2) पर खेले गए खिताबी मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 1 विकेट से रोमांच जीत हासिल करते हुए मेंस अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता। फाइनल मैच में 58 रन जड़ने वाले आर्यवीर सहवाग टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे, जिन्होंने 5 मुकाबलों में 90.25 की औसत के साथ 361 रन बनाए।

उनके कोच राजू शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ इस खिताबी जीत को बड़ी उपलब्धि बताया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने उस्मान खान (107) की शतकीय पारी के दम पर 9 विकेट खोकर 337 रन बनाए। इस दौरान अब्दुल कादिर ने 80 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान फरहान यूसुफ ने 63 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की तरफ से काव्य पटेल ने सर्वाधिक 4, जबकि चिगुरुपति वेंकट ने 3 विकेट निकाले।

न्यूजीलैंड ने दूसरे मैत्री फुटबॉल मैच में भारत को 3-0 से हराया

- न्यूजीलैंड के लिए फिन सर्मन ने 22वें मिनट में पहला गोल किया

क्राइस्टचर्च, एजेंसी।

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में भी 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। क्राइस्टचर्च के वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मेजबान टीम ने पहले हाफ में ही तीन गोल दागकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से अपने नाम कर ली। उसने गुरुवार को ऑकलैंड में खेले गए पहले मुकाबले में भारत को 5-0 से हराया था।

न्यूजीलैंड के लिए फिन सर्मन ने 22वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद जेम्स मैकगैरी ने 40वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। शॉर्ट कॉर्नर से मिले पास पर मैकगैरी ने बॉक्स के किनारे से बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया, जो भारतीय गोलकीपर विशाल कैथ को छकाते हुए गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में चला गया।

पहले हाफ के 44वें मिनट में कप्तान क्रिस वुड ने तीसरा गोल कर भारत की वापसी की उम्मीदों को लगभग समाप्त कर दिया। मैट गार्बेट ने जेसी रैंडल को बॉक्स के अंदर गेंद दी और रैंडल ने उसे खुले गोलपोस्ट के सामने मौजूद वुड तक पहुंचा दिया। वुड ने आसानी से गेंद को गोल में डाल दिया।

पहले मुकाबले में 0-5 से हारने वाली भारतीय टीम दूसरे हाफ में भी कोई गोल नहीं कर सकी। हालांकि, 85वें मिनट में बिजॉय वर्गीज ने गोललाइन पर शानदार बचाव करते हुए एलेक्स रुफर के शॉट को गोल में जाने से रोक दिया। एक मिनट के इंजरी टाइम के बाद मुकाबला 3-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ।



नए स्टेडियम में पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला

यह वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में खेला गया पहला अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मुकाबला था। क्राइस्टचर्च के केंद्र में स्थित इस स्टेडियम की दर्शक क्षमता 25 हजार है और यह पूरी तरह छत से ढका हुआ है। न्यूजीलैंड ने ऑकलैंड में जीत दर्ज करने वाली टीम में छह बदलाव किए थे। एलेक्स पॉलसन ने गोलकीपर की भूमिका निभाई, जबकि फिन सर्मन, जेम्स मैकगैरी और फ्रांसिस डी व्रीज रक्षापंक्ति में शामिल थे। क्रिस वुड ने टीम की कप्तानी की।

बेजले का न्यूजीलैंड के कोच के रूप में आखिरी मुकाबला

यह न्यूजीलैंड के मुख्य कोच डैरेन बेजले का टीम के साथ आखिरी मुकाबला था। इन दो मैत्री मैचों के बाद उनका अनुबंध समाप्त हो रहा है। बेजले ने 2026 विश्व कप में भी न्यूजीलैंड टीम को कोचिंग दी थी। उन्होंने भारत के खिलाफ लगातार दो जीत के साथ अपने कार्यकाल का समापन किया।

टोटल चेस टूरः एरिगैसी ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुंचे

आनंद गिरि ने ग्रुप सी की कमान संभाली; वैशाली को दोनों मुकाबलों में हार

बुडापेस्ट (हंगरी), एजेंसी।



टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिकल ग्रुप चरण के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन रहा। अर्जुन एरिगैसी ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर ग्रुप डी में संयुक्त बढ़त हासिल की, जबकि अनिश गिरि ने अभिमन्यु मिश्रा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रॉ के साथ ग्रुप सी में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं, वैशाली रमेशबाबू को वेस्ली सो के खिलाफ दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। आर. प्रज्ञानानंद को रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ एक मुकाबले में हार मिली, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा।

प्रतियोगिता के चौथे दिन सातवें और आठवें दौर के मुकाबलों में कुल 24 बाजियां खेली गईं, जिनमें 10 के परिणाम निकले। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ दो मुकाबले खेले और दोनों में रंग बदले गए। जीत पर तीन अंक और ड्रॉ पर एक अंक दिए जा रहे हैं। वेस्ली सो दिन के एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिन्होंने अपने दोनों मुकाबले जीतकर पूरे छह अंक हासिल किए।

चार ग्रुप में जारी इस प्रतियोगिता में ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा 13 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना 16 अंकों के साथ चार अंक की बढ़त बनाए हुए हैं। ग्रुप सी में अनिश गिरि 13 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि ग्रुप डी में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, हैंस मोके नीमन और अर्जुन एरिगैसी 13-13 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

अर्जुन ने वाचियर-लाग्रेव का अजेय क्रम तोड़ा

ग्रुप डी में अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव का फास्ट क्लासिकल मुकाबलों में अजेय रहने का क्रम तोड़ दिया। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही, लेकिन दूसरी बाजी में अर्जुन ने सफेद मोहरों से खेलते हुए एंडगेम में जीत दर्ज की।

हिमांशी ने मनिका को हराकर उलटफेर किया

फगवाड़ा, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मनिका बत्रा शनिवार को यहां तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के महिला एकल क्वालीफायर में कर्नाटक की हिमांशी चौधरी के हाथों हारकर बाहर हो गईं। हिमांशी ने ग्रुप 69 के मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अपनी मजबूत प्रतिद्वंद्वी को 9-11, 11-6, 9-11, 11-8, 11-3 से हराकर अगले चरण में जगह बनाई। प्रतियोगिता के पहले दिन का यह सबसे बड़ा उलटफेर रहा। इस शानदार प्रदर्शन के लिए हिमांशी को 'टाटा पावर प्लेयर ऑफ द डे' पुरस्कार और 10,000 रुपये की नकद राशि भी मिली। मनिका ने अपने अभियान की शुरुआत मोनोलिपि सिंघा के खिलाफ 3-0 की आसान जीत के साथ की थी।

विराट कोहली ने 3 साल पहले रचा था इतिहास तोड़ा था सचिन तेंदुलकर का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी।



भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को वनडे फॉर्मेट के महानतम बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। कोहली के आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। कोहली ने अपनी विराट बल्लेबाजी से अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर के भी कई वनडे रिकॉर्ड तोड़े हैं। विराट ने तीन साल पहले वनडे विश्व कप 2023 के दौरान तेंदुलकर के शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा था।

वनडे विश्व कप 2023 में विराट कोहली असाधारण बल्लेबाजी की थी। कोहली ने 11 मैचों की 11 पारियों में 3 शतक और 6 अर्धशतक लगाते हुए 765 रन बनाए थे। इसी विश्व कप के दौरान कोहली ने सचिन तेंदुलकर के सर्वाधिक वनडे शतकों (49) की न सिर्फ बराबरी की थी, बल्कि पीछे छोड़ा था और वनडे फॉर्मेट में 50 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे।

15 नवंबर 2023 को वनडे विश्व कप 2023 का सेमीफाइनल भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 397 रन बनाए थे और 70 रन से मैच जीता था। इसमें कोहली ने 113 गेंदों पर 117 रन की पारी खेली थी। वनडे में कोहली का ये 50वां शतक था।

इसी विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विराट कोहली ने 101 रन की मैच विजयी पारी खेल सचिन के 49 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की थी।

टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली वनडे फॉर्मेट में सक्रिय हैं और उनका अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 में देश का प्रतिनिधित्व करना है। इसके साथ ही कोहली के निशाने पर सचिन तेंदुलकर के 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड भी है। इसे तोड़ने के लिए कोहली को 15 शतक और लगाने होंगे। कोहली टेस्ट में 30, वनडे में 55 और टी20 में 1 शतकीय पारी खेली है, जबकि सचिन ने टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए थे।

नेशंस लीग | पियरे-एमिल होजबर्ग की पहले हाफ की पेनल्टी ने डेनमार्क को बढ़त दिलाई

डेनमार्क ने पुर्तगाल को हराया, ऑस्ट्रिया और स्वीडन आगे बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी।

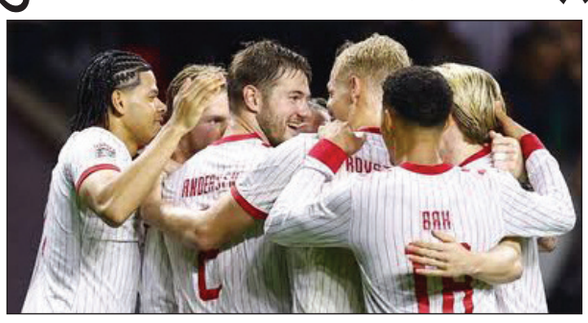

यूईएफए नेशंस लीग में रविवार की रात कई बड़े उलटफेर देखने को मिले। डेनमार्क ने पुर्तगाल को 4-1 से हराकर ग्रुप ए4 से आगे बढ़ने की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं, जबकि नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड और स्वीडन के विक्टर ग्योकेरेस ने अपने-अपने रिकॉर्ड बनाए। स्वीडन और ऑस्ट्रिया ने लीग बी से प्रमोशन हासिल कर लिया।

पियरे-एमिल होजबर्ग की पहले हाफ की पेनल्टी ने डेनमार्क को बढ़त दिलाई। हाफ-टाइम के तुरंत बाद गुस्तावे इसाकसेन के शानदार बिल्ड-अप पर रासमस होजलुंड ने वॉली मारकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद होजलुंड ने ही डिओगोकोस्टा को छकाते हुए लो फिनिश किया और जोआचिम एंडरसन के हेडर ने स्कोर 4-0 कर दिया। पुर्तगाल के लिए बर्नार्डो सिल्वा ने एक गोल वापस खींचा, लेकिन टीम पहले ही क्वार्टर-फाइनल में जगह पक्की कर चुकी थी। नॉर्वे ने वेल्स को 3-1 से हराया। कॉम्पिटिशन के रिकॉर्ड स्कोरर एर्लिंग हालैंड ने आखिरी समय में पेनल्टी पर अपना 23वां नेशंस लीग गोल किया। पहले हाफ में वेल्स का टारगेट पर एकमात्र शॉट डेनियल जेम्स का था, जिसे एगिल सेल्विक ने रोक दिया। ब्रेक के बाद एंटोनियो नुसा ने बॉक्स के किनारे से शानदार गोल कर मेजबान टीम को आगे किया। इसके बाद नुसा और हालैंड ने मिलकर सब्सटीट्यूट एंड्रियास श्जेल्डरुप को गोल का मौका दिया। डेविड ब्रूक्स ने कार्ल डार्लो के ऊपर से शानदार फिनिश कर स्कोर 2-1 किया, लेकिन हालैंड की जोरदार स्पॉट किक ने नतीजा पक्का कर दिया। अब नॉर्वे की टीम मंगलवार को डेनमार्क के खिलाफ अहम स्कैंडिनेवियाई डर्बी खेलेगी।

सोलना में स्वीडन ने बोस्निया और हर्जेगोविना को हराकर ग्रुप बी4 जीता और लीग ए में प्रमोशन पाया। डेनियल स्वेन्सन के शुरुआती गोल के बाद ग्योकेरेस ने पहले हाफ में दो पेनल्टी को गोल में बदला। यह उनका लगातार आठवें गेम में गोल था, जो रिकॉर्ड है। बोस्निया के लिए आर्मिन गिगोविच ने जवाब दिया और सीड कोलासिनाक ने अपने 74वें मैच में पहला इंटरनेशनल गोल किया। मेहमान टीम दूसरे स्थान पर रहते हुए लीग ए/बी प्ले-ऑफ में पहुंच गई। दूसरी तरफ, ऑस्ट्रिया ने सासा कलाजदजिक के गोल की मदद से रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड को हराया। मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले आया यह गोल ऑस्ट्रिया को ग्रुप बी3 में टॉप स्पॉट और प्रमोशन दिला गया। राल्फ रैंगनिक की अजेय टीम अब दूसरे स्थान पर चल रहे कोसोवो से पांच पॉइंट आगे है। टेरी डेवलिन के दूसरे हाफ के गोल से नॉर्दर्न आयरलैंड ने यूक्रेन को घरेलू मैदान पर हराया और ग्रुप बी2 में हंगरी से एक पॉइंट आगे हो गया। हंगरी ने जॉर्जिया में आखिरी 17 मिनट में एक ओन गोल और बरनाबास वर्गा के गोल से दो गोल किए।

प्रज्ञाननंदा खिताब की दौड़ से बाहर, एरिगैसी ने उम्मीदें बरकरार रखीं

बुडापेस्ट, एजेंसी।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा को टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट की फास्ट क्लासिकल प्रतियोगिता के चौथे दिन रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ जीत की स्थिति में होने के बावजूद एक गलती के कारण हार का सामना करना पड़ा जिससे वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गए। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने हालांकि मैक्सिम वाचियर लाग्रेव का फास्ट क्लासिकल में अजेय अभियान को समाप्त करके अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

प्रज्ञाननंदा को रैपोर्ट के खिलाफ पहले मैच में एक गलती की भारी कीमत चुकानी पड़ी। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी को जल्द ही अपनी गलती का अहसास हो गया और उन्होंने अविश्वास भरी मुस्कान के साथ अपना हाथ माथे पर रख लिया।

प्रज्ञाननंदा ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं इससे भी खराब कुछ कर सकता हूं।''

दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा मैच ड्रॉ रहा जिससे प्रज्ञाननंदा ग्रुप बी में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गए और खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदें भी खत्म हो गईं।

उनकी बहन आर वैशाली भी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से अपने दोनों मैच हारने के बाद खिताब की दौड़ से बाहर हो गईं।

एरिगैसी ने हालांकि वाचियर लाग्रेव से पहला मैच ड्रॉ खेलने के बाद दूसरे मैच में जीत हासिल की। इससे उनके वाचियर लाग्रेव के समान 13 अंक हो गए हैं।

रोज की भागदौड़ छोड़िए और जाइए घूमने

अगर आप लंबे समय से घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन काम की वजह से समय नहीं मिल पा रहा है। तो आप इस वीकेंड घूमने का प्लान बना सकते हैं। ऐसे में आप वीकेंड पर न सिर्फ रिलैक्स कर सकते हैं, बल्कि आप अपने परिवार के साथ नई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वीकेंड ट्रिप पर घूमने के लिए यहां कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी फैमिली, दोस्तों और पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

मथुरा-वृंदावन

आप इस वीकेंड कान्हा की नगरी मथुरा-वृंदावन जा सकते हैं। आप मथुरा में कृष्ण कारागार और फिर अगले दिन वृंदावन और बरसाना घूम सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर प्रेम मंदिर, निधिवन, बांके बिहारी मंदिर और राधा रमण मंदिर घूमने जा सकते हैं।

अमृतसर

आप वीकेंड पर फैमिली के साथ जलियांवाला बाग घूमने जा सकते हैं। यहां पर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा 12 किमी दूर अमृतसर एयरपोर्ट है। वहीं अमृतसर जंक्शन रेलवे स्टेशन से करीब 2 किमी दूर जलियांवाला बाग है। जहां पर आप रिक्शा, ऑटो या फिर पैदल भी जा सकते हैं। जलियांवाला बाग से स्वर्ण मंदिर की दूरी 500 किमी है।

ऋषिकेश

उत्तराखंड का ऋषिकेश वीकेंड ट्रिप के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। यहां पर आपको आध्यात्मिक और एडवेंचर अनुभव का मेल मिलेगा। आप गंगा किनारे शांत माहौल में सुकून के पल बिता सकते हैं। इसके अलावा ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग और कैंपिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

उदयपुर

बता दें कि राजस्थान का उदयपुर खूबसूरत झीलों का शहर है। यह रोमांटिक और फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। वैसे तो उदयपुर में कई घूमने वाली जगहे हैं, जैसे आप पिछोला झील, सिटी पैलेस, बागोर की हवेली और जगदीश मंदिर आदि एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही राजस्थान में यहां के लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं।

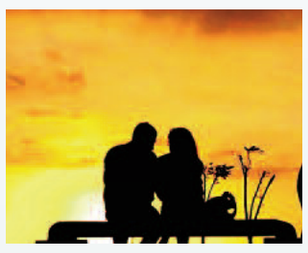



घुमक्कड़ लोग घूमने के इतने शौकीन होते हैं कि कई बार वे अकेले ही निकल जाते हैं। ऐसे में सोलो ट्रिप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अकेले यात्रा करना खुद के साथ समय बिताने, नए लोगों से मिलने और अनोखे अनुभवों का आनंद लेने का एक शानदार तरीका है। जब बाता आती है महिलाओं के लिए, अब भारत भर में कई ऐसे स्थान हैं जो सुंदर और सुरक्षित दोनों हैं। इन स्थानों पर महिलाएं जरुर जाएं।

भारत में सोलो ट्रिप के लिए बेहद शानदार जगहें

ऋषिकेश, उत्तराखंड



सोलो ट्रिप के लिए महिलाओं के लिए ऋषिकेश सबसे बेस्ट जगह है। अपनी आध्यात्मिकता, योग केंद्रों और गंगा आरती के लिए प्रसिद्ध है ऋषिकेश। यहां पर आपको शांत वातावरण के साथ-साथ रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग और ट्रैकिंग जैसी रोमांचक एडवेंचर एक्टिवी का आनंद भी ले सकते हैं। यहां रहने की व्यवस्था बजट-अनुकूल हॉस्टल से लेकर होटल तक उपलब्ध है। महिलाएं सुरक्षित रूप से गंगा के तटों की सैर कर सकती हैं और ध्यान व योग का आनंद ले सकती हैं।

जैसलमेर, राजस्थान

सोलो ट्रिप को खास बनाने के लिए आप राजस्थान के जैसलमेर में जरुर जाएं। गोल्डन सिटी जैसलमेर में रेगिस्तान देखना एक जादुई जगह जैसा लगता है। यहां पर आपको ऐतिहासिक किला, हवेलियां और थार रेगिस्तान में ऊंट सफ़ारी वाकई एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं। स्थानीय संस्कृति, टेस्टी राजस्थानी व्यंजन और गर्मजोशी भरा आतिथ्य हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां पर कड़ी सुरक्षा देखने को मिलती है ऐसे में महिलाएं यहां पर आराम से अकेले भी घूम सकती हैं।



खूबसूरत मठ और आरामदायक कैफे यादगार सोलो ट्रिप का अनुभव प्रदान करेंगे। यहां पर आ ट्रेकिंग और प्रकृति की सैर कर सकते हैं। धर्मशाला के स्थानीय लोग मिलनसार और सुरक्षित वातावरण के कारण महिलाएं अंधेरे के बाद भी आजादी से घूम सकती हैं।

पुडुचेरी

अपनी फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला, समुद्र तटों और कलरफुल गलियों के लिए प्रसिद्ध है पुडुचेरी। सोलो ट्रिप करने वाली महिलाओं के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। यहां के कैफ़े, ऑरोविले आश्रम और योग केंद्र एक ताजा और आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा। शांत और सुरक्षित वातावरण में, महिलाएं पूरी तरह से निश्चिंत होकर अपनी यात्रा का आनंद ले सकती हैं।

अलेप्पी, केरल

अगर आपको पानी के किनारे समय बिताना पसंद है, तो केरल का अलेप्पी आपके लिए एकदम सही जगह है। शांत बैकवाटर्स के किनारे हाउसबोट की सवारी और हरे-भरे नारियल के बागों के बीच एक सुकून भरा माहौल है। अकेले घूमने वाले लोग इस शांत वातावरण में सुकून के पल बिता सकते हैं और केरल के असली व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। यहां का स्थानीय पर्यटन उद्योग महिलाओं की सुरक्षा पर बहुत जोर देता है।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

धर्मशाला और पास का मैक्लोडगंज माउंटेन लवर के लिए एकदम सही जगह है। यहां पर आपको तिब्बती संस्कृति,





मनाली के पास 100 किमी में छुपे ये 3 हिल स्टेशन, जहां मिलेगा अद्भुत सुकून और शांति

जब भी लोग पहाड़ी जगहों पर घूमने जाने का प्लान करते हैं, तो वह आसपास की सभी जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान करते हैं। कई बार लोग ऐसी लोकेशन के बारे में सर्च करते हैं, जो आपकी लोकेशन के पास भी हो और साथ ही खूबसूरत भी हो। वहीं अपने शहर से दूर घूमने गए लोग हमेशा पूरी प्लानिंग करने के बाद जाते हैं। क्योंकि लंबे ट्रिप पर निकले लोग आसपास की जगहों को भी एक्सप्लोर करते हैं। ऐसे में अगर आप भी मनाली के आसपास 100 किमी के अंदर अच्छी जगहें ढूंढ रहे हैं, जहां पर जाने में अधिक समय नहीं लगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली से 100 किमी की दूरी पर स्थित कुछ हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मणिकर्ण

बता दें कि मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 100 किमी के अंदर है। आप यहां पर 2-30 से 03-00 घंटे में पहुंच जाएंगे। मनाली घूमने गए लोगों को आसपास की जगहों को कवर करना चाहिए। इससे न तो ज्यादा खर्च आएगा और न ही आपको लोकेशन तक पहुंचने पर अधिक समय लगेगा। मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 79 किमी दूर है। आप मणिकर्ण पहुंचकर कसोल भी जा सकते हैं। कसोल और मणिकर्ण की बीच की दूरी करीब 20 मिनट की है।

कसोल

मनाली घूमने वाले लोगों को कसोल भी आना चाहिए। क्योंकि यह जगह मनाली से 100 किमी से भी कम दूरी पर स्थित है। अगर आपको ट्रैफिक नहीं मिलेगा, तो आपको यहां पहुंचने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। मनाली से कसोल की दूरी करीब 75 किमी है। बता दें कि कसोल और कसोली 2 अलग-अलग जगहें हैं। जिसमें कसोल ऊंचाई पर स्थित है और यह एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह अपनी सुकून और शांति के लिए जाना जाता है।

रोहतांग पास

मनाली के पास सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह रोहतांग पास है। मनाली घूमने जाने वाले लोग रोहतांग पास घूमने जरूर जाते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि मनाली से अधिक दूर नहीं है। इसलिए लोगों को यहां पर पहुंचने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है। मनाली से रोहतांग पास की दूरी करीब 50 किमी है। आप यहां पर 2 घंटे में आसानी से पहुंच जाते हैं और यहां पहुंचने में अधिक खर्च नहीं आने वाला है। ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने जा रहे हैं, तो यहां आसपास मौजूद इन हिल स्टेशन को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

आ रही हैं सर्दियां... टॉप 5 डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं घूमने, ठंड के मौसम में चमक उठती हैं ये जगहें

अगर आपने अपने परिवार के साथ लंबे समय से कोई ट्रिप प्लान नहीं किया है, तो आप भारत की उन जगहों पर जा सकते हैं, जहां ठंड के मौसम में मजा दो गुना हो जाता है। यही नहीं ये जगह ज्यादा महंगी भी नहीं है।



फेस्टिव सीजन और ठंड दोनों ही आ रहे हैं, ऐसे में कई बच्चों को विंटर वेकेशन भी मिलेगी, तो घूमने का प्लान बनाया जा सकता है। आपको बता दें, भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जहां ठंड में घूमने का मजा कुछ और ही होता है। अगर आप भी लंबे समय से कहीं नहीं घूमें हैं, तो आज हम आपको कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप अपने परिवार के साथ एक प्यारा से ट्रिप कर सकते हैं। बजट के मामले में ये जगहें ज्यादा महंगी नहीं है। आइए जानते हैं, इन डेस्टिनेशन के बारे में।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

शिमला एक फेमस हिल स्टेशन है जहां अक्टूबर महीने से ही सर्दी का अनुभव होना शुरू हो जाता है। इस समय के दौरान, टूरिस्ट शिमला के मॉल रोड पर इत्मीनान से सैर करने का आनंद ले सकते हैं, यही नहीं यहां के फेमस क्राइस्ट चर्च ; द स्केंडल पॉइंट घूम सकते हैं। सर्दियों के मौसम में शिमला आपको सफेद चादर से ढका हुआ मिलेगा। शिमला में घूमने की काफी जगहें हैं। कुफरी जाकर आप अपने परिवार से साथ कई विंटर एक्टिविटी में हिस्सा ले सकते हैं।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

दिल्ली, चंडीगढ़, को लोग सर्दी हो या गर्मी मनाली को हमेशा टॉप डेस्टिनेशन की लिस्ट में रखते हैं। सर्दियों में मनाली देखने लायक है। यहां की कड़कड़ाती ठंड और मॉल रोड की गर्मागर्म चाय के सामने हर सुकून फेल है।यहां आप हिडिम्बा मंदिर, वशिष्ठ कुण्ड,मणिकरण, रोहतांग पास, ओल्ड मनाली समेत कई टूरिस्ट पॉइंट देख सकते हैं। शॉपिंग के लिए भी ये जगह बेस्ट है। यहां



ऊनी कपड़े, हस्तशिल्प, बर्तन, घर की सजावट की वस्तुएं खरीद सकते हैं। इसी के साथ यहां आप दोनों पैराग्लाइडिंग भी कर सकते हैं।

दार्जिलिंग, वेस्ट बंगाल

दार्जिलिंग एक ऐसा ट्रैवल डेस्टिनेशन है, जहां आपको किसी भी मौसम में जाओ ये जगह आपको कभी निराश नहीं करेगी, अगर आप सर्दियों के मौसम में जा रहे हैं, तो खिलती हुई धूप जब हरे-भरे चाय बागानों पर पड़ती है, तो नजारा देखने लायक होता है। यही नहीं, यहां पर आकर आप टॉय ट्रेन, टाइगर हिल्स, तासिया लूप, जापानी मंदिर और रॉक गार्डन जैसे प्लेस देख सकेंगे।इसी के साथ आप यहां सबसे बेस्ट सनराइज का मजा ले सकते हैं। बता दें, अगर आप बच्चों के साथ यहां ट्रैवल कर रहे हैं, तो जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग तक टॉय ट्रेन का सफर करवाना न भूलें। देशभर से टूरिस्ट टॉय ट्रेन का सफर का मजा लेने आते हैं।

औली, उत्तराखंड

उत्तराखंड में कई हिल स्टेशन है, वहीं टूरिस्ट औली हिल स्टेशन आना काफी पसंद करते हैं। बता दें, अक्टूबर- नवंबर में यहां बर्फबारी शुरू हो जाती है। स्नोफॉल एंजॉय करने के लिए ये जगह बेस्ट है। स्कीइंग और बर्फ से संबंधित एक्टिविटी के लिए औली जाना बेस्ट ऑप्शन रहेगा।

काजा

स्पीति घाटी में स्थित काजा एक ऐसा टूरिस्ट प्लेस है, जहां ज्यादातर टूरिस्ट सर्दियों में आना पसंद करते हैं। जैसे- जैसे यहां तापमान गिरता जाता है, पूरा काजा शहर बर्फ की खूबसूरत चादर से ढक जाता है। इसी के साथ यहां आकर आप मोनेस्ट्री और किब्बर जैसे प्राचीन मठों पर घूम सकते हैं।



खुद को खुशकिस्मत मानते हैं ताहिर राज भसीन

छोटी भूमिकाओं से शुरुआत करने वाले ताहिर राज भसीन ने 'मर्दानी' में मेन विलन बनकर अपनी पहचान बनाई। 'ये काली काली आंखें', 'स्पेशल ऑप्स' और 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' के बाद वे इन दिनों 'शक : ट्रस्ट नो वन' को लेकर चर्चा में हैं। ताहिर खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि कम समय में उन्हें नामचीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। कभी सिंगल स्क्रीन थिएटर में दस रुपये का टिकट लेकर सिनेमा देखने वाले ताहिर से एक खास बातचीत।

मेरा सफर खास रहा है

'किस्मत लव पैसा दिल्ली', 'काई पो छे' और 'वन बाय टू' जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाने वाले ताहिर राज भसीन को बड़ा ब्रेक 'मर्दानी' से मिला। अपने सफर को खास बताते हुए वह कहते हैं, 'बहुत कम लोगों को इतने कम समय में इतने मशहूर निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिलता है। प्रदीप सरकार के साथ मेरी जर्नी शुरू हुई। उसके बाद नंदिता दास, नितेश तिवारी, कबीर खान, मिलन लुथरिया और नीरज पांडे जैसे निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला। मैं जो भी किरदार निभाता हूं, वह दर्शकों के साथ रह जाता है और उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ता है। वेब सीरीज 'शक' में आलोक के किरदार को लेकर भी ऐसा ही फीडबैक मिल रहा है। कुछ दर्शक उससे सहानुभूति रखते हैं, कुछ उससे जुड़ाव महसूस करते हैं, तो कुछ उस पर गुस्सा होते हैं। मेरे लिए एक अभिनेता के तौर पर यही सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उसका किरदार दर्शकों पर असर छोड़े और लंबे समय तक याद रहे।'

चर्चित नहीं यादगार होना जरूरी है

इंडस्ट्री में अच्छा-खासा काम करने के बावजूद ताहिर हमेशा लो-प्रोफाइल रहे हैं। इसकी वजह बताते हुए वह कहते हैं, 'मैं हमेशा लंबी रेस का घोड़ा बनना चाहता था। खुद और अपनी कला पर काम करने के लिए अकेले वक्त बिताना, ट्रैवल करना और परिवार के साथ समय गुजारना भी उतना ही जरूरी है, जितना मीडिया और दर्शकों से जुड़ना। हर वक्त पब्लिक प्रोफाइल बनाए रखना मेरी कोशिश नहीं रही। मैंने सीखा है कि चर्चित होने और यादगार होने में आसमान-जमीन का फर्क है। मेरी कोशिश हमेशा यादगार काम करने की रहती है, चर्चित होना तो उसके बाद अपने आप हो जाएगा।'

लाइफ की हर डीटेल सोशल मीडिया पर डालना जरूरी नहीं

सोशल मीडिया पर लाइक्स और व्यूज ताहिर के लिए कितने मायने रखते हैं? वह कहते हैं, 'मेरे लिए सोशल मीडिया अहम है, लेकिन एक सीमा तक। फिल्म या ट्रेलर रिलीज होने पर दर्शकों की प्रतिक्रिया जानना अच्छा लगता है। इससे प्रशंसकों से जुड़ने और अपने काम को उन तक पहुंचाने का मौका मिलता है। लेकिन जिंदगी का हर पल सोशल मीडिया पर साझा करना जरूरी नहीं। मैं क्या खा रहा हूं या कहां जा रहा हूं, यह बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरे लिए काम और निजी जिंदगी के बीच संतुलन जरूरी है। लाइक्स और व्यूज से ज्यादा अहम है कि आपका काम लोगों के दिलों में कितनी जगह बनाता है।'

महिलाओं के गुस्से और दर्द को समझता हूं

हाल ही में राजस्थान में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और नवजात की मौत के भयावह मामले ने देश को झकझोर दिया। महिलाओं की सुरक्षा और पुरुषों के रक्षक से भक्षक बनने के मुद्दे पर ताहिर कहते हैं, 'यह पूरे देश की समस्या है। ऐसी घटनाओं पर अफसोस जताने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही, समाज में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। जब तक लोगों का नजरिया नहीं बदलेगा, व्यवहार में बदलाव नहीं आएगा।' सोशल मीडिया पर चल रहे एंटी-मैन नारों पर वह कहते हैं, 'मैं महिलाओं के गुस्से और दर्द को सौ फीसदी समझ सकता हूं, लेकिन कुछ लोगों की गलती के लिए पूरे पुरुष समाज को दोषी ठहराना सही नहीं है। इसी समाज में डॉक्टर, वकील, पुलिसकर्मी और परिवार के ऐसे लोग भी हैं, जो महिलाओं का साथ देते हैं। हमें नकारात्मकता बढ़ाने के बजाय एकता और आपसी समझ पर जोर देना चाहिए।'



हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर आगामी हॉरर फ्रेंचाइजी 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत' में नजर आएंगी। यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'जानी दुश्मन' एक सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर होने वाली है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'दर्द तो बहुत देखा होगा, लेकिन अब खौफ महसूस करने के लिए तैयार हो जाएं। आपके लिए पेश है, फिल्म 'जानी दुश्मन : डर के आगे मौत'।' फिल्म का निर्देशन अरशद सैयद कर रहे हैं, जबकि इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर रॉबी ग्रेवाल हैं। इसका निर्माण भूषण कुमार (टी-सीरीज) और प्रभलीन संधू की अलमाइटी मोशन पिक्चर मिलकर कर रहे हैं।

इस फ्रेंचाइजी और सहयोग के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने कहा, 'अलमाइटी मोशन पिक्चर एक भरोसेमंद क्रिएटिव पार्टनर रहा है और उनकी टीम के साथ काम करना हमेशा अच्छा लगता है। सीरीज 'मेड इन इंडिया - अ टाइटन स्टोरी' के बाद, हम जानी दुश्मन के लिए उनके साथ फिर से काम करके खुश हैं।' अलमाइटी मोशन पिक्चर की फाउंडर प्रभलीन संधू ने कहा, 'भूषण जी और टी-सीरीज के साथ काम करना हमेशा सुखद रहा है। हमारा जुड़ाव हमेशा खास रहा है और हम एक बिल्कुल अलग सिनेमाई अनुभव के लिए एक बार फिर साथ आने को लेकर उत्साहित हैं। जानी दुश्मन खास तौर पर स्पेशल है क्योंकि यह मुझे रॉबी ग्रेवाल और अरशद सैयद से फिर मिलाती है, जिनके साथ हमने भारत की सबसे पसंदीदा पैरानॉर्मल थ्रिलर सीरीज में से एक बनाई थी।

फिल्म में हाई-ऑक्टेन और रोमांचक एक्शन सीक्वेंस सुनिश्चित करने के लिए हॉलीवुड के मशहूर स्टंट डायरेक्टर पीटर पेड्रेरो भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं, जिन्होंने हैरी पॉटर, फास्ट एंड फ्यूरियस, द एक्सपेंडेबल्स, गेम ऑफ थ्रोन्स और द कॉन्ज्यूरिंग जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म की कहानी पूरी तरह से यूनाइटेड किंगडम की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। यह एक मां-बेटी की कहानी है, जो पारिवारिक रहस्यों और अलौकिक शक्तियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है। इस फिल्म को क्रिएटिव तौर पर रॉबी ग्रेवाल ने प्रोड्यूस किया है। इसके को-प्रोड्यूसर शिव चनाना और सुनीता विनोद व्यास हैं। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रजनीकांत की फिल्म धर्मन में हुई श्रीलीला की एंट्री



एक्ट्रेस श्रीलीला के हाथ एक और बड़ी तमिल फिल्म लगी है। वह जल्द ही रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अश्वथ मरिमुथु कर रहे हैं, जो 'ओह माय कडवुले' और 'ड्रैगन' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने श्रीलीला के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह पहली बार रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस ने एक्ट्रेस का स्वागत करते हुए एक वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'उनमें चमक है, उनमें पटाखा वाली बात है। 'धर्मन' में खूबसूरत श्रीलीला का स्वागत है।' बता दें कि फिल्म में रजनीकांत और श्रीलीला के अलावा सिमरन, नयनतारा, योगी बाबू और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'धर्मन' पहली फिल्म है, जिसमें अश्वथ मरिमुथु रजनीकांत को डायरेक्ट कर रहे हैं।

फिल्म में डॉक्टर के किरदार में दिखेंगे रजनीकांत

फिल्म के पहले पोस्टर के मुताबिक, रजनीकांत इसमें एक डॉक्टर की भूमिका निभा रहे हैं। मेकर्स ने उनके किरदार को 'केट्टा पायन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम उनकी 1978 में आई फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' के मशहूर किरदार की याद दिलाता है। अब तक सामने आए कुछ पोस्टर्स में रजनीकांत के हाथों पर खून नजर आ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार ग्रे शेड्स वाला हो सकता है। फिल्म की शूटिंग का तीसरा शेड्यूल सितंबर में पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि अब फिल्म की मुख्य शूटिंग अपने आखिरी चरण में पहुंच रही है। श्रीलीला और नयनतारा फिल्म की कास्ट में हाल ही में शामिल हुई हैं।



तमिल सिनेमा में लगातार बढ़ रहा है श्रीलीला का काम

श्रीलीला ने इसी साल फिल्म 'पराशक्ति' से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था। इस फिल्म में वह शिवकार्तिकेयन, रवि मोहन और अथर्वा के साथ नजर आई थीं। इसके बाद से उनके पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' भी शामिल है। इस फिल्म में वह रोजा का किरदार निभा रही हैं, जो धनुष की पत्नी है। इसके अलावा वह अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' में भी नजर आएंगी। अब 'धर्मन' के जरिए श्रीलीला को तमिल सिनेमा के एक और बड़े सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने का मौका मिला है। इस फिल्म का निर्माण रजनीकांत और कमल हासन के प्रोडक्शन हाउस राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के साथ आर महेंद्रन की टर्मरिक मीडिया मिलकर कर रहे हैं।



भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है 'रामायण'

नमित मल्होत्रा और नितेश तिवारी की 'रामायण' को लेकर देशभर में उत्साह चरम पर है। ऐसे में सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी भी इस फिल्म के समर्थन में आगे आए हैं। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'रामायण' साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के भव्य पैमाने, शानदार स्टारकास्ट और अद्भुत विजुअल्स के अलावा, जो बात इस प्रोजेक्ट को सबसे खास बनाती है, वह है इससे जुड़ी भावनाएं और इसकी आत्मा। शुरुआत से ही फिल्म की टीम ने इस महागाथा को महज एक फिल्म के तौर पर नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी के रूप में देखा है। ऐसे दौर में, जब फिल्मी प्रचार अक्सर मार्केटिंग रणनीतियों और तय शेड्यूल तक सीमित रहता है, वहीं 'रामायण' ने भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक महत्व से जुड़ा रास्ता चुना है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां भी इस भव्य प्रोजेक्ट के समर्थन में आगे आ रही हैं। रिलीज से ठीक पहले इस उत्साह को और बढ़ाते हुए सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी ने सोशल मीडिया पर फिल्म की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने x स्टोरी पर एक खास संदेश साझा करते हुए लिखा: 'हमारी कालजयी कहानियों और संस्कृति को इतने भव्य स्तर पर जीवंत होते देखना वाकई बेहद खास है। यह भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल है!



...अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं कीर्ति शेट्टी

कीर्ति शेट्टी अब हिंदी फिल्मों में अपनी नई पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। खबर है कि वह जल्द ही एक प्रेम कहानी के जरिए बॉलीवुड में कदम रखेंगी। इस फिल्म का निर्देशन विधि घोड़गांवकर करेंगी, जो करीब 17 साल से फिल्मकार रोहित शेट्टी के साथ जुड़ी रही हैं। फिल्म का निर्माण अभिषेक एस. व्यास अपनी निर्माण कंपनी एवीएस स्टूडियोज के तहत करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग साल 2026 के आखिर तक शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म का नाम, कहानी और दूसरे कलाकारों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म का नाम भी अभी तय तौर पर सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसके अलावा कीर्ति के साथ मुख्य भूमिका में कौन सा अभिनेता नजर आएगा, यह भी स्पष्ट नहीं है। कीर्ति को फिल्म 'उप्पेना' से खास पहचान मिली थी। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और वह साउथ सिनेमा की चर्चित युवा अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

फिलहाल राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है

तमिलनाडु की राजनीति में जब भी किसी फिल्मी सितारे के कदम रखने की चर्चा होती है, तो सबसे पहले साउथ के बड़े सितारों का नाम सामने आता है। खासकर अभिनेता विजय के राजनीति में आने के बाद से यह सवाल और भी चर्चा में है कि क्या आने वाले समय में कोई दूसरा बड़ा स्टार भी सियासी मैदान में उतर सकता है। इसी बीच अभिनेता सूर्या के राजनीति में आने को लेकर भी लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, अब खुद सूर्या ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है।

दरअसल, सूर्या 8 नवंबर को चेन्नई में दिवाली वाले दिन अपनी फिल्म 'सीन' से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उनसे राजनीति में आने की संभावनाओं को लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिनेता ने कहा, 'मैं राजनीति में नहीं आने वाला हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि मुझे राजनीति से नफरत है। मैं चुपचाप और करीब से राजनीति को देख रहा हूं।' अभिनेता ने आगे कहा कि राजनीति में आने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना और उसकी जिम्मेदारियों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिना रास्ता जाने वह राजनीति में कदम नहीं रखेंगे।



एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009